दैनिक

जयपुर टाइम्स

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

नई सोच नई रफ्तार

jaipurtimes.org
twitter.com/JaipurTimes2
dainikjaipurtimes
youtube.com/c/JaipurTimes
instagram.com/jaipurtimesjt

वर्ष : 10 अंक : 19 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, शनिवार 8 फरवरी, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

फोन टैपिंग पर विपक्ष का हंगामा, सीएम ने सटीक जवाबों से विपक्ष को किया पस्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। विधानसभा में सीएम भजनलाल शर्मा ने राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए विपक्ष और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। कांग्रेस के सदन में हंगामे के बीच मुख्यमंत्री ने विपक्ष की ओर से लगाए गए आरोपों का सिलसिलेवार तरीके से जवाब दिया। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली को बोलने से रोकने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस की यह अंदरूनी लड़ाई है। उन्होंने कहा कि वंचित वर्ग से आने वाले नेता प्रतिपक्ष को नहीं बोलने देने का कांग्रेस ने षड्यंत्र किया है। यदि कोई दूसरे वर्ग का नेता प्रतिपक्ष होता तो कांग्रेस उसे जरूर बोलने देती।

डोटासरा के आरोपों पर पलटवार

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की ओर से केंद्र के बजट को लेकर लगाए गए आरोपों पर तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि डोटासरा आरोप लगा रहे थे कि केंद्र के बजट में राजस्थान का जिक्र नहीं हुआ, जबकि हर सेक्टर में राजस्थान को अच्छा खासा बजट मिला है। जरा आंखें खोलकर देखो।

जल जीवन मिशन में घोटाले का आरोपः

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि आपके शासन में राजस्थान जल जीवन मिशन की अंतिम पायदान पर था। इसमें बड़े पैमाने पर घोटाला हुआ, जो सबके सामने है। हमारी सरकार ने इसे सुधारने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली एक किसान के बेटे हैं। वे संजीदगी से काम करते हैं, लेकिन कांग्रेस ने उन्हें दबाव में रखकर बोलने से रोक दिया। यह कांग्रेस का अन्याय है।

कांग्रेस में आपसी गुटबाजी पर कटाक्ष

मुख्यमंत्री ने डोटासरा और टीकाराम जूली के बीच आपसी खींचतान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जूली साहब, आप डोटासरा के चक्कर में क्यों आ गए? डोटासरा किसी को बोलने नहीं देंगे। यह कांग्रेस का पुराना चरित्र है। मैं खुद ब्रजभूमि से आता हूं, तुम्हारे इन जयकारों का मुझ पर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला।

चश्मा दिलवाया जा सकता है पर दृष्टि नहीं दी जा सकती

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि उपचुनाव में डोटासरा बड़ा गमछा घुला रहे थे, लेकिन राजस्थान की जनता ने उन्हें आइना दिखा दिया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव एक जिले का नहीं बल्कि छह संभागों का था, जिसमें कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा। मुख्यमंत्री ने डोटासरा को निशाने पर लेते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता किसानों के घोर विरोधी हैं और उनकी समस्याओं को सुनना नहीं चाहते। उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार ने पांच साल में 4,138 घोषणाएं की, लेकिन उनमें से 1,921 घोषणाएं अभी तक पूरी नहीं हो सकीं।

राज्यपाल के अभिभाषण पर सीएम भजनलाल का जवाब

मैं किसान का बेटा हूं, सूद समेत चुकाता हूं। आज तक किसी का बाकी नहीं रखा। आप चिंता मत कीजिए, सूद समेत चुकाऊंगा, आगे-आगे देखिए क्या-क्या होता है

निकम्मा और नाकारा किसको कहा था, यह तो बता दो सदन में

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मैं जो भी हूं वह विपक्ष की मेहरबानी पर नहीं हूं। मैं राजस्थान की जनता की मेहरबानी से यहां बैठा हूं। कुंभ में राजस्थान मंडपम बना है, कांग्रेसियों की संस्कृति एक परिवार के लिए है, इनके भगवान राम एक परिवार हैं कांग्रेसी रात में आते हैं और हंगामा करते हैं, फोन टैपिंग बंद करो, मुख्यमंत्री इस्तीफा दो! कांग्रेस कहती हैं यमुना के पानी लाने में डोटासरा को पसीना तो आएगा, डोटासरा हरियाणा में गए थे, जहां डोटासर जी जहां जाते हैं, गमछा हिलाते हैं वहां हरवा के आ जाते हैं, घोषणा पत्र भी नहीं पढ़ते हैं डोटासरा। हरियाणा की जनता ने भाजपा को समर्थन दिया है, अब यमुना का पानी डोटासरा नहीं रोक पाएंगे, वो भी राजस्थान को मिलेगा, डोटासरा किसके साथ थे, हरियाणा की जनता के साथ थे या राजस्थान की जनता के साथ थे, 1917 क्यूसेक पानी राजस्थान को मिलेगा।

एक लाख 85 हेक्टेयर जमीन को पानी मिलेगा, चूरू और झुंझुनूं को मिलेगा पीने का पानी किसानों को लेकर कांग्रेस कह रही है कि किसानों को बिजली नहीं मिल रही है, 545 मेगावाट में बिजली उत्पादन बढ़ा था, 2100 मेगावाट बिजली का उत्पादन बीजेपी सरकार में एक साल में हुई है। नौकरी देने के मामले में भी बीजेपी सरकार ने अपना वादा निभाया है, पांच साल में हम चार लाख नौकरी दी जाएगी.. 59236 पदों पर नियुक्ति दी जा चुकी है, राजस्थान सरकार की तरफ से 172990 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। 81 हजार पदों भर्ती परीक्षाओं का कैलेंडर जारी किया जा चुका है। सदन में प्रतिपक्ष के नेता के रूप में कई नेता रहे हैं। ऐसा कभी नहीं हुआ कि प्रतिपक्ष के नेता को बोलने नहीं दिया गया है।

जूली पर सीएम का तंजः

कांग्रेस को किसान के बेटे से बहुत नफरत है, कांग्रेस को चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों से नफरत है, प्रतिपक्ष की नजर आरएएस के पदों पर हैं कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में भर्ती नहीं की है और अब हम लोग भर्ती कर रहे हैं कि कांग्रेस को परेशानी हो रही है, इतने साल कांग्रेस ने भर्ती नहीं की है 19033 शिक्षकों की भर्ती की गई है, 22 हजार पैरामेडिकल, 3000 से ज्यादा पुलिस कांस्टेबलों की भर्ती सरकार ने की है।

सीएम ने डोटासरा पर कसा तंज

राजस्थान में कांग्रेस का बोल्या मोरियाः सीएम भजनलाल

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। राजस्थान विधानसभा में सीएम भजनलाल शर्मा के निशाने पर कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा रहे। सीएम ने सदन में कहा कि डोटासरा को तय करना चाहिए कि वो किसके साथ हैं। हरियाणा की जनता के साथ या फिर राजस्थान की जनता के साथ। डोटासरा हरियाणा में चुनाव प्रचार के लिए गए थे। लेकिन उन्होंने कांग्रेस का घोषणा पत्र जाने से पहले नहीं पढ़ा था। यमुना का पानी राजस्थान के लोगों को मिलना चाहिए था। सीएम भजनलाल ने सदन में कहा कि गमछा घुमा रहे थे। सदन से वे चले गए पर उन्होंने ये नहीं बताया कि मोरिया किसका बोला। कितनी बार बोला है, अब हरियाणा की जनता ने भाजपा को समर्थन दे दिया है। अब यमुना का पानी डोटासरा जी नहीं रोक पाएंगे। उस पर राजस्थान के लोगों का हक है, वो राजस्थान को मिलेगा। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को तय करना होगा कि वे किसके साथ हैं। वे हरियाणा की जनता के साथ थे या राजस्थान की जनता के साथ थे। राजस्थान को 1917 क्यूसेक पानी मिलेगा। इस पानी से एक लाख 85 हेक्टेयर जमीन की सिंचाई होगी। साथ ही चूरू और झुंझुनूं के लोगों को पीने का पानी मिलेगा। राजस्थान में जिला बनाने को लेकर भी सीएम ने कांग्रेस विधायकों के सामने सवाल खड़े किए। सीएम ने कहा कि कांग्रेस ने वोटों के लिए नए जिलों की घोषणा की थी। आचार संहिता लगने से कुछ दिन पहले जिले बनाए गए थे। कांग्रेस राजनीतिक फायदा उठाना चाहती थी।

67 साल में सात जिले बने

साल 1956 में प्रदेश में 26 जिले होते थे। तब से लेकर 67 साल में मात्र सात नए जिले बनाए गए। इन सात जिलों में से केवल एक जिला कांग्रेस की सरकार में बना था। बाकि जिले बीजेपी की सरकार में बने थे। आचार संहिता लगने से थोड़ी दिन पहले एक साथ 17 जिले बना दिए गए थे। जहां जिले बनाए गए, वहां की जनता ने भी कांग्रेस को नाकार दिया है। कांग्रेस की वोट की राजनीति जनता को पसंद नहीं आई।

न्यूज इनबॉक्स

दो हज़ार करोड़ रुपए के फेमा मामले में ईडी का एक्शन

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। दो हज़ार करोड़ रुपये के विदेशी मुद्रा कानून उल्लंघन (फेमा) मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को मनोरंजन कंपनी इरोस इंटरनेशनल मीडिया लिमिटेड और उसकी कुछ संबद्ध संस्थाओं के खिलाफ छापेमारी की। मामले में ईडी ने बताया कि यह छापेमारी इरोस इंटरनेशनल मीडिया लिमिटेड और उसके समूह की अन्य संस्थाओं की ओर से कथित फंड डायवर्जन के मामले में चल रही जांच का हिस्सा थी। छापेमारी में विदेशी संस्थाओं, अचल संपत्तियों, विदेशी बैंक खातों और डिजिटल उपकरणों से संबंधित अपराधी दस्तावेज जब्त किए गए। साथ ही जांच एजेंसी ने बताया कि यह जांच इरोस समूह और उसके प्रमोटरों के खिलाफ सेबी की ओर से की गई जांच के आधार पर शुरू की गई थी, जिसमें वित्तीय विवरणों के गलत होने और लगभग 2,000 करोड़ रुपये के फंड के डायवर्जन या हेफनिंग के आरोप लगाए गए थे।

'सुप्रीम' आदेशः एक एफआईआर से जुड़ी सभी जमानत याचिकाएं एक ही पीठ सुने

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि एक ही एफआईआर से जुड़े सभी जमानत आवेदनों को उच्च न्यायालय में एक ही न्यायाधीश या पीठ के समक्ष रखा जाना चाहिए। इससे जमानत मामलों में विचारों में एकरूपता सुनिश्चित होगी। मामले में सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बी आर गवई और के विनोद चंद्रन की पीठ ने जुलाई 2023 में शीर्ष अदालत के तीन न्यायाधीशों की पीठ के आदेश का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि एक ही एफआईआर से उत्पन्न सभी मामलों को एक ही न्यायाधीश के पास भेजना उचित है।

फैसलों में समानता के लिए कोर्ट का आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एक ही एफआईआर से संबंधित सभी जमानत आवेदनों को एक ही न्यायाधीश के पास भेजा जाना चाहिए ताकि फैसलों में समानता बनी रहे। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर एक ही एफआईआर से जुड़े मामलों में अलग-अलग न्यायाधीशों के पास जमानत आवेदन होते हैं, तो बाद में मामले की सुनवाई करने वाला न्यायाधीश पहले के फैसलों को उचित महत्व दे सकता है।

भारत में 14 करोड़ महिलाओं की हुई स्तन कैंसर जांच

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को लोकसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में बताया कि देश में 14 करोड़ से ज्यादा महिलाओं की स्तन कैंसर की जांच की गई है। जांच के दौरान 57,184 महिलाओं में इस बीमारी का पता चला, जिनमें से 50,612 का इलाज चल रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल के आंकड़ों का हवाला देते हुए ये भी बताया कि देश में नौ करोड़ से अधिक महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर की जांच की गई है। जिनमें से 96,747 महिलाओं में इस बीमारी का पता चला और 86,196 का इलाज चल रहा है।

गैर संचारी रोगों की जांच के लिए एनसीडी पोर्टल शुरू

सरकार ने साल 2018 में गैर संचारी रोगों (एनसीडी) की जांच और प्रबंधन और मरीजों की निरंतर देखभाल सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल की शुरुआत की थी। एनसीडी बीमारियों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मुख कैंसर, स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर जैसी बीमारियां शामिल हैं। इस पोर्टल का उद्देश्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य संवर्धन, शीघ्र निदान, प्रबंधन और उचित स्तर की स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए रेफरल पर ध्यान केंद्रित करना था। इस कार्यक्रम के तहत, देश भर में 770 जिला एनसीडी क्लीनिक, 233 कार्डियक केयर यूनिट (सीसीयू), 372 जिला डे केयर सेंटर और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 6410 एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।

पाटीदार आरक्षण आंदोलन से जुड़े मुकदमे वापस लेगी गुजरात सरकार

जयपुर टाइम्स

अहमदाबाद। गुजरात सरकार ने 2015 के पाटीदार आरक्षण आंदोलन के संबंध में दर्ज नौ मामलों को वापस लेने का फैसला किया है। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने शुक्रवार को बताया कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पाटीदार आरक्षण आंदोलन से जुड़े नौ मामलों को वापस लेने का फैसला किया है। इन मामलों की जांच पूरी हो चुकी है और आरोपपत्र भी दाखिल किए गए हैं। हार्दिक पटेल ने सरकार के इस फैसले पर कहा कि मैं भाजपा सरकार को मेरे और कई अन्य पाटीदार युवाओं के खिलाफ दर्ज राजद्रोह सहित मामलों को

हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के लूणकरणसर जाने वाले मुख्य सड़क पर शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। पीबीएम अस्पताल से कल्यु देवी का इलाज करवाकर भारतमाला मार्ग से सरदारशहर लौट रहे थे। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद लॉरिंग मशीन का चालक मौके से फरार हो गया। बता दें कि खेताराम प्रजापत सरदारशहर उपखंड क्षेत्र में

गांव मीतासर के पास पिकअप लॉरिंग मशीन गाड़ी और स्विफ्ट डिजायर कार की आमने-सामने जबरदस्त टक्कर हो गई। हादसे में कार में सवार खेताराम प्रजापत (55), उनकी पत्नी कल्यु देवी (50) और बेटे संजय प्रजापत (30) की मौके पर ही मौत हो गई। सरदारशहर राजकीय उपजिला अस्पताल के डॉ किशन सिहाग के अनुसार मृतक परिवार वार्ड 15 का रहने वाला था। बीकानेर के एक प्रतिष्ठित व्यापारी थे। बीकानेर के पांच भाई चौक पर पट्टी का बड़ा व्यवसाय चलाते थे। पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में तीनों शवों का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपूर्द कर राजकुमार की रिपोर्ट पर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। घटना की सूचना मिलते ही सरदारशहर अस्पताल में स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

गुणावगुण के आधार पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान संकाय के संचालन का निर्णय लिया जाएगा - शिक्षा मंत्री

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)।। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि गत सरकार के कार्यकाल में खोले गए विद्यालयों में किसी में भी विज्ञान विषय नहीं होने से विद्यार्थी विज्ञान की शिक्षा से वंचित रहे। वर्तमान राज्य सरकार गुणावगुण के आधार पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान संकाय संचालित करने का निर्णय करेगी। शिक्षा मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि गत सरकार के कार्यकाल में विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचरियों की पदोन्नति के संबंध कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाये गए। वर्तमान राज्य सरकार के प्रभाव में आने के बाद विभाग स्तर पर दिसम्बर 2024 में स्कूल व्याख्याता की वर्ष 2021-22, 2022-23 की डीपीसी आयोजित की गई। इसमें चयनित कुल 10515 प्राध्यापकों, जिनमें 1923 व्याख्याता विज्ञान के हैं, उनके पदस्थापन हेतु ऑनलाईन कांउसलिंग का कार्य वर्तमान में प्रक्रियाधीन है एवं वर्ष 2023-24 व 2024-25 की डीपीसी उपरान्त 2 चयनित कार्मिक उपलब्ध होने पर नियमानुसार पदस्थापन की कार्यवाही की जा सकेगी।

अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प सूरजकुंड मेले में राजस्थान पवेलियन हुआ शुरू, केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने किया सूरजकुंड मेले का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। हरियाणा के फरीदाबाद में केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र शेखावत ने 38 वें अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प सूरजकुंड मेले का शुभारंभ किया। इस दौरान शेखावत ने मेले में राजस्थान पैवेलियन का दौरा किया। शेखावत ने राजस्थान पवैलियन में लगे यूनेस्को हैरिटैज मोनिमेंट्स की तारीफ की। सूरजकुंड मेले में 7 से 23 फरवरी तक आयोजित होने वाले मेले में रात के समय 18 लाइव इवेंट्स होंगे। शनिवार को राजस्थान के लोक कलाकार मामे खान का इवेंट रहेगा। इस बार सूरजकुंड मेले में 42 देशों के 648 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे. ओडिशा और मध्य प्रदेश इस बार मेले के दो थीम राज्य हैं। सूरजकुंड मेला दुनिया का सबसे बड़ा शिल्प मेला बन चुका है, जो भारत की समृद्ध कला परंपराओं को संजोए हुए है।1987 में शुरू हुआ ये शिल्प मेला कारीगरों को सीधा बाजार उपलब्ध कराकर उनकी आजीविका को सशक्त बनाने और भारत सरकार के वोकल फॉर लोकल तथा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

अप्रवासियों से दुर्व्यवहार पर विदेश मंत्रालय का जवाबः अमेरिकी अधिकारियों से करेंगे बात

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। अमेरिका से भारत भेजे गए अप्रवासियों के साथ किए गए दुर्व्यवहार को लेकर विदेश मंत्रालय ने जवाब दिया है। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि अप्रवासियों से दुर्व्यवहार का मुद्दा हमारे सामने आया है। इस मुद्दे को लेकर हम अमेरिकी अधिकारियों से बात करेंगे। हम यह तय करेंगे कि निर्वासितों के साथ कोई दुर्व्यवहार नहीं होना चाहिए। ऐसा कोई भी मामला हमारे सामने आएगा तो हम उसे अमेरिका के सामने उठाएंगे।

विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि अमेरिकी अधिकारियों ने हमें आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन के बारे में सूचित किया है। इस पर विदेश मंत्री ने मानक संचालन प्रक्रिया का विवरण दिया है। अवैध आव्रजन को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ पूरे सिस्टम में कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि अवैध भारतीय प्रवासियों के निर्वासन के बाद कोई विरोध प्रदर्शन हुआ था। हमारे पास किसी विरोध प्रदर्शन का कोई रिकॉर्ड नहीं है।

विदेश सचिव ने कहा कि निर्वासन की प्रक्रिया नई नहीं है। इस बारे में विदेश मंत्री ने भी कल संसद में बताया था। दुनिया का कोई भी देश अगर अपने नागरिकों को वापस स्वीकार करना चाहता है तो उसे यह आश्वासन चाहिए होता है कि जो भी वापस आ रहा है वह भारत का नागरिक है। क्योंकि

इससे वैधता और सुरक्षा के मुद्दे जुड़े हैं।

उन्होंने कहा कि जब हमने अमेरिका से संभावित वापसी करने वालों के बारे में विवरण मांगा तो हमें बताया गया है कि अंतिम निष्कासन वाले 487 भारतीय नागरिक हैं।

हमें 298 व्यक्तियों के बारे में विवरण दिए गए हैं। हम अमेरिकी समकक्षों के साथ इस मामले में बहुत पारदर्शी रहे हैं। दो दिन पहले जो निर्वासन हुआ वह कई वर्षों से हो आ रही उड़ानों की तुलना में कुछ अलग है और यह बहुत ही महत्वपूर्ण है।

एआई शिखर सम्मेलन में भाग लेने फ्रांस जाएंगे मोदी

विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 से 12 फरवरी 2025 तक फ्रांस की यात्रा पर रहेंगे। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस की ओर से आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस शिखर सम्मेलन की सह अध्यक्षता करेंगे। सम्मेलन में फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों भी होंगे। प्रधानमंत्री 10 फरवरी की शाम को पेरिस पहुंचेंगे। यहां वह राष्ट्रपति मैक्रों की ओर से सरकार के प्रमुखों और राष्ट्राध्यक्षों के सम्मान में एलीसी पैलेस में आयोजित रात्रिभोज में शामिल होंगे। रात्रिभोज में टेक डोमेन से बड़ी संख्या में सीईओ और शिखर सम्मेलन में आमंत्रित कई अन्य विशिष्ट लोगों के भी शामिल होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अगले दिन 11 फरवरी को प्रधानमंत्री राष्ट्रपति मैक्रों के साथ एआई एक्शन शिखर सम्मेलन की सह- अध्यक्षता करेंगे। यह तीसरा उच्च स्तरीय शिखर सम्मेलन है। इनमें से पहला 2023 में यूके में और दूसरा 2023 में कोरिया गणराज्य में आयोजित किया गया था। 2024 में अब यह फ्रांस में हो रहा है। एआई शिखर सम्मेलन के बाद पीएम मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों भारत-फ्रांस सीईओ फोरम को संबोधित करेंगे। इसके बाद पीएम मोदी 11 फरवरी की शाम को मार्सिले जाएंगे। यहां राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पीएम मोदी के सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन भी करेंगे। 12 फरवरी को वह युद्ध कब्रिस्तान जाएंगे और प्रथम विश्व युद्ध में बलिदान देने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि देंगे। दोनों नेता संयुक्त रूप से मार्सिले में भारत के नवीनतम महावाणिज्य दूतावास का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद दोनों नेता अंतरराष्ट्रीय थर्मल परमाणु प्रायोगिक रिएक्टर स्थल कदाश का दौरा करेंगे।

मेगा स्वास्थ्य शिविर का किया गया आयोजन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गुढ़ा चुरानी, ब्लॉक थानागाजी पर लूपिन फाउंडेशन और राजस्थान सरकार के साथ हुए समझौते के अंतर्गत मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन नोडल अधिकारी एनसीडी एवं उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (स्वास्थ्य) डॉ महेश कुमार बैरवा, तुषारा शंकर, हेड ष्टस्क्र लूपिन फाउंडेशन, डॉ. नचिकेत सुले, हेड स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं वेद शर्मा, स्टेट हेड, रवि दाधीच जिला स्वास्थ्य अधिकारी लूपिन द्वारा किया गया। शिविर के दौरान 72 मरीजों की जांच कर उपचार किया गया साथ ही लूपिन संस्थान के संस्थापक डॉ देश बंधु गुप्ता के जन्मदिन के उपलक्ष में लूपिन फाउंडेशन द्वारा थानागाजी की 8 स्वास्थ्य केंद्रों पर NCD कार्यक्रम को सुदृढ़ बनाने के लिए 8 Spirometry उपकरणों के साथ-साथ 13 सैमसंग टैबलेट भी भेंट दिए गए। लूपिन फाउंडेशन द्वारा NCD कार्यक्रम अलवर जिले के 7 ब्लॉक्स के 27 स्वास्थ्य केंद्रों पर 2023 से चलाया जा रहा है। अतः सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर NCD कार्यक्रम को सुदृढ़ बनाने के लिए NCD कोर्नर बनवाए जा रहे है ।

साथ ही सभी जगह ECG और Spirometer उपकरण भेंट किए गए अतः इसके अतिरिक्त, सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के अंतर्गत आने वाले 99 उप-स्वास्थ्य केंद्रों पर निम्न उपकरण दिए गए जिनमें BP मशीन, वेट मशीन, ग्लुकोमीटर, टेबल, चेयर, फुट स्टेप आदि शामिल हैं ताकी उप स्वास्थ्य केंद्रों पर एन सी डी स्क्रीनिंग का कार्य सुचारू रूप से सुनिश्चित किया जा सके।

अश्रुपूर्ण नेत्रों से दी रोटरी क्लब अलवर ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। रोटरी क्लब अलवर के 46 वें स्थापना दिवस पर पूर्व प्रांतपाल अरुणप्रकाश गुप्ता के असामयिक निधन का समाचार सुन सभी सदस्य हतप्रभ थे। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष दिनेश जैन जी की स्मृति में रखे गए रक्तदान शिविर सात का साथ के साथ ही पूर्व प्रांतपाल अरुणप्रकाश गुप्ता को सभी सदस्यों ने पुष्पांजलि अर्पित कर एवं मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। पूर्व प्रांतपाल क्रांति मेहता ने अवसर पर उनके पुराने समय का स्मरण कर उनका रोटरी के माध्यम से समाज को दी गई सेवा से अवगत कराया गया। उन्होंने उनके निधन को ना सिर्फ रोटरी जिला 3053 अपितु अंतर्राष्ट्रीय रोटरी के लिए अपूरणीय क्षति बताया। निवर्तमान प्रांतपाल पवन खंडेलवाल ने बताया कि अरुण प्रकाश जी ने वर्ष 2003-04 में जिला 3050 के प्रांतपाल के रूप में अपनी सेवाओं से जिले को लाभान्वित कराया। उनकी रोटरी एवं विशेष रूप से फाउंडेशन के बारें में विशेषज्ञता के बारे में दक्षता थी। क्लब अध्यक्ष दीपक कट्टा एवं मुकुंद गुप्ता ने भी उनके योगदान को याद कर उनके परिवार के साथ इस दुःख की घड़ी में साथ होने की बात कही। इस अवसर पर रोटरी चैरिटेबल प्रन्यास संस्थान के अध्यक्ष के के खंडेलवाल, पूर्व अध्यक्ष सुरेश गोयल, नीरज जैन, प्रमोद आर्य, सुरेश गुप्ता, नीलू जैन, डॉ अंकित जैन, अवि जैन, कोषाध्यक्ष भगवान दास अग्रवाल, अशोक कुमार, विकास गुप्ता होपवेल, कार्यक्रम समन्वयक विकास गुप्ता, प्रवीण खंडेलवाल, हर्ष गुप्ता, राकेश खन्ना, सुनिल गुप्ता, राजेश जैन ,रोटरी ब्लड बैंक से डॉ मधुकर, कुमुद गुप्ता आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर 11 यूनिट रक्तदान भी किया गया।

पीएनबी होम लोन एक्सपो का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। पंजाब नेशनल बैंक द्वारा आयोजित होम लोन एक्सपो का कंपनी बाग में उद्घघाटन समारोह संपन्न हुआ शुभारंभ तैयब खान, अधीक्षण अभियंता नगर विकास न्यास अलवर द्वारा फीता काटकर किया गया वही इस मेले में महिंद्रा, स्कोडा, हुंडई, मॉरिस गैराज कंपनियों के कार मॉडल का प्रदर्शन किया गया। अलवर के प्रसिद्ध बिल्डर वंडर ग्रुप व लॉर्ड्स ग्रुप तथा सोलर रूफटॉप के टाटा, ए5, अडानी कंपनी के डीलर्स द्वारा अपनी स्टॉल लगाई गई है। बैंक द्वारा होम लोन, कार, सोलर,

क्रेडिट स्कोर जानने हेतु, डीजी होम लोन इत्यादि की कुल 16 स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहीं। मंडल प्रमुख गिरवर अग्रवाल ने बताया कि एक्सपो के पहले दिन अलवर वासियों ने भारी संख्या में पहुंचकर आवास ऋण संबंधी प्रस्ताव पर बैंक अधिकारियों व बिल्डर से मौके पर ही जानकारी ली। वहीं एक्सपो में कार डीलर्स द्वारा प्रदर्शित वाहनों के लेटेस्ट मॉडल के प्रति भी युवाओं का क्रेज देखते ही बना। उन्होंने वाहनों को फाइनेंस करने के संबंध में बैंक के मार्केटिंग अधिकारियों से ब्याज दर व ऋण राशि की पूछताछ की सोलर रूफटॉप सूर्य घर योजना प्रोजेक्ट कॉस्ट की जानकारी लेकर बैंक फाइनेंस के संबंध में पूछा गया एक्स्पो में प्रमुख कार, सोलर डीलर व बिल्डर्स द्वारा ग्राहकों को अतिरिक्त छूट का आकर्षक ऑफर भी दिया एक्सपो में बैंक के जयपुर स्थित अंचल कार्यालय से सुधीर शर्मा डीजीएम भी आए व उन्होंने अलवरवासियों से इस एक्सपो का पूर्ण लाभ उठाने हेतु आह्वान किया एक्सपो में अलवर के अतिरिक्त भिवाड़ी, तिजारा, बहरोड़, कोटपुतली, खैरथल, दौसा, लालसोट इत्यादि क्षेत्र से प्राप्त आवास ऋण, कार ऋण व सूर्यघर सोलर प्रोजेक्ट की कई लीड्स पर विचार कर मौके पर ही सैद्धांतिक अथवा पूर्ण स्वीकृति दी गई उन्होंने कहा कि अलवरवासियों के लिए इस एक्सपो में विजिट करने हेतु एक दिन का अवसर और है अतः आधिकारिक संख्या में पधारकर बैंक व डीलर्स द्वारा दी जा रही आकर्षक छूट का लाभ उठाएं। इस एक्स्पो में विजिटर्स ने बैंक की निशुल्क स्वास्थ्य जांच परीक्षण सुविधा का लाभ उठाया।

अनिल शरण बंसल होंगे बाबा आमटे स्मृति सम्मान से सम्मानित

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निस)। बिगड़ते पर्यावरणीय हालातों और बढ़ते खतरों को मध्यनजर रखते हुये एलपीएस विकास संस्थान, भोपाला द्वारा 13 फरवरी को राज्य स्तरीय पर्यावरण संगोष्ठी का आयोजन किया जायेगा। जिसमें पर्यावरण के प्रति जागरूक व्यक्ति, संगठन, विद्यालयों को पद्मश्री राजा लक्ष्मण सिंह, पद्मश्री डॉ. माया टंडन, पर्यावरण रत्न ज्ञानेंद्र रावत, प्रदेशाध्यक्ष अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद केसी घुमरिया, पूर्व आईएएस सांवरमल झीरवाल, संस्थान के पर्यावरणविद् रामभरोस मीणा द्वारा सम्मानित किया जायेगा।

केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री ने अलवर सांसद खेल उत्सव के तहत आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित

पीएम की भावना युवा खेलेगा तो देश बढेगा के अनुरूप केंद्र सरकार खेल व खिलाडियों को आगे बढाने के लिए कृत संकल्पित - खड़से

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने अलवर में अलवर सांसद खेल उत्सव (ASK-U) के तहत आयोजित पुरूष और महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में शिरकत कर विजेता टीम के खिलाडियों को पुरस्कार वितरण किया।

केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री खडसे ने अपने संबोधन में कहा कि टेक्नोलॉजी के इस युग में खेल फिटनेस व टीम भावना उत्पन्न करने के साथ-साथ मनुष्य के सर्वांगीण विकास जरूरी है। खेल हमारी संस्कृति के अभिन्न अंग रहे हैं। इसी संस्कृति को आगे बढाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा खेलो इंडिया जैसी योजनाएं देशभर में चलाई हैं और उनका संदेश है कि बच्चे खेलेंगे तो देश बढेगा। उन्होंने केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने सभी सांसदों से कहा कि अपने-अपने क्षेत्र में खेल महोत्सवों का आयोजन करें। जबकि भूपेन्द्र यादव ने इससे पहले ही अपने संसदीय क्षेत्र में अलवर सांसद खेल उत्सव प्रारम्भ कर एक नजीर पेश की है। उन्होंने कहा कि अलवर के खिलाडियों को खेलों में आगे

बढने का यह बेहतरीन प्लेटफार्म मिला है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में हर आयुवर्ग की बेटियों की प्रतिभागिता देखकर सुखद एहसास हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने खेल बजट में इजाफा किया है और लगातार खेल सुविधाओं के विस्तार के साथ खिलाडियों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बेहतरीन अवसर प्रदान करने का सार्थक प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश में ओलम्पिक खेलों के आयोजन के लिए प्रयास प्रारम्भ किए हैं। देशभर में खेलों का माहौल तैयार करना इसी कडी का अंग है।

विजेताओं को किया सम्मानित

उन्होंने पुरूष क्रिकेट प्रतियोगिता के विजेता टीम मुण्डावर को एक लाख 51 हजार रूपये का चेक तथा उप विजेता टीम अलवर ग्रामीण को एक लाख रूपये का चेक भेंट किया।

इसी प्रकार महिला क्रिकेट प्रतियोगिता विजेता टीम किशनगढबास को 75 हजार रूपये तथा उप विजेता टीम अलवर शहर को 50 हजार रूपये का चेक भेंट किया। उन्होंने विजेता खिलाडियों का मेडल पहनाकर सम्मान किया। उल्लेखनीय है कि अलवर सांसद खेल उत्सव के तहत आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में अलवर संसदीय क्षेत्र की 340 से अधिक टीमों ने भाग लिया जिसमें से 40 टीमें बेटियों की रही।

इस दौरान जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला, जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता व महासिंह चौधरी, रमन गुलाटी, संजय नरूका, बन्नाराम मीणा, इन्द्र यादव, सतीश यादव, डॉ. अंजलि यादव, संदीप दायमा, गोरधन सिंह सिसोदिया, अरूण जैन, महेश निहालवानी, सुरेश मेहता, पवन जैन, देशराज खरेरा, हरिओम कटारा, प्रेम पटेल, ऋषिराज शर्मा, जितेन्द्र सैनी, सीमा मीणा सहित अनेक प्रबुद्ध व्यक्ति मौजूद रहे।

निःशुल्क घुटने एवं कूल्हे का जोड प्रत्यारोपण परामर्श शिविर आज

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। महावीर इन्टरनेशनल अलवर केन्द्र द्वारा संचालित आचार्य हस्ति चिकित्सालय, 1 शान्तिकुंज, भवानी तोप सर्किल, मीनल होटल के पास, अलवर में 8 फरवरी शनिवार को निश्शुल्क घुटने एवं कूल्हे का जोड प्रत्यारोपण परामर्श शिविर लगाया जाएगा। यह शिविर दोपहर 12 बजे से दोपहर 2 बजे तक लगाया जायेगा। केन्द्र सचिव सूर्यकान्त भारद्वाज ने बताया कि इस शिविर में फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल जयपुर से डॉ. अनूप झुरानी (रोबोटिक्स एवं क प्यूटर एडेड जोड प्रत्यारोपण विशेषज्ञ) की टीम से डॉ. गौरव अरडावतिया (हड्डी एवं जोड प्रत्यारोपण विशेषज्ञ) द्वारा नि-शुल्क परामार्श दिया जायेगा।

पहलः अब होगी न्यायालय में धूम्रपान आदि का सेवन तथा बेचान करने वालो के विरूद्ध कार्यवाही

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव व अपर जिला न्यायाधीश मोहनलाल सोनी, अलवर ने शुक्रवार को बेहतर पहल के लिए सख्त कदम उठाते हुए न्यायालय परिसर में सिगरेट, गुटखा व अन्य तंबाकू उत्पादन का सेवन तथा बेचान करने वालो के विरूद्ध कार्यवाही करने के लिये थानाधिकारी, पुलिस थाना कोतवाली, अलवर को दिशा-निर्देश प्रदान किये। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव व अपर जिला न्यायाधीश मोहनलाल सोनी, अलवर ने बताया कि न्यायालय परिसर में सिगरेट, गुटखा व अन्य तंबाकू उत्पादों का बेचान किया जा रहा है ओर उसे सेवन भी किया जा रहा है, जो कि अत्यंत खेदजनक है एवं यह %कोटपा (सिगरेट एण्ड अदर तंबाकू प्रोडक्ट) अधिनियम 2003' का साफतौर पर उल्लंघन है। न्यायालय परिसर में इस तरह खुले आम सिगरेट व अन्य तंबाकू उत्पादो का बेचान एवं सेवन किया जाना ना सिर्फ कोटपा अधिनियम का उल्लघंन है बल्कि न्यायालय परिसर में आने वाल लोग जिनमें महिलाएं, वृद्ध नागरिकजनों व बच्चे भी शामिल है, के स्वास्थ्य के लिये अत्यन्त हानिकारक हैं। अत- ऐसे व्यक्तियों के विरूद्ध नियमानुसार सतत् कार्यवाही करते हुये पालना रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिये गये।

कांग्रेस ने किया प्रधानमंत्री व भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। अमेरिका से भारतीय नागरिकों को जिस अमानवीय तरीके से भारत भेजा गया है। इस गंभीर मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार की खामोशी के खिलाफ पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी अलवर के जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन कर पुतला दहन किया गया। प्रवक्ता रिपुदमन गुप्ता ने बताया कि नंगली चौराहे पर कांग्रेसजनो ने नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की और मोदी का पुतला फूंका। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने कहा कि अमेरिकी सरकार द्वारा भारतीय प्रवासियों के अचानक और अन्यायपूर्ण निर्वासन करके भारत भेजते समय उनके हाथों में हथकड़ी और पैरों में जंजीर थी, जो बेहद ही शर्मनाक है एवं ये विश्व पटल पर भारत और भारतीयों का अपमान है।

इन घटनाओं के बावजूद, भाजपा की केंद्र सरकार उदासीन और असहाय बनी हुई है। हमारे नागरिकों के लिए खड़े होने और मानवीय व्यवहार की मांग करने के बजाय, सरकार शर्मनाक तरीके से इन कार्यों को उचित ठहरा रही है। वैश्विक मंच पर हमारे नागरिकों की गरिमा और अधिकारों की रक्षा करने में विफलता, कर्तव्य का एक अक्ष य अपराध है, जो सरकार की अपने लोगों के प्रति साहस और प्रतिबद्धता की कमी को उजागर करता है। भारत व भारतीयों के स मान में कांग्रेस पार्टी इस निष्क्रियता को चुनौती देने सडक से संसद तक आंदोलन करेगी। इस दौरान जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा, अजीत यादव, गफूर खान, हीरेन्द्र शर्मा,लीली यादव, रिपु दमन गुप्ता, हरिशंकर रावत, जगदीश अवस्थी, अंकित गोयल, एस आर यादव, पंकज शर्मा, अनवर साजिद, बनवारीलाल शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, राम प्रकाश शर्मा,राहुल पटेल, जमशेद खान, हुकुम सिंह, के के खंडेलवाल, डालचंद वर्मा, मनीष कोली, अशोक नंदा, धर्मेन्द्र शर्मा, रामगोपाल सोनी, छंगा मल लखेरा, अनिल चुग, मोरध्वज चौधरी, राजेश विरमानी, राजेश कृष्ण सिद्ध आदि उपस्थित रहे।

आठ दिवसीय फैलोशिप बढ़ाने लायंस इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट 3233 ई 1 के 120 सदस्य वियतनाम टूर को हुए रवाना

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। लायंस इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट 3233 ई 1 के 120 सदस्य का दल डिस्ट्रिक्ट गवर्नर (2024-25) पी एम जे एफ लायन सुनील अरोडा के नेतृत्व में आज दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से रात साढ़े 11 बजे वियतनाम के लिए रवाना होंगे। यह फैलोशिप टूर शुक्रवार से प्रारंभ होकर 15 फरवरी 2025 तक रहेगा। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर (2024-25) पीएमजेएफ लायन सुनील अरोडा के साथ पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एम जे एफ लायन अशोक ठाकुर, डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी पी.एम.जे.एफ. लायन के.सी.शर्मा एवं डिस्ट्रिक्ट को-ऑर्डिनेटर एम जे एफ लायन ओ.पी.मंगल तथा टूर कोऑर्डिनेटर एम.जे.एफ. लायन प्रमोद खैरवाल के संरक्षण में यह यात्रा प्रारंभ होगी।डिस्ट्रिक्ट 3233 ई 1 के रीजन चेयरपर्सन एम जे एफ लायन गिरीश गुप्ता ने बताया कि वियतनाम की यह यात्रा सदभाव बढ़ाने एवं फैलोशिप द्वारा अच्छे संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से रवाना हुई है लुकस्पॉट वेकेशन ट्रेवलिंग एजेंसी द्वारा यह यात्रा टूर ऑपरेटर पायल पटोदिया एवं मानस पटोदिया के साथ शुक्रवार को दिल्ली हवाई अड्डे से रात को रवाना होगी। जिसमे डिस्ट्रिक्ट 3233 ई 1 के 120 सदस्य गंगानगर (राजस्थान) से लेकर गुना डिस्ट्रिक्ट (मध्यप्रदेश) तक विभिन्न शहरो से जा रहे है। रीजन 2 सांवरियाँ के अलवर से ही 18 सदस्य इस यात्रा में जा रहे है। एमजेएफ लायन डॉ.मंजू अग्रवाल, लायन डॉ. वी.के.अग्रवाल, एमजेएफ लायन डॉ. एस.सी.मित्तल,

लायन अलका मित्तल, एमजेएफ लायन चन्द्र प्रकाश गुप्ता, लायन मीरा गुप्ता, लायन घनश्याम अग्रवाल, लायन सुधा अग्रवाल, लायन डॉ. ब्रिजेन्द्र गर्गलायन, डॉ.मिथलेश गर्ग, लायन डॉ. महेश जैन, लायन सुनीता जैन, लायन रविन्द्र गर्ग, लायन अनीता गर्ग, लायन सुरेश चन्द गुप्ता, लायन कुमकुम गुप्ता, लायन सतीश भाटिया, लायन आशा भाटिया इत्यादि सदस्य है।

कन्यादान योजना में 12 महीने आवेदन करने की सुविधा

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निस)।सीएम भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में समग्र विकास के लिये विभिन्न पहल की जा रही हैं। इसी क्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्यादान योजना (सहयोग एवं उपहार योजना) के तहत विवाह सहायता अनुदान के लिये आवेदन की अवधि अब एक वर्ष तक कर दी गई है। पहले यह सीमा 06 माह थी, जिसे लाभार्थियों की सुविधा के लिये बढ़ाया गया है। जिला समाज कल्याण अधिकारी विपिन ने बताया कि इस योजना के तहत अब इच्छुक आवेदक विवाह तिथि से एक माह पूर्व या विवाह के एक वर्ष के भीतर आवेदन कर सकते हैं। इससे वे लाभार्थी भी योजना का लाभ उठा सकेंगे, जो पहले आवेदन की समय सीमा समाप्त होने के कारण वंचित रह जाते थे।

योजना के लाभ और आवेदन प्रक्रिया

समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत विवाह सहायता अनुदान प्राप्त करने के लिये आवेदकों को विभागीय पोर्टल पर स्वयं या ई-मित्र केंद्र के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन करना होगा। इसके बाद आवेदन को संबंधित सामाजिक सुरक्षा अधिकारी कार्यालय में नियमानुसार जमा करना अनिवार्य होगा।

जिला कलक्टर ने किया रोजगार मेले का निरीक्षण

रोजगार मेले में 748 युवाओं को मिला रोजगार

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निस)। युवाओं को शैक्षणिक एवं कौशल योग्यता के आधार पर निजी क्षेत्र में रोजगार दिलाने हेतु एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन कर सहज एवं सरल माध्यम / प्लेटफार्म उपलब्ध कराया गया।

रोजगार मेले का आयोजन पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खैरथल में किया गया तथा इस दौरान कुल 748 युवाओं को रोजगार मिला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक किशनगढ़ बास रामहेत सिंह यादव, विशिष्ट अतिथि जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर द्वारा दीप प्रज्वलित कर शिविर का विदिवासी शुभारंभ किया गया।जिला कलेक्टर खैरथल-तिजारा किशोर कुमार में रोजगार मेले का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी नियोक्तागण से स्टाल टू स्टाल सम्पर्क कर नियुक्ति प्रक्रिया, वेतन, नियुक्ति संख्या की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त की तथा रोजगार विभाग के अधिकारियों आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। जिला कलेक्टर ने आगामी 6 माह में सम्पूर्ण मेला प्रक्रिया का फालों-अप कर इसमें स्वरोजगार, उद्यमिता एवं अन्तिम चयन पर विशेष ध्यान देने पर बल दिया।

इस शिविर में लगभग 2100 युवक युवतियों ने भाग लिया जिसमें प्रमुख रूप से आईटीआई, 10वी, 12वी, डिप्लोमा, बी टेक एवं स्नातक योग्यता धारक उपस्थित रहें। इस आयोजन में भिवाडी, नीमराणा, एमआईए अलवर की 33 कम्पनियों उन्हें भाग लिया तथा कंपनियों द्वारा 11000- 25000 के मध्य मासिक वेतन के अवसर उपलब्ध रहे। जिला कलेक्टर ने मौके पर पांच बेरोजगार अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए। रोजगार मेला में युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर विभिन्न कंपनियों में रोजगार प्राप्त किया। अंत में सुश्री मिटाक्षी गोयल एवं मनोज कुमार जांगिड़ द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इस अवसर पर संजय सिंह पटेल सहायक निदेशक आई टी आई भिनाड़ी, दरीश नानकवाल अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, सहायक निदेशक जिला रोजगार कार्यालय अलवर, बाबू लाल राजोरिया संस्थापन अधिकार जिला रोजगार कार्यालय अलवर, मिताक्षी गोयल सहायक निर्देशक राजकीय आईटीआई. निजारा, मनोज कुमार जांगिड़ अधीक्षक राजकीय आई-री-आई. किशनगढ़बास, अजीत कुमावत, अधीक्षक राजकीय आई.टी.आई. कोटकासिम, राजेन्द्र कुमार अधीक्षक राजकीय आई-टी-आई. सुहेटा उपस्थित रहे।

दशमी के अवसर पर तेजाजी धाम पर हुआ सत्संग का आयोजन

जयपुर टाइम्स

चौमू (निस)। शहर के रेनवाल रोड रेलवे अंडरपास के पास स्थित श्री वीर तेजाजी धाम पर दशमी के अवसर पर शुक्रवार को सरदार नासना एंड पार्टी की ओर से सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया श्री वीर तेजाजी विकास समिति के अध्यक्ष कालूराम जाट ने बताया कि दशमी के दिन तेजाजी महाराज व नागजी की झांकी सजाई गई एवं भोग लगाया गया इस मौके पर भक्तों की सुबह से ही भीड़ लग रही थी और भोग लगाकर मन्नत की जा रही थी मंदिर परिसर में सुबह से ही सत्संग कार्यक्रम का आयोजन गायक कलाकारों के द्वारा किया गया द्य जिसमें तेजाजी महाराज के सुंदर-सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी गई सत्संग कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने भी भाग लिया द्य तेजाजी विकास समिति के अध्यक्ष जाट के द्वारा विद्यालय परिवार को दुपट्टा पहनाकर एवं तेजाजी महाराज का चित्र भेंट कर सम्मान किया गया द्य सत्संग कार्यक्रम में मोहनलाल गोरा, बाबूलाल यादव, मालीराम गोरा, नाथू राणा, पुजारी ताराचंद शर्मा, अरविंद भातरा, सुंदर गोरा, प्रभु दयाल, सेडूराम सैनी, रियान चौधरी मौजूद थे ।

केरियर सेमिनार कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जयपुर टाइम्स

विराटनगर(निस)। कस्बे के निकटवर्ती राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आंतेला में एनएसएचआरडी एनजीओ व भारती पीजी कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

वही एनएसएस प्रभारी कृष्ण कुमार बासनीवाल ने बताया यह कार्यकर्म प्रधानाचार्य केदार मल मीणा की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान एफआईआईटी के निदेशक व एनजीओ के प्रतिनिधि कमल यादव ने उपस्थित विद्यार्थियों को कक्षा 10 व कक्षा 12 के बाद रोजगार के अवसरों के बारे में बताया।साथ ही किस प्रकार से अपना केरियर बना सकते हैं पूरी जानकारी दी गई। इस अवसर पर संगठन से बलराज सिंह शेखावत, दीपक शेखावत,जितेंद्र प्रजापत, पवन कुमार यादव व विद्यालय स्टाफ में संतोष कुमार जाट, हरिराम यादव,विक्रम मीना ,कौशल जेफ,शारीरिक शिक्षक सुभाष पलसानिया,जयसिंह रैगर, विमल मुद्गल,मनोज मीना,सुभाष पलसानिया,रजत कुमावत, विनोद मीना, पुरूषोतम शर्मा,मोहन लाल यादव,शिंभूदयाल जाट,हंसराज मीना,ताराचंद गुर्जर,सरोज कुमारी, अंजू यादव, मिथिलेशयादव ,मोनिका शेखावत ,हेमलता चौधरी, दीपिका चोपड़ा ,रजनी दीक्षित ,नवरतन मीना, भंवर ,सुरेश यादव ,रघुनाथ ,गोपाल शर्मा सहित अनेको लोग मौजूद थे।

रुक्मणी कृष्ण विवाह में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, झूमे श्रद्धालु

जयपुर टाइम्स

चौमूं(निस)। शहर के सब्जी मंडी के पास अग्रवाल धर्मशाला स्थित सत्यनारायण मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह के छठे दिन शुक्रवार को कथावाचक पंडित रामबाबू शास्त्री ने कथा में मथुरा

आगमन, कंस उद्धार, श्रीकृष्ण रूकमणी विवाह की कथा सुनाई। इस दौरान कथा आयोजक सत्यनारायण व यज्ञदत सर्राफ सहित परिवार ने रुक्मणी कृष्ण विवाह बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान महिलाओं ने विवाह की सारी रस्में अदा की गई। विवाह के दौरान महिला पुरुषों ने भगवान कृष्ण राधा के भजनों पर जमकर नृत्य किया और एक दूसरे को बधाइयां दी। अंत में कथा आयोजक सत्यनारायण व अंबिका प्रसाद सर्राफ ने श्रीमद् भागवत पोथी की महा आरती की। साथ ही श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया।

जीण माता मंदिर में हुई मूर्ति की प्राण- प्रतिष्ठा

जयपुर टाइम्स

चौमू (निस)। निकटवर्ती ग्राम इटावा में विरानियों की ढाणी में

शुक्रवार को दशमी के अवसर पर प्रातः 11-15 बजे नवनिर्मित जीण माता मंदिर में जीण माता की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा विद्वान पंडितों के द्वारा करवाई गई द्य कार्यक्रम आयोजक नाथूराम, जगन्नाथ प्रसाद, सरदार मल वीरानियां परिवार के द्वारा जगदंबा भवानी जीण माता मंदिर का निर्माण करवा कर मूर्ति की स्थापना करवाई गई द्य इस पर अवसर पर हवन भी करवाया गया और महिलाओं के द्वारा मंगल गीत गाए गए द्य माता के भोग लगाकर भक्तों को पंगत प्रसादी खिलाई गई एवं रात्रि में भजन संध्या का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा चालीस बीघा भूमि पर तीन अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। जयपुर विकास प्राधिकरण जोन-05 में ग्राम सुशीलपुरा ट्री हाउस स्कूल के पास, द्रव्यवती नदी के किनारे प्रस्तावित एस.टी.पी. प्लान्ट के निकट किये गये अवैध निर्माण के विरूद्ध ध्वस्त किया गया। गैर अनुमोदित योजना शिव शंकर कॉलोनी में बिना एकीकरण कराये भूखण्ड संख्या 30, 31 दोनो भूखण्डों को संयुक्त कर व्यवसायिक प्रयोजनार्थ बने अवैध निर्माण की नियमानुसार पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई। जोन-11 में निजी खातेदारी करीब 40 बीघा कृषि भूमि पर 03 नवीन अवैध कॉलोनियों को प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्त किया गया। महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया जोन-05 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम सुशीलपुरा ट्री हाउस स्कूल के पास, खसरा नं. 309 द्रव्यवती नदी के किनारे प्रस्तावित एस.टी.पी. प्लान्ट के निकट टीनशेडनुमा अवैध निर्माण किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-05 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया गया। जोन-05 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित गैर अनुमोदित योजना शिव शंकर कॉलोनी में भूखण्ड संख्या 30, 31 दोनो भूखण्डों को संयुक्त कर व्यवसायिक प्रयोजनार्थ बने स्टेऊक्रचर का अवैध निर्माण किये जाने पर निर्माणकर्ता को धारा 32, 33 जेडीए एक्ट के तहत नोटिस जारी कर अवैध निर्माण हटाने हेतु पाबंद किया गया था। परन्तु निर्माणकर्ता द्वारा अवैध निर्माण नहीं हटाने पर सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त कर धारा 34 (क) का नोटिस जारी कर दिनांक 07.02.2025 को उक्त अवैध बिल्डिंग के प्रवेश द्वारों इत्यादि को इंजीनियरिंग शाखा की मदद से ईंटों की दीवारों से चुनवाकर गेट ताला सील चपडी लगाकर नियमानुसार पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई।

जेडीए द्वारा जोन-11 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम नरोत्तम पुरा तहसील सांगानेर, जिला जयपुर में करीब 02 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''षिव रेजीडेन्सी'' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई ग्रेवल, सीमेन्ट के ब्लॉक की सडकें, प्लॉटों की बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही जोन-11 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-11 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम नरोत्तम पुरा तहसील सांगानेर, जिला जयपुर में ही करीब 03 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''बालाजी एन्कलेव'' के नाम से विगत

दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई ग्रेवल, सीमेन्ट के ब्लॉक की सडकें, प्लॉटों की बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-11 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

जेडीए द्वारा जोन-11 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम पवालियां, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर में ही करीब 35 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''वृन्दावन विहार'' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल, प्लॉटों की बाउण्ड्रीवाल, ट्री गार्ड व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-11 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्ष चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-प्रथम, प्रवर्तन अधिकारी जोन-05, 11 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई। प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा वर्ष 2024 में 383 व वर्ष 2025 में 46 आज तक कुल 429 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयासों को विफल किया गया। महानिरीक्षक पुलिस, जविप्रा, जयपुर कैलाश चन्द्र बिष्नोई ने समस्त नागरिकों से अपील है कि प्रवर्तन संबंधित शिकायतों के संबंध में वे स्वंय उपस्थित होकर; कन्ट्रोल रूम हेल्पलाईन नं. 0141 2565800, 0141 2575252, 0141 2575151 पर 24म7; हेल्प लाईन 181 राजस्थान सम्पर्क पोर्टल एवं जरिये मेल cce.jda@rajasthan.gov.in & enforcement.jda@rajasthan.gov.in पर अवैध निर्माण/ कब्जा/अतिक्रमण इत्यादि की षिकायत/परिवाद प्रस्तुत व सम्पर्क कर अवैध अतिक्रमणों के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान देवें।

जेडीए की आवासीय योजनाओं में भारी रूझान

अटल विहार एवं गोविन्द विहार आवासीय योजना आवेदन की अंतिम तिथि 08 तक बढ़ाई

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अटल विहार एवं गोविंद विहार आवासीय योजनाओ में आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। अटल विहार (रेरा रजिस्ट्रेशन नं. RAJ/P/2023/2361) एवं गोविन्द विहार (रेरा रजिस्ट्रेशन नं. RAJ/P/2023/2587) आवासीय योजनाओं के आवेदन की अंतिम तिथि दिनांक 08 फरवरी, 2025 तक बढ़ाई गई है। अटल विहार की लॉटरी तिथि 14 फरवरी, 2025 एवं गोविन्द विहार की लॉटरी तिथि 20 फरवरी, 2025 निर्धारित की गई है। अटल विहार योजना में 70098 आवेदन एवं गोविंद विहार योजना में 111784 आवेदन प्राप्त हुए है।

जयपुर विकास आयुक्त आनंदी ने बताया कि आमजन में जेडीए की योजनाओं के प्रति भारी रूझान देखने को मिल रहा है। जिसे देखते हुए जनहित में जेडीए द्वारा आवेदन में एक दिन बढाते हुए आवेदन की अंतिम तिथि 08 फरवरी, 2025 तक बढ़ाई गई है। अटल विहार आवासीय योजना, जोन-12 में कालवाड़ रोड पर चक पीथावास उर्फ नारी का बास में स्थित है, में विभिन्न आकारों के भूखंड उपलब्ध हैं।

* 45 वर्ग मीटर तक के भूखंडों की संख्याः 43
* 46-75 वर्ग मीटर तक के भूखंडों की संख्याः 99
* 76-120 वर्ग मीटर तक के भूखंडों की संख्याः 11
* 121-220 वर्ग मीटर तक के भूखंडों की संख्याः 96
* 220 वर्ग मीटर से अधिक भूखंडों की संख्याः 35

इस योजना की आरक्षित दर ?14,000 है।

वहीं, गोविन्द विहार आवासीय योजना, जोन-10 में गोविन्दपुरा-रोपाडा, हैरिटेज सिटी (दक्षिणी रिंग रोड एवं खातीपुरा रेलवे स्टेशन के समीप) में विभिन्न आकारों के भूखंड उपलब्ध हैं।

* 45 वर्ग मीटर तक के भूखंडों की संख्याः 34
* 46-75 वर्ग मीटर तक के भूखंडों की संख्याः 55
* 121-220 वर्ग मीटर तक के भूखंडों की संख्याः 48
* 220 वर्ग मीटर से अधिक भूखंडों की संख्याः 65

इस योजना की आरक्षित दर ?18,000 है।

उक्त योजनाओं में आवेदन करने से संबंधित विस्तृत जानकारी और प्रक्रिया के लिए जविप्रा की वेबसाइट www.jda.rajasthan.gov.in विजिट करें या ई-मित्र कियोस्क केंद्रों पर संपर्क करें।

संभाग स्तरीय आरोग्य मेला शनिवार से, तैयारियों को दिया अंतिम रूप

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निस)। संभाग स्तरीय आरोग्य मेला शनिवार को प्रातः 11 बजे एमएम ग्राउंड में शुरू होगा। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि द्वारा इसका उद्घाटन किया जाएगा। इसकी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। आरोग्य मेले के सहायक नोडल डॉ. प्रभु दयाल जाट ने बताया कि आरोग्य मेला 11 फरवरी तक प्रतिदिन आयोजित होगा। नोडल अधिकारी डॉ. घनश्याम रामावत ने बताया कि आरोग्य मेले में आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं पंचकर्म पद्धति के विशेषज्ञों की भागीदारी रहेगी। योग एवं प्राकृतिक चिकित्सक द्वारा प्रतिदिन प्रातः 7 से 8 बजे तक योग सत्र का आयोजन किया जाएगा। राजकीय आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा एकीकृत महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा संगीतमय योग प्रदर्शन किया जाएगा।

इनके अलावा सौंदर्य क्लीनिक के तहत विभिन्न प्रकार के हर्बल सौंदर्य प्रसाधनों द्वारा लेप एवं उबटन आदि उपचार हेतु उपलब्ध होंगे। विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रतिदिन आयुष चिकित्सा से जुड़े व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे। क्षेत्रीय औषधीय पादपों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी तथा इससे संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी। बच्चों के लिए प्रश्नोत्तर एवं सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाए।

परिवहन की सुविधा नहीं होने पर विधायक कैलाश जी वर्मा को ज्ञापन दिया

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास) श्री रामपुरा ग्रामीण विकास संस्थान श्रीरामपुरा ग्राम पंचायत लाखना सांगानेर द्वारा विधायक कैलाश जी वर्मा विधानसभा क्षेत्र बगरू को बाला वाला से वाटिका एवं बालावाला लाखना से पहाड़िया तक परिवहन की सुविधा नहीं होने बाबत ज्ञापन दिया गया । समिति अध्यक्ष ललित नारायण शर्मा ने बताया की उक्त मार्ग पर किसी प्रकार की प्राइवेट और राज्य परिवहन की सुविधा नहीं है जिसके कारण आम आदमी को समस्याओं का सामना करना पड़ता है । अतः सांगानेर से वाया बालावाला ग्राम पंचायत लाखना वाटिका तक एवं सांगानेर से वाया बालावाला ग्राम पंचायत लाखना बांसडी जोगियान पहाड़िया तक राज्य परिवहन निगम की मांग की गई। जिसके लिए माननीय विधायक महोदय ने पूर्ण आश्वासन दिया की जल्दी ही ग्रामीण बस लगाई जाएगी । ज्ञापन देने के लिए समिति अध्यक्ष के अलावा समिति संरक्षक बाबूलाल जांगिड़ वरिष्ठ सदस्य राम प्रसाद शर्मा, नाथूलाल शर्मा एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे ।

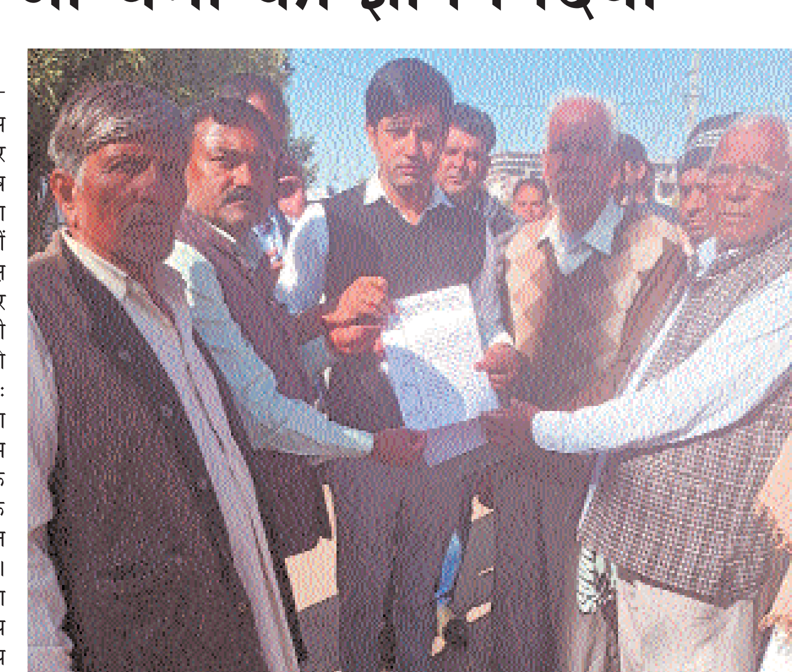

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की सूचना पर दौसा जिले में बड़ी कार्रवाई

1300 किलोमीटर दूर झारखंड के नक्सल प्रभावित रांची से तस्करी कर लाया जा रहा करीब 7003 किलो अफीम डोडा चूरा पकड़ा

- ❒ चावल की बिल-बिल्टी की आड़ में ट्रक कंटेनर से लाया जा रहा था मादक पदार्थ,कंटेनर को एस्कॉर्ट कर रही थी एक इनोवा गाड़ी
- ❒ गिरफ्तार तीनों आरोपी मध्य प्रदेश के निवासी, सप्लाई करने जोधपुर ले जा रहे थे
- ❒ पुलिस से बचने वाहनों पर चिपका रखा था ऑन आर्मी ड्यूटी का स्टीकर

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की सूचना पर दौसा जिले की थाना मानपुर व डीएसटी ने नेशनल हाईवे पर सीकरी मोड़ के पास नाकाबंदी में एक ट्रक कंटेनर से भारी मात्रा में करीब 7003 किलो मादक पदार्थ अफीम डोडा चूरा जप्त किया है। साथ ही ट्रक कंटेनर के चालक व खलासी सहित एस्कॉर्ट कर रही लग्जरी गाड़ी इनोवा के चालक को गिरफ्तार किया गया है। जप्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 15 करोड़ रुपए आंकी गई है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस दिनेश एम एन ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार तीनों आरोपी मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं जो 1300 किलोमीटर दूर झारखंड के नक्सल प्रभावित क्षेत्र रांची से चावल परिवहन के बिल एवं बिल्टी की आड़ में अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा पोस्त तस्करी कर जोधपुर सप्लाई करने आ रहे थे।

लंबे समय से मिल रही थी तस्करी की सूचना

एडीजी एमएन ने बताया कि एजीटीएफ को लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि झारखंड के नक्सल प्रभावित क्षेत्र से कुछ तस्कर राजस्थान के पश्चिमी जिलों में मादक पदार्थ की तस्करी कर रहे हैं। इसी क्रम में एजीटीएफ के हेड कांस्टेबल महेश कुमार सोमरा व महावीर सिंह को मादक पदार्थ तस्करी के संबंध में इनपुट प्राप्त हुए।

ग्राउंड लेवल पर जानकारी करने पश्चिमी राजस्थान भेजी टीम

आसूचना के आधार पर डीआईजी योगेश यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन एवं पुलिस निरीक्षक राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल हेमंत शर्मा महेश सोमरा महावीर सिंह, कांस्टेबल जितेंद्र व देवेंद्र सिंह को पश्चिमी राजस्थान रवाना किया गया था। टीम में ग्राउंड लेवल पर आसूचना को डवलप किया। मुखबिरों और मादक पदार्थ का सेवन करने वाले व्यक्तियों से गुप्त रूप से सूचना एकत्रित करने पर इस तस्करी के बारे में पुख्ता जानकारी मिली।

पुष्टि के बाद दोसा डीएसटी व मानपुर पुलिस को दी सूचना

एमएन ने बताया कि सूचना की पुष्टि के बाद एजीटीएफ ने दौसा जिले की डीएसटी व थाना मानपुर टीम को सूचना दी कि महवा की तरफ आ रहे कर्नाटक नंबर के एक 10 चक्का ट्रक कन्टेनर में अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त डन्टल भरा है, जो जयपुर होते हुए जोधपुर जाएगा। कंटेनर की एस्कोर्ट मध्य प्रदेश नंबर की एक इनोवा गाडी द्वारा की जा रही है।

इस सूचना पर गुरुवार को दौसा डीएसटी एवं थाना मानपुर पुलिस द्वारा जयपुर आगरा नेशनल हाईवे पर सीकरी मोड़ पर नाकाबन्दी शुरू की। इसी दौरान महवा की तरफ से एक कन्टेनर और उसके आगे एक इनोवा आती दिखाई दी।

संपादकीय .....

जाति गिनने पर जोर, जातीय वैमनस्य पैदा करने की कोशिश

पटना पहुंचे राहुल गांधी ने जातिगत गणना पर जोर देते हुए जिस तरह यह कहा कि बिना इसके दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों का विकास नहीं होगा, वह इसलिए परेशान करने वाला है, क्योंकि यदि ऐसा है तो फिर जवाहरलाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहते जातिवार गणना क्यों नहीं हुई? क्या राहुल गांधी यह कहना चाहते हैं कि कांग्रेस के शासनकाल में जातिगत गणना न कराकर दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों को विकास से जानबूझकर वंचित किया गया?

क्या इस तथ्य से मुंह मोड़ना सही होगा कि स्वतंत्रता के बाद जातिगत गणना न होने के बाद भी इन वर्गों का न केवल उल्लेखनीय विकास हुआ है, बल्कि जातीय विभाजन भी कम हुआ है। राहुल गांधी जातिगत गणना की जिद पकड़ने के साथ जिसकी जितनी भागीदारी उसकी उतनी हिस्सेदारी पर भी जोर दे रहे हैं। आखिर वंचितों, पिछड़ों के उत्थान और कल्याण के कार्यक्रम उनकी सामाजिक-आर्थिक हैसियत देखकर चलाए जाने चाहिए या फिर उनकी संख्या के हिसाब से?

यह ठीक नहीं कि राहुल गांधी जातिगत गणना की मांग करते हुए जातीय वैमनस्य पैदा करने की भी कोशिश कर रहे हैं। उनकी यह कोशिश उसी खतरे को रेखांकित करती है, जिसके उभरने की आशंका है। खतरा केवल इसका नहीं है कि जातिगत गणना के आंकड़ों के सहारे जातियों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश हो सकती है। खतरा इसका भी है कि जातिवादी राजनीति को नए सिरे से बल मिल सकता है।

इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अतीत में किस तरह कुछ राजनीतिक दल अपने-अपने हिसाब से चुनिंदा जातियों को गोलबंद करके राजनीति करते रहे हैं, भले ही इसके नतीजे में समाज में जातीय वैमनस्य बढ़ा हो। देश में कई राजनीतिक दल तो ऐसे हैं, जो जाति विशेष की राजनीति करते हैं। इससे इन्कार नहीं कि जातिगत गणना से यह पता चलेगा कि विभिन्न जाति समूहों की कितनी संख्या है, लेकिन यह माहौल बनाना ठीक नहीं कि देश की समस्त समस्याओं के समाधान की कुंजी जाति गिनने में ही है।

यह माहौल तो भारतीय समाज में उस विभेदकारी जाति व्यवस्था को और मजबूत बनाएगा, जिसे टूटना चाहिए और जो हाल के दशकों में एक बड़ी हद तक टूटी भी है। अच्छा होता कि बिहार यात्रा पर गए राहुल गांधी इससे अवगत होते कि एक समय इस राज्य में जातीय हिंसा किस तरह चरम पर थी। राहुल गांधी की मानें तो शासन तंत्र के साथ निजी क्षेत्र में सभी जातियों के समुचित प्रतिनिधित्व के अभाव-असंतुलन का कारण जातिगत जनगणना न होना है।

अच्छा होता कि वह यह बताते कि यह अभाव अथवा असंतुलन जाति गिनने से कैसे दूर हो जाएगा? राहुल गांधी यह तो कहते हैं कि अमुक-अमुक क्षेत्रों में दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों की हिस्सेदारी कम है, लेकिन क्या कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठों में उनकी समुचित भागीदारी है?

कोटा से मिटाने होंगे आत्महत्याओं के दाग

राजस्थान का कोटा शहर जितना शैक्षणिक संस्थाओं के लिए प्रसिद्ध है। अब उतना ही यहां के कोचिंग संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा की जाने वाली आत्महत्याओं के कारण देश भर में बदनाम हो रहा है। हालांकि कोटा में छात्र आत्महत्याओं के मामले यहां पर कोचिंग लेने वाले छात्रों की संख्या की तुलना में बहुत कम है। मगर यहां पढ़ने वाले छात्रों द्वारा लगातार की जा रही आत्महत्याओं की दुखद घटनाओं को भी नकारा नहीं जा सकता है। पिछले जनवरी माह में ही कोटा में 6 विद्यार्थियों ने आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली थी। इसी साल 8 जनवरी को हरियाणा के महेंद्रगढ़ निवासी छात्र नीरज, 9 जनवरी को गुना मध्य प्रदेश के अभिषेक लोधा, 15 जनवरी को उड़ीसा के अभिजीत गिरी, 18 जनवरी को बूंदी जिले के मनन जैन, 22 जनवरी को अहमदाबाद गुजरात की अफ्शा शेख और 22 जनवरी को ही नौगांव असम के छात्र पराग ने आत्महत्या कर ली थी। इनमें से पांच छात्र इंजीनियरिंग की व एक छात्रा नीट की तैयारी कर रही थी। कोचिंग के बड़े केंद्र कोटा में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं की घटनाएं शहर के दामन पर दाग लगा रही है। कोटा में 2015 से लेकर अब तक 138 छात्रों ने आत्महत्या कर अपने जीवन लीला समाप्त कर चुके हैं। यहां 2015 में 18, 2016 में 17, 2017 में 7, 2018 में 20, 2019 में 18, 2020 में 4, 2021 में एक, 2022 में 15, 2023 में 26, 2024 में 16 व 2025 में अब तक छह छात्र आत्महत्या कर अपनी जान गंवा चुके हैं। 2020 व 2021 में कोविड के चलते यहां के कोचिंग संस्थाओं के बंद रहने के कारण आत्महत्याओं के आंकड़ों में गिरावट रही थी। कोटा में कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई करने वाले छात्रों द्वारा लगातार की जा रही आत्महत्या की घटनाओं से पूरा देश सकते में है। सरकार व प्रशासन द्वारा लाख प्रयासों के उपरांत भी कोटा के छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाएं नहीं रूक पा रही है।

कोटा कभी राजस्थान का बड़ा औद्योगिक नगर होता था। मगर श्रमिक आंदोलनो के चलते यहां के उद्योग धंधे बंद होते गए। आज कोटा में नाम मात्र के ही उद्योग रह गए हैं। 1990 के दौरान कोटा शहर में कोचिंग संस्थान खुलने लगे थे। 2005 तक यहां बड़ी संख्या में कोचिंग संस्थान स्थापित हो गए जिनमें प्रतिवर्ष लाखों छात्र पढ़ने लगे। आज कोटा शहर की पूरी अर्थव्यवस्था इन कोचिंग संस्थानों पर ही निर्भर है। शहर के हर चौक-चौराहों पर छात्रों की सफलता से अटे पड़े बड़े-बड़े होर्डिंग्स बताते हैं कि अब कोटा में कोचिंग ही सब कुछ है।

यह सही है कि कोटा में सफलता की दर तीस प्रतिशत से उपर रहती है। देश के इंजीनियरिंग और मेडिकल के प्रतियोगी परीक्षाओं में टाप टेन में पांच छात्र कोटा के रहते हैं। मगर उसके साथ ही कोटा में एक बड़ी संख्या उन छात्रों की भी है जो असफल हो जाते हैं। एक अनुमान के मुताबिक कोटा के कोचिंग मार्केट का सालाना आठ से दस हजार करोड़ का टर्नओवर है। कोचिंग सेन्टरों द्वारा सरकार को सालाना 800 करोड़ रूपये से अधिक टैक्स के तौर पर दिया जाता है।

कोटा शहर देश में कोचिंग का सबसे बड़ा केन्द्र बन चुका है। यहां प्रतिवर्ष लाखों छात्र कोचिंग करने के लिए आते हैं। जिससे कोचिंग संचालकों को सालाना कई हजार करोड़ रुपए की आय होती है। हालांकि कोटा आने वाले सभी छात्र मेडिकल व इंजीनियरिंग परीक्षा में सफल नहीं होते हैं। मगर देश की शीर्षस्थ मेडिकल व इंजीनियरिंग संस्थानों में चयनित होने वाले छात्रों में कोटा के छात्रों की संख्या काफी होती है। इसी कारण अभिभावक अपने बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं। कोटा में छात्रों द्वारा आत्महत्या करने का मुख्य कारण छात्रों पर पढ़ाई करने के लिए पड़ने वाला मनोवैज्ञानिक दबाव को माना जा रहा है। कोटा में कोचिंग लेने वाले छात्रों को प्रतिवर्ष लाखों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। बहुत से छात्रों के अभिभावकों की स्थिति इतना खर्च वहन करने की नहीं होती है। यहां पढ़ने वाले छात्रों में अधिकांश मध्यम वर्गीय परिवारों से होते हैं। उनके अभिभावक आर्थिक रूप से अधिक सक्षम नहीं होते हैं। अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलवाने के लिए वह लोग विभिन्न स्तरों पर पैसों की व्यवस्था कर बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं।

कोटा आने वाले छात्रों को पता है कि उनके अभिभावकों ने कितनी मुश्किल से कोचिंग लेने के लिए उन्हें कोटा भेजा है। ऐसे में यदि वह सफल नहीं होंगे तो उनके अभिभावक जिंदगी भर कर्ज में दबे रह जाएंगे। यही सोचकर छात्र हमेशा मनोवैज्ञानिक दबाव महसूस करता रहता है। इसके अलावा यहां पढ़ने वाले छात्रों पर पढ़ाई का भी बहुत अधिक दबाव रहता है। यहां के कोचिंग संस्थानो में कई शिफ्टों में अलग-अलग बैच में पढ़ाई होती हैं। कोचिंग संस्थान भी अच्छा परिणाम दिखाने के चक्कर में छात्रों को मशीन बनाकर रख देते हैं। छात्रों पर हर दिन पढ़ाई का दबाव बना रहता है तथा साप्ताहिक टेस्ट पास करने के चक्कर में छात्र दिन-रात पढ़ाई करते रहतें हैं। जिससे ना तो उनकी नींद पूरी हो पाती है ना ही वह मानसिक रूप से आराम कर पाते हैं। ऐसे में छात्र जल्दी उठकर कोचिंग संस्थान में जाकर पढ़ाई करने व दिनभर पढ़ाई में व्यस्त रहने के कारण वह तनाव में आ जाता है। इससे कई छात्र पढ़ाई में पिछड़ने के डर से आत्महत्या जैसा कदम उठा लेते हैं।

कोटा में देश के तमाम नामी गिरामी संस्थानों से लेकर छोटे-मोटे 300 कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। दिल्ली, मुंबई के साथ ही कई विदेशी कोचिंग संस्थाएं भी कोटा में अपना सेंटर खोल रही हैं। लगभग ढ़ाई लाख छात्र इन संस्थानों से कोचिंग ले रहे हैं। कोटा में सफलता की बड़ी वजह यहां के शिक्षक हैं। आईआईटी और एम्स जैसे इंजीनियरिंग और मेडिकल कालेजों में पढने वाले छात्र बड़ी-बड़ी कम्पनियों और अस्पतालों की नौकरियां छोडकर यहां के कोचिंग संस्थाओं में पढ़ा रहे हैं। तनख्वाह ज्यादा होने से कोटा शहर में 75 से ज्यादा आईआईटी पास छात्र पढ़ा रहे हैं।

केंद्र सरकार ने कोचिंग संस्थानों के लिए दिशानिर्देशों की घोषणा की है। जिनमें कोचिंग संस्थान 16 वर्ष से कम आयु के छात्रों का नामांकन नहीं कर सकते। इसके अलावा न ही वे अच्छी रैंक या अच्छे अंकों की गारंटी दे सकते हैं और न ही गुमराह करने वाले वायदे कर सकते हैं। छात्रों के आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं, कोचिंग सेंटरों में सुविधाओं का अभाव और उनके पढ़ाने के तौर- तरीकों के बारे में शिकायतें मिलने के बाद सरकार ने इनकी घोषणा की है। दिशानिर्देशों के अनुसार कोई भी कोचिंग सेंटर स्नातक से कम शिक्षा वाले ट्यूटर को नियुक्त नहीं करेगा। छात्रों का नामांकन सिर्फ सेकेंडरी स्कूल परीक्षा देने के बाद हो सकेगा।

कोटा में छात्रों की बढ़ती आत्महत्या की घटनाओं पर राजस्थान उच्च न्यायालय की जयपुर पीठ द्वारा स्व प्रेरित संज्ञान आधारित याचिका की सुनवाई के दौरान राजस्थान सरकार की तरफ से कहा गया है कि विधानसभा के मौजूदा सत्र में इसके लिए एक नया कानून लाया जाएगा। जिससे छात्रों द्वारा की जाने वाली आत्महत्याओं की घटनाओ पर रोक लगाई जा सकेगी।

सरकार चाहे जितनी कोशिश करे कोटा में पढ़ने वाले छात्र जब तक बिना किसी दबाव के पढाई करेंगे तभी यहां का माहौल सुधरेगा। यहां चल रहे कोचिंग संस्थानों को मशीनी स्तर पर चलाई जा रही प्रतिस्पर्धा को रोककर एक सकारात्मक वातावरण बनाना होगा। तभी छात्र खुद को सुरक्षित महसूस कर पढाई कर पाएंगे। कोटा में संचालित कोचिंग संस्थान अपने काम को पैसे कमाने कि मशीन समझना बंद कर अपने छात्रों के साथ संवेदनशील व्यवहार नहीं करेंगे तब तक कोटा के हालात नहीं सुधर पायेंगे। कोटा के मौजूदा हालातों के कारण ही यहां कोचिंग लेने वाले छात्रों की संख्या में काफी कमी होने लगी हैं। जो कोटा शहर की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं हैं।

- रमेश सर्राफ धमोरा

-ये लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं

समसामयिक

अवैध प्रवासियों की बेहूदा तरीके से वापसी जुड़े सवाल

डंकी रूट यानी गैरकानूनी तरीके से अमेरिका गये करीब 200 भारतीयों को राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने जिस असुविधा एवं अपमानजनक तरीके से अपने सैनिक विमान से बलपूर्वक भारत भेजा है, उससे अनेक प्रश्न खड़े हुए हैं। बेहतर भविष्य की तलाश में आए अवैध प्रवासियों को बेहूदा तरीके से खदेड़ा जाना विडम्बनापूर्ण एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। पूरे विश्व को लोकतांत्रिक मूल्यों एवं मानव अधिकारों की नसीहत देने वाले अमेरिका ने जिस तरीके से विभिन्न देशों के कथित अवैध प्रवासियों को उनके देश भेजने की कार्रवाई की है, उस पर अनेक देशों ने आपत्ति जताई है। भले ही भारत ने इसे मुद्दा बनाने से परहेज करते हुए राजनीतिक कूटनीति की दृष्टि से ठीक किया हो, लेकिन भारत लौटे अप्रवासियों की चिन्ता एवं दर्द को समझना भारत-सरकार की प्राथमिकता बननी चाहिए। सुनहरे सपनों की आस में जीवनभर की पूंजी दांव पर लगाकर व एजेंटों को लाखों रुपये लुटाकर अमेरिका पहुंचे युवाओं ने सपने में नहीं सोचा होगा कि उन्हें अपराधियों की तरह वापस उनके देश भेजा जाएगा। ये हमारे नीति-नियंताओं की विफलता एवं विदेश नीति की नाकामी तो है ही, दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश भारत के साथ ऐसा व्यवहार अमेरिका के अहंकारी एवं संकीर्णतावादी सोच को भी दर्शा रहा है। अवैध प्रवासियों की उचित तरीकों से पहचान कर उन्हें उनके देशों को वापस भेजा जाना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। भारत का इस मामले में शुरू से सहयोगात्मक रुख रहा है। लेकिन एक जायज सवाल वापसी के तौर-तरीके को लेकर उठना असंगत नहीं कहा जा सकता है।

निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा से पूर्व जबरन की गई अवैध प्रवासी भारतीयों की निर्वासन उड़ान विसंगतियों व विडंबनाओं की ही घोतक है। हालांकि, भारत ने कूटनीतिक प्रयासों से अवैध अप्रवासन पर समयानुकूल निर्णय लेकर दोनों देशों में संबंध सामान्य बनाने के प्रयास को गलत नहीं कहा जा सकता। गलत तरीकों से अमेरिका में आये लोगों को उनके देश का रास्ता दिखाना भी गलत नहीं कहा जासकता, लेकिन जिस तौर-तरीके से यह कार्रवाई की गयी है, उस पर प्रश्न टंकने स्वाभाविक है। हालांकि यह कोई पहला मौका नहीं है जब अवैध प्रवासी भारतीय वापस भेजे गए हों। लेकिन इस बार कई ऐसी बातें हैं, जो इसे अतीत की ऐसी घटनाओं से अलग एवं चर्चा का विषय बनाती हैं। दरअसल, अमेरिका की हालिया यात्रा के

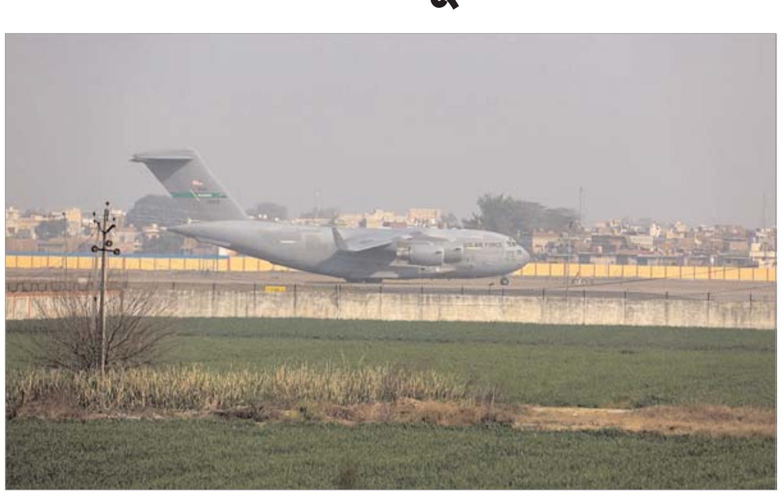

दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जमीनी स्तर पर बेहतर कूटनीतिक प्रयास करते हुए ट्रंप प्रशासन को इस बात को लेकर आश्वस्त किया कि भारत अपने भटके हुए नागरिकों की वैध वापसी के लिये तैयार है। निस्संदेह, भारत ने समझदारी से टकराव टालने का सार्थक प्रयास किया ताकि मोदी-ट्रंप की मुलाकात से पहले दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट न घुले। निश्चय ही हटी, अहंकारी एवं तुनक मिजाज ट्रंप व उनके प्रशासन से इस मुद्दे पर अड़ने से दोनों देशों के संबंधों के आहत होने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता।

हमारे देश के युवा अमीर देशों में पलायन करने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगाते रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या गरीबी से छुटकारा पाने वालों एवं आकांक्षाओं से भी जुड़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही विदेश में निम्न-स्तरीय नौकरियां मिले लेकिन बेहतर वेतन के लोभ में युवा ऐसी नौकरियां करते हैं। भारत में बेरोजगारी का आलम यह है कि कुछ हजार कर्मियों की भर्ती के लिये लाखों से भी अधिक युवा-प्रार्थी आवेदन करते हैं। थक-हारकर ऐसी एवं अन्य नौकरियों के लिये कोशिशों में नाकाम रहने वाले युवा विदेशों की ओर पलायन करते हैं। कई लोगों की राय में अमेरिका में होने वाली अच्छी कमाई डंकी रूट की जोखिमों, परेशानियों, अपमान एवं कानूनी भय की भरपाई कर देती है। कई परिवारों ने कहा कि उनके बेटे और भतीजे हर महीने कम से कम दो लाख रुपये घर भेजते हैं और वे मुख्य रूप से गैस स्टेशन, मॉल, किराना स्टोर और रेस्तरां में फुल या पार्ट टाइम जॉब करते हैं। इस तरह होने वाली कमाई से न केवल उन्हें कर्ज उतारने, स्कूल की फीस भरने, दहेज, घर की मरम्मत और नई कार खरीदने में मदद मिली, बल्कि इससे उनकी सामाजिक स्थिति भी सुधरी। माना जाता है कि हाल के वर्षों में देखे गए वीजा बैकलॉग ने भी कुछ संभावित प्रवासियों को डंकी रूट अपनाने के लिए प्रेरित किया है।

भारतीयों का विदेशों में बढ़ता पलायन और विशेषतः डंकी रूट से विदेश जाने की होड भारत के विकास पर एक बदनुमा दाग है। यह सरकार की विफलता ही है कि वह अपने युवाओं को उचित नौकरी नहीं दे पा रही है। इसी कारण अमेरिका जैसे देशों में भारतीय युवा अपने सपनों को पूरा होते हुए देखते है। हालांकि, एक अध्ययन में दावा किया गया है कि भारत, अमेरिका में गए सर्वाधिक अवैध अप्रवासियों वाले देशों में शुमार है। भारत इस तथ्य को समझता है कि मूल मसला इन अवैध प्रवासियों का वापस आना नहीं बल्कि उनका यह मान लेना है कि इस देश में उनका कोई भविष्य नहीं है। तभी तो वे अपनी जमा-पूंजी गंवाकर और जान का जोखिम मोल लेकर भी अमेरिका-कनाडा जैसे देशों का रुख करते हैं। ध्यान रहे, वैध तरीकों से अमेरिका पहुंचे और वहां रह रहे भारतीयों ने मेहनत और प्रतिभा-कौशल के बल पर अपनी अच्छी जगह बनाई है। न केवल अपनी जगह बनाई बल्कि अमेरिका के विकास में योगभूत बने हैं। लाखों भारतवंशियों ने अपनी मेधा व पसीने से अमेरिका की प्रतिष्ठा पर चार-चांद लगाए हैं। यही कारण है कि दो साल पहले वहां एक भारतीय परिवार की औसत आमदनी की तुलना में एक लैटिन अमेरिकी परिवार की औसत आमदनी काफी कम रही है। यही कारण है कि इस बार के अमेरिकी चुनाव में यह एक बड़ा मुद्दा भी बना था और राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद डॉनल्ड ट्रंप इस मसले को रेखांकित भी किया, इस वजह से अमेरिका में रह रहे भारतीय समुदाय की छवि भी प्रभावित हुई है।

-ललित गर्ग

-ये लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं

डंकी रूट यानी गैरकानूनी तरीके से अमेरिका गये करीब 200 भारतीयों को राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने जिस असुविधा एवं अपमानजनक तरीके से अपने सैनिक विमान से बलपूर्वक भारत भेजा है, उससे अनेक प्रश्न खड़े हुए हैं। बेहतर भविष्य की तलाश में आए अवैध प्रवासियों को बेहूदा तरीके से खदेड़ा जाना विडम्बनापूर्ण एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। पूरे विश्व को लोकतांत्रिक मूल्यों एवं मानव अधिकारों की नसीहत देने वाले अमेरिका ने जिस तरीके से विभिन्न देशों के कथित अवैध प्रवासियों को उनके देश भेजने की कार्रवाई की है, उस पर अनेक देशों ने आपत्ति जताई है। भले ही भारत ने इसे मुद्दा बनाने से परहेज करते हुए राजनीतिक कूटनीति की दृष्टि से ठीक किया हो, लेकिन भारत लौटे अप्रवासियों की चिन्ता एवं दर्द को समझना भारत-सरकार की प्राथमिकता बननी चाहिए। सुनहरे सपनों की आस में जीवनभर की पूंजी दांव पर लगाकर व एजेंटों को लाखों रुपये लुटाकर अमेरिका पहुंचे युवाओं ने सपने में नहीं सोचा होगा कि उन्हें अपराधियों की तरह वापस उनके देश भेजा जाएगा।

शख्सियत

रमाबाई ने अंबेडकर को बनाया था बाबा साहेब, विनम्रता और करुणा की थीं मिशाल

आज ही के दिन यानी की 07 फरवरी को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की पत्नी रमाबाई आंबेडकर का जन्म हुआ था। इनका जन्म एक गरीब दलित परिवार में हुआ था। बाबासाहेब अंबेडकर के जीवन पर रमाबाई का काफी असर पड़ा था। वह महिला सशक्तिकरण की आदर्श प्रतीक, सामाजिक समानता और सद्भाव की प्रबल पक्षधर थीं। रमाबाई अंबेडर को रमई या माता राम भी कहा जाता है। तो आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर रमाबाई अंबेडकर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और शिक्षा

महाराष्ट्र के एक छोटे से गांव दाभोल में 07 फरवरी 1898 को रमाबाई अंबेडकर का जन्म हुआ था। वह एक गरीब दलित परिवार से ताल्लुक रखती थीं। इनके पिता का नाम भीकू धात्रे और माता का नाम रुक्मिणी था। रमाबाई के पिता कुली का काम करते थे। वह अपने परिवार का पालन-पोषण बड़ी मुश्किल से करते थे। वहीं रमाबाई ने बहुत जल्द अपने माता-पिता को खो दिया था। जिसके बाद उनके चाचा रमाबाई और उनके भाई-बहनों को लेकर मुंबई आ गए थे।

शादी

साल 1906 में भायखला बाजार में बाबासाहेब अंबेडकर से रमाबाई की शादी हुई। उस दौरान रमाबाई की उम्र महज 9 साल और बाबा साहेब की उम्र 15 साल थी। वह अपने पति को प्यार से साहेब कहकर बुलाती थी। वहीं अंबेडकर साहब उनको रामू कहते थे। उन्होंने बाबा साहेब अंबेडकर की महत्वकांक्षाओं को पूरा समर्थन दिया और विदेश में जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

बाबा साहेब की बनीं ढाल

बता दें कि जब बाबा साहेब विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे थे, तो उस दौरान रमाबाई भारत में कई कठिनाइयों का सामना कर रही थीं। लेकिन उन्होंने बाबा साहेब को अपने लक्ष्यों को पूरा करने से कभी नहीं रोका। साथ ही इन कठिनाइयों के विषय में रमाबाई ने बाबा साहेब को भनक तक नहीं लगने दी। दरअसल, इस दौरान उनको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

मृत्यु

वहीं लंबी बीमारी के बाद 26 मई 1935 को रमाबाई अंबेडकर का निधन हो गया था।

प्रियदर्शन की हेरा फेरी 3 में नजर आएंगी तब्बू?

प्रियदर्शन की सुपरहिट कॉमेडी फिल्म हेरा फेरी की तीसरी सीरीज को लेकर तब्बू ने रिएक्ट किया है। तब्बू ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा है कि उनके बिना ये कास्ट अधूरी है। बता दें कि अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल के साथ तब्बू ने पहली फिल्म में भी काम किया था।

फिल्म प्रड्यूसर और डायरेक्टर प्रियदर्शन की सुपरहिट कॉमेडी फिल्म हेरा फेरी में नजर आ चुके एक्टर्स में शामिल रहीं तब्बू ने फिल्म की तीसरी सीरीज को लेकर कहा है कि उनके बिना हेरी फेरी-3 की कास्ट अधूरी रहेगी। हेरा फेरी में तब्बू के को-स्टार रहे अक्षय कुमार ने हाल में इंस्टाग्राम पर प्रियदर्शन को जन्मदिन की बधाई दी थी जिसके जवाब में फिल्म निर्माता ने कहा था कि वह हेरा फेरी 3 बनाने के लिए तैयार हैं। तब्बू ने इंस्टाग्राम पर कुमार के पोस्ट को फिर से शेयर करते हुए लिखा, बेशक, कास्ट मेरे बिना पूरी नहीं होगी। हेरा फेरी एक सुपर बॉलीवुड कॉमेडी फिल्म है। यह फिल्म साल 2000 में रिलीज हुई थी। फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, परेश रावल और तब्बू लीड रोल में थे। फिल्म में परेश रावल एक गैराज मालिक बाबूराव गणपतराव आप्टे, एक चालाक और आवारा लड़का राजू (अक्षय कुमार) और एक स्ट्रगलर श्याम (सुनील शेट्टी) की कहानी है। इसमें तब्बू ने अनुराधा का किरदार निभाया था। तीनों एक्टर्स साल 2006 की सीक्वल फिर हेरा फेरी में नजर आए थे लेकिन इसमें तब्बू नहीं थीं। हेरा फेरी फिल्म फैंचाइज़ी के निर्माताओं ने अभी तक ऑफिशियली तीसरे सीरीज की घोषणा नहीं की है। तब्बू, अक्षय कुमार और परेश रावल इस समय प्रियदर्शन की अगली हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला की शूटिंग कर रहे हैं जो दो अप्रैल 2026 को रिलीज़ होगी।

सामंथा से लेकर शरवरी तक, बॉलीवुड में इन अभिनेत्रियों के एक्शन का बजता है डंका

बॉलीवुड जगत अपनी अलग-अलग कहानियों और शानदार फिल्मों के कारण चर्चा में बना रहता है। फिल्मी जगह की अभिनेत्रियां भी अक्सर अपनी अलग तरह की फिल्मों के कारण चर्चा में रहती हैं। राज एंड डीके की सीरीज 'रक्त ब्रम्हांड' में सामंथा रुथ प्रभु एक बार फिर अपने एक्शन अवतार में नजर आएंगी। सामंथा इस सीरीज में आदित्य रॉय कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

सामंथा रुथ प्रभु अपनी फिल्म रक्त ब्रम्हांड के कारण चर्चा में हैं। इससे पहले वे ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म सिटाडेल हनी बनी में अपने एक्शन अवतार में नजर आई थीं। सामंथा इस सीरीज में वरुण धवन के साथ एक्शन सीक्वेंस करती नजर आई थीं।

प्रियंका चोपड़ा

बॉलीवुड से हॉलीवुड में जाकर अपने करियर की अलग बुलंदी हासिल करने वाली प्रियंका चोपड़ा भी अपनी एक्शन फिल्मों के कारण चर्चा में रहती हैं। वे डॉन 2 (2011), अग्निपथ (2012) और कृष 3 (2013) में नजर आ चुकी हैं।

शरवरी

शरवरी को फिल्म मुंज्या में देखा गया था। वे अब अपनी फिल्म अल्फा के कारण चर्चा में हैं। इस फिल्म में शरवरी का एक्शन अवतार नजर आ सकता है।

आलिया भट्ट

फिल्म अल्फा में शरवरी के साथ आलिया भट्ट भी नजर आने वाली हैं। आलिया इससे पहले जिगरा में भी अपना एक्शन अवतार नजर आ चुकी हैं।

बड़े हीरो संग फिल्मों के सवाल से झुंझलाईं पूजा हेगड़े

पूजा हेगड़े फेमस एक्ट्रेस हैं। वो साउथ के साथ-साथ कई हिंदी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने ऋतिक रोशन से लेकर शाहिद कपूर की हालिया रिलीज देवा में उनके साथ काम किया है। इसमें उन्होंने एक जर्नलिस्ट का रोल निभाया है। अब फिल्म के प्रमोशन से एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक्ट्रेस एक इंटरव्यू लेने वाले पर भड़क रही हैं। दरअसल, उसने ऋतिक, शाहिद और सलमान खान जैसे बड़े हीरो के साथ फिल्में मिलने पर बार-बार सवाल किया, जिससे वो नाराज हो गईं। एक जर्नलिस्ट ने पूछा, क्या ये सिर्फ लक था कि आते ही आपको सलमान खान, ऋतिक रोशन, रणवीर सिंह, शाहिद कपूर... सारे बड़े हीरोज के साथ फिल्में मिल रही हैं। क्या आपको लगता है कि किस्मत की वजह से ऐसा हुआ है? या आप सोचती हैं कि आप इसे डिजर्व करती हैं? ये सवाल सुनकर पूजा हैरान हुई और जवाब दिया, मेरा मतलब है... बिल्कुल मैं डिजर्व करती हूं। मुझे लगता है कि कोई कारण रहा होगा, तभी मुझे उन फिल्मों में कास्ट किया था। इसके बाद उनसे पूछा गया कि साउथ एक्ट्रेसेस को बॉलीवुड में बड़े हीरोज के साथ काम करने के लिए काफी स्ट्रगल करना पड़ता है! इस पर पूजा हेगड़े ने जवाब दिया, मुझे लगता है कि एक कहावत है कि भाग्य तब होता है, जब मौका तैयारी से मिलता है। मुझे लगता है कि मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ। जब मौका मिला तो मैं इसे करने में सक्षम होने के लिए खुद को तैयार कर रही थी। इसलिए अगर आप इसे किस्मत कहना चाहते हैं तो ठीक है।

पूजा का पारा हुआ हाई

पूजा के जवाब देने के बाद भी उनसे पूछा गया, आप फिल्में कैसे सेलेक्ट करती हैं? बड़ा हीरो? इस बार एक्ट्रेस खुद पर कंट्रोल नहीं रख सकीं और पलटकर कहा, आपको क्या प्रॉब्लम है मेरे से? तभी पूजा के बगल में बैठे शाहिद कपूर ने मजाकिया अंदाज में कहा, वो आपकी तरह बनना चाहता है।

'लकी भास्कर' के बाद नए प्रोजेक्ट में जुटे दुलकर सलमान

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के अभिनेता दुलकर सलमान एक और फिल्म दर्शकों के बीच लेकर आने को तैयार हैं। अभिनेता को आखिरी बार 'लकी भास्कर' में देखा गया था, उनके अभिनय की फैंस ने काफी तारीफ की थी। अब वह अपने नए प्रोजेक्ट 'आकाशमलो ओका तारा' की तैयारी में जुट गए हैं। हैदराबाद में इस फिल्म के लिए पारंपरिक पूजा समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में दुलकर सलमान, निर्देशक पवन सादिनेनी, अश्विनी दत्त, अल्लू अरविंद और टीम के अन्य प्रमुख सदस्य शामिल हुए। तमिल अभिनेत्री सात्विका वीरवल्ली 'आकाशमलो ओका तारा' में मुख्य भूमिका निभा रही हैं।

फिल्म 'कन्नप्पा' में रुद्र की भूमिका में नजर आएंगे प्रभास

हाल ही में साउथ एक्टर प्रभास ने फिल्म 'कन्नप्पा' में अपना लुक फोटो शेयर किया है। प्रभास के इस लुक को देखकर उनके फैंस ने भी रिएक्शंस दिए हैं। माइथोलॉजिकल फिल्म 'कन्नप्पा' में प्रभास, रुद्र की भूमिका निभाने वाले हैं। अपने फर्स्ट लुक के साथ प्रभास ने एक खास मैसेज भी अपने फैंस के साथ साझा किया है।

इस साल प्रभास फिल्म 'राजा साहब' में नजर आएंगे। लेकिन इससे पहले वह फिल्म 'कन्नप्पा' में नजर आएंगे। इसमें वह रुद्र नाम का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में लीड रोल में विष्णु मांचू हैं। इस फिल्म में प्रभास का लुक कैसा होगा, इसकी जानकारी सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस को दी है। रुद्र की भूमिका निभाने को लेकर एक्साइटेड प्रभास ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें वह फिल्म 'कन्नप्पा' में रुद्र की भूमिका में नजर आ रहे हैं। इस किरदार में उनका लुक काफी हटकर नजर आ रहा है। अपनी पोस्ट के साथ प्रभास ने एक कैप्शन भी लिखा है- 'मेरा किरदार रुद्र फिल्म 'कन्नप्पा' में शक्ति और ज्ञान का अवतार है। यह फिल्म भक्ति, त्याग और प्रेम की एक अनोखी यात्रा है। इस कहानी का हिस्सा बनने के लिए हमारे साथ शामिल हो जाइए। 25 अप्रैल को 2025 को 'कन्नप्पा' सिनेमाघरों में रिलीज होगी।'

फैंस को पसंद आया प्रभास का लुक

प्रभास का रुद्र का लुक उनके फैंस को भी पसंद आया है। एक्टर की पोस्ट पर फैंस ने उन्हें सिनेमा का किंग कहा। साथ ही रुद्र की भूमिका में प्रभास को देखने के लिए फैंस भी काफी उत्साहित दिखे। कई फैंस ने भी हर हर महादेव अपने कमेंट में लिखा और प्रभास को सपोर्ट किया।

फिल्म की कहानी-स्टार कास्ट

फिल्म कन्नप्पा की कहानी की बात की जाए तो यह एक माइथोलॉजिकल फिल्म है, इसका डायरेक्शन मुकेश कुमार सिंह ने किया है। विष्णु मांचू ने कन्नप्पा की भूमिका निभाई है, जो भगवान शिव का बहुत बड़ा भक्त है। फिल्म में विष्णु मांचू और प्रभास के अलावा मोहनलाल, शिवराज कुमार, नयनतारा, तमन्ना भाटिया, काजल अग्रवाल, आर सरथकुमार, ब्रह्मानंदम भी नजर आएंगे।

मेरा अपना सफर है, पापा आमिर खान को अपनी विरासत खुद संभालनी पड़ेगी

ओटीटी पर आई महाराज से अपने अभिनय का सिक्का जमाने वाले जुनैद खान भले इंडस्ट्री के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान के बेटे हों, मगर वे अपना एक अलग रास्ता तय करने की ठान चुके हैं, यही वजह है कि उन्होंने थिएटर किया, हिंदी जुबान सीखी, असिस्टेंट डायरेक्टर रहे, अमेरिका जाकर अभिनय का कोर्स किया, ऑडिशन दिए। इन दिनों वे लगातार खबरों में हैं अपनी नई फिल्म लवयापा से।

आप इंडस्ट्री के मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहे जाने वाले एक्टर आमिर खान के बेटे हैं। फिल्मों में उनकी विरासत को आगे बढ़ाने को लेकर आप प्रेशर फील करते हैं?

सच कहूं, तो मैं प्रेशर फील नहीं करता, क्योंकि मुझे लगता है हर किसी की अपनी जर्नी होती है। उनकी विरासत उन्हीं को संभालनी पड़ेगी, क्योंकि वो अभी भी काम कर रहे हैं। मेरी तो अभी महज शुरुआत है। मेरी फिल्म के बाद उनकी फिल्म भी रिलीज होगी, तो मुझे लगता है उनकी विरासत उनके हाथों काफी सुरक्षित है।

बचपन में आप डिस्लेक्सिया जैसे रोग के शिकार भी रहे, कितना चुनौतीपूर्ण रहा वो दौर?

मेरा डिस्लेक्सिया काफी जल्दी डिटेक्ट हो गया था। मैं उस वक्त महज 6-7 साल का रहा होऊंगा, जब मम्मी-पापा को पता चल गया था कि मैं एक डिस्लेक्सिक बच्चा हूं। उस वक्त पापा तारे जमीन की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे थे। मम्मा और पापा से मुझे बहुत सपोर्ट मिला। उन्होंने मुझे हर तरह से समझा। उसके बाद उन्होंने कभी नहीं पूछा कि मेरे मार्क्स कितने आए हैं। उन लोगों के लिए हमेशा ये मायने रखता था कि मैं कितनी कोशिश कर रहा हूं। रिजल्ट को लेकर उनको कभी कोई चिंता नहीं रही। मैं उस दौर में डिस्लेक्सिया रेमिडेशन के लिए जाता था। मुझे इससे काफी मदद मिली। मैं डिस्लेक्सिया के इलाज के लिए कई संस्थाओं से भी जुड़ा, जिनके कारण मुझमें और मेरी पढ़ाई में सुधार आया। जैसे आपने तारे जमीन फिल्म में देखा होगा कि जो छोटे बच्चे होते हैं, वो कई चीजें नहीं कर पाते, जबकि टीचर्स और माता-पिता को लगता है कि बच्चे शैतानी कर रहे हैं, जबकि ऐसा नहीं होता। डिस्लेक्सिया से पीड़ित बच्चे को लेकर जो समझ होनी चाहिए, वो उन्होंने पकड़ी। असल में उन्होंने तारे जमीन की स्क्रिप्ट पढ़ी थी और इससे उन्हें बहुत मदद मिली।

आपने ओटीटी पर महाराज से अनकन्वेंशनल डेब्यू किया, मगर क्या उसके पहले आपको रिजेक्शन से गुजरना पड़ा?

मैं पीके जैसी फिल्मों में सहायक निर्देशक रहा हूं। अपनी ग्रेजुएशन पूरी करने के बाद मैंने अमेरिकन एकेडेमिक्स ऑफ ड्रामेटिक आर्ट्स में दाखिला लिया ताकि मैं अभिनय को और ज्यादा समझ सकूं। 2017 में जब मैं वो कोर्स करके लौटा, तो मैं यहां थिएटर करने लगा। उस दौरान मैंने कई ऑडिशन दिए। अलग-अलग निर्देशक मुझे ऑडिशन के लिए बुलाते थे, मगर मैं किसी फिल्म के लिए सेलेक्ट नहीं हुआ। मुझे लगता है कि किसी भी रोल के लिए चुने या नकारे जाने के कई कारण होते हैं। उस वक्त मैंने यही सोचा कि हर फिल्म की अपनी तकदीर होती है। मुझे जब महाराज मिली, तो मुझे लगा कि उस फिल्म की तकदीर में मैं था। लोगों को मेरा काम पसंद आया और अब उम्मीद करता हूं कि लवयापा में भी लोग मुझे पसंद करें।

आपकी फिल्म लवयापा की बात करूं, तो इसमें आपके साथ खुशी कपूर की केमेस्ट्री काफी चर्चा में है। कैसा रहा उनके साथ काम करने का अनुभव?

खुशी काफी कमाल की अभिनेत्री हैं। मगर वो ज्यादा बातचीत नहीं करती। हम पहली बार अद्वैत (निर्देशक अद्वैत चंदन) मिले थे, मगर दोनों ही चुप बैठे हुए थे। अद्वैत डर गए कि ये दोनों स्कूल आए बच्चों की तरह बर्ताव कर रहे हैं। ये दोनों मेरे हीरो-हीरोइन कैसे हो सकते हैं? मगर फिर हमारी रिहर्सल शुरू हुई। काम करते हुए खुशी काफी खिल जाती हैं। वैसे हमारे काफी सीन फोन पर हैं, तो हमारे सीन अलग-अलग शूट हुए थे, मगर हमें वो ऐसे करने थे कि केमेस्ट्री लगे और वो हमारे बीच रिहर्सल से आई। हमारे बीच काफी समानताएं भी हैं, तो हम एक तरह से एक ही नाव में सवार हैं।

कंटेंट राइटिंग में बनाना है करियर तो इन संस्थानों से करें टॉप कोर्स

कंटेंट राइटिंग एक ऐसी स्किल है, जिसका उपयोग सदियों से हो रहा है। पुराने समय में जब किसी भी इंसान को अपनी बात कहीं और पहुंचनी होती थी तो वो लेटर के द्वारा पहुंचाई जाती थी और लेटर यानि खत में सारी बातों को शब्दों में लिख कर बताया जाता है, जिसे हम उस लेटर का कंटेंट कहते हैं। आज के दौर में जब इंटरनेट की पहुंच दूर-दूर तक है वैसे में कंटेंट राइटिंग एक बहुत ही महत्वपूर्ण विकल्प बना है। यह एक व्यापक क्षेत्र है, जिसमें ब्लॉग पोस्ट या लेख लिखने से लेकर वीडियो और पॉडकास्ट की स्क्रिप्टिंग और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए कंटेंट तैयार करने तक सब कुछ शामिल है।

कंटेंट राइटर वेबसाइटों और मीडिया के अन्य रूपों के लिए कंटेंट लिखने का कार्य करते हैं। हालांकि यह एक साधारण काम लगता है, लेकिन इसके लिए बहुत से स्किल की जरूरत पड़ती है, जिसे किसी अच्छे कोर्स के माध्यम से ही विकसित किया जा सकता है।

कंटेंट राइटिंग का महत्व

कंटेंट राइटर सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो वेब ट्रैफिक और सेल को चलाने के लिए बहुत जरूरी है। यदि आप कंटेंट राइटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं, तो ऐसे कई ऑनलाइन पाठ्यक्रम और प्रमाणपत्र हैं जो आप इस फील्ड में करके अपने स्किल को डेवलप कर सकते हैं। मार्केटिंग और कम्युनिकेशन के इस दौर में कंटेंट के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। सीधे शब्दों में कहें तो एक हाई क्वालिटी, अच्छा और रिसोर्सफुल कंटेंट किसी भी ब्रांड की छवि, विश्वसनीयता, विश्वास और बिजनेस को ग्रोथ दे सकता है।

ईसीटी (एजुकेशन एंड करियर टाइम्स)

दिल्ली में स्थित इस प्रशिक्षण संस्थान को केंद्र सरकार ने मान्यता मिली हुई है। ईसीटी के कंटेंट राइटिंग कोर्स में आप को अपने स्किल को विकसित करने के लिए असल प्रोजेक्ट से रूबरू कराया जाता है। जिसको पूरा करते हुए आप कंटेंट राइटिंग के तौर-तरीके सीख सकते हैं। ईसीटी का कंटेंट राइटिंग सर्टिफिकेट हर जगह मान्य है। यह डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट राइटिंग और कम्युनिकेशन स्किल के साथ-साथ पर्सनल डेवलपमेंट कोर्स भी कराता है। इस कोर्स में आप कंटेंट राइटिंग शुरू करना, अपनी शब्दावली बढ़ाना, सामान्य व्याकरण की गलतियों से बचना, राइटिंग टूल्स, टिप्स और टेक्नोलॉजी सीखना, रचनात्मक गैर-लेखन शैली विकसित करना, बिजनेस राइटिंग, टेक्निकल राइटिंग, एकेडमिक राइटिंग स्किल और अपनी राइटिंग को बेहतर करना सीखाया जाता है।

डिजिटल एकेडमी 360

इस एकेडमी का लक्ष्य कम फीस में छात्रों को हाई क्वालिटी, इंडस्ट्री बेस्ड कोर्स कराना है। डिजिटल एकेडमी 360 आपको अपने स्किल को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए बेस्ट कोर्स उपलब्ध कराता है। इस एकेडमी का प्रशिक्षण एक सख्त कोर्स का पालन करता है। इस कंटेंट राइटिंग कोर्स में छात्रों को कंटेंट के बारे में शुरू से लेकर अंत तक की पूरी जानकारी दी जाती है। यहां पर इंडस्ट्री के मानकों को ध्यान में रखकर कोर्स तैयार किया गया है, जिसके यह 100% प्लेसमेंट सहायता के साथ आज के समय में देश के टॉप कंटेंट राइटिंग एकेडमी में से एक है।

हेनरी हार्विन एजुकेशन

यहां के कंटेंट राइटिंग कोर्स में कुल आठ मॉड्यूल शामिल हैं। इन मॉड्यूल में लैंग्वेज स्किल, इंटरनेट स्किल, बिजनेस एंड मार्केटिंग राइटिंग, कंटेंट स्ट्रेटजी, टेक्निकल एंड रिसर्च राइटिंग, एकेडमिक राइटिंग और क्रिएटिव राइटिंग पर ध्यान केंद्रित करते हैं। वहीं इसका आठवां मॉड्यूल आपको सिखाएगा कि आप अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट कैसे प्राप्त करें और ऑनलाइन पैसा कैसे कमाया जाए। इनका कंटेंट राइटिंग कोर्स 50 से ज्यादा राइटिंग टूल्स का इस्तेमाल करना सिखाएगा।

आईआईडीई (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ डिजिटल एजुकेशन)

भारत में इस ऑनलाइन कंटेंट राइटिंग कोर्स का उद्देश्य आपको कंटेंट मार्केटिंग के अवधारणाओं को गहराई से समझने और साथ ही विभिन्न कंटेंट कांसेप्ट को समझने में मदद करना है। इनका उपयोग मार्केटिंग के लिए किया जा सकता है। यह कोर्स आपको कंटेंट बनाना, पब्लिश करना और प्रमोट करना भी सिखाता है। यह कंटेंट राइटिंग कोर्स आपको सिखाएगा कि कैसे अपनी बेस को मजबूत करें और अपने ब्रांड को परिभाषित करते हुए दर्शकों को लक्षित करें।

वी-स्किल

इस सर्टिफिकेट को इंडस्ट्री में स्किल और नॉलेज के प्रूफ के रूप में व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। यह छात्रों या कर्मचारियों के उन स्किल को मापने या साबित करने में सहायता करता है जो कंपनियों द्वारा मांगी जाती हैं। इस कोर्स में आपको कंटेंट राइटिंग का परिचय, सामान्य रूप से कंटेंट राइटर, इंडस्ट्री में डिमांड की जाने वाले कंटेंट, राइटिंग टिप्स और इंडस्ट्री में जॉब दिलाने का भरोसा मिलता है।

अगर पढ़ाई पर नहीं कर पाते हैं फोकस तो इन टिप्स को करें फॉलो मिलेगी सफलता

कई छात्र ऐसे हैं, जो पढ़ना तो चाहते हैं, लेकिन उनका मन पढ़ाई में नहीं लगता है। अगर आप परीक्षा में अच्छे मार्क्स से उत्तीर्ण होना चाहते हैं तो मन लगा कर पढ़ना बहुत जरूरी है। आज के इस वतावरण में पढ़ाई से ध्यान हटने का एक साधारण सा कारण होता और वो है मन का विचलित होना। जो चीजें पढ़ाई से छात्रों का मन विचलित करती हैं, उनमें मुख्य रूप से सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट, दोस्त, परिवार, शोर-शराबा, अनलाइन गेम्स, आदि शामिल है। शायद आपके साथ भी ऐसे ही होता हो।

पढ़ाई के लिए सही जगह चुनें

- आपकी पढ़ाई आपके परिवेश और वातावरण पर निर्भर करता है। इसलिए सही जगह का चुनाव बहुत आवश्यक है। जगह का चुनाव करते समय इन बातों का ध्यान रखे।
- पढ़ाई के लिए शांत वातावरण हो।
- बैठने के लिए एक अच्छी कुर्सी और टेबल रखें।
- किताबों को अच्छे से रखने की सुविधा हो।
- पढ़ाई करते समय परिवार वालों से कहें की वह आपके कमरे में बार-बार ना आयें।

पढ़ाई को अपना रूटीन कार्य बनायें

- पढ़ाई के लिए एक योजना होना जरूरी है। एकाग्र हो कर पढ़ाई करने के लिए इस तरह का योजना बना सकते हैं।
- हर दिन पढ़ाई करने के लिए टाइम टेबल चार्ट बनायें और उसके अनुसार पढ़ाई करें।
- पढ़ाई को दैनिक कार्य से अलग ना समझें।
- पढ़ाई करने के लिए हमेशा उत्साहित रहें।
- 45 मिनट से ज्यादा लगातार पढ़ाई न करें।
- जिस समय पढ़ने में आसानी होती है उसी के अनुसार अपना समय चार्ट बनायें।

ध्यान भटकाने वाली चीजों को दूर रखें

अगर आप लंबे समय तक पढ़ना चाहते हैं, तो सबसे पहले ध्यान हटाने वाली चीजों से दूर रहें। क्योंकि इन चीजों की वजह से आप अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं और पढ़ाई में याद किए हुए पाठ्य भूल जाते हैं। इसलिए अगर पढ़ाई करना है तो इन इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों से दूर रहें।

अच्छे से पढ़े

अगर आपको अपने पाठ्यक्रम को समझना और याद करना है तो अपने सिलेबस को अच्छे से पढ़ने की जरूरत होती है। जब आप पढ़ाई करें तो पहले लक्ष्य निर्धारित कर दें और लक्ष्य पूरा होने पर अपनी मेहनत के लिए स्वयं को शाबाशी दें। हमेशा सकारात्मक विचारों के साथ जुड़े रहें और खाली समय में अच्छी प्रेरणादायक किताबें पढ़ें। भले ही काम-काम कर के पढ़ें पर समझ कर पढ़ें।

अपने शरीर को समझें

सभी छात्रों का पढ़ाई का अलग तरीका और समय होता है। कुछ लोग सुबह के समय अच्छा पढ़ते हैं या अपने कार्य में अच्छे होते हैं तो कुछ लोग रात के समय अच्छा पढ़ने में मन लगाते हैं। आप को अपने शरीर को समझना होगा की आपका दिमाग कब ज्यादा पढ़ने का मन कर रहा है रात को या दिन के समय। सही समय में ही सही कार्य करने को ही सफलता कहते हैं।

पर्याप्त और अच्छी नींद लें

मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए अच्छी नींद बहुत जरूरी है। जब कोई व्यक्ति अच्छे से सोता है तो उसके हॉर्मोन सही तरीके से रेगुलेट होते हैं जो दिमाग को मजबूत बनाते हैं और शरीर को आराम भी देते हैं। इससे छात्रों को पढ़ाई किए हुए पाठ को याद करने में मदद मिलती है। थके हुए शरीर से कभी भी पढ़ाई पर ध्यान या मन लगाना बहुत मुश्किल होता है और कभी-कभी नामुमकिन भी है। इसलिए जरूरत के हिसाब से प्रतिदिन 7-8 घंटा रात को जरूर सोना चाहिए।

हेल्दी खाना खाएं

स्वस्थ रहने और पढ़ाई के लिए अच्छा खाना भी जरूरी है। अच्छा फल, सब्जियों, और अनाज खाने से दिमाग की शक्ति बढ़ती है। पौष्टिक और संतुलित आहार से पढ़ाई में मन भी लगता है। ज्यादा वसा युक्त, मीठा, कार्बोहायड्रेट युक्त खाना न खाएं क्योंकि इससे आपके शरीर को हानी पहुंचाता है।

अनुशासित रहें

लंबे समय तक पढ़ाई के मूलमंत्रों में अनुशासन भी शामिल है। अगर पढ़ाई में ध्यान लगाना है तो अनुशासन बनाये रखना बहुत आवश्यक है। आपका मन भले ही एक तरफ से दूसरी ओर जाने लगे परन्तु अनुशासन ही वो चीज है जो आपका ध्यान से पढ़ने में मदद करता है। इसलिए जब कभी भी आपका ध्यान भटकने लगे तो उसे रोकें और अपने टाइम टेबल पर फोकस करें। इसके लिए आप अपने पढ़ाई वाली जगह पर एक कागज पर लिख कर चिपका दें "मैं पढ़ाई के समय मात्र पढ़ाई में ध्यान दूंगा और कुछ भी नहीं करूंगा"। पढ़ाई को मजा समझ कर पढ़ें ना की बोझ के जैसे।

आपको कब आराम करना है

अगर आप बिना रूके कोई काम करते हैं तो वह आपको बोझ लगने लगेगा। इसलिए पढ़ाई के बीच-बीच में ब्रेक होना बहुत जरूरी है। सोचिये की ब्रेक एक अच्छा चीज है और उस समय कुछ सकारात्मक कार्य करें जिससे की पढ़ाई के दौरान याद किया हुआ चीज आप ना भूलें। आप प्रति 45-60 मिनट में 5-10 मिनट का ब्रेक जरूर लें, इससे दिमाग ताजा रहता है।

अपनी प्रगति की समीक्षा करें

अपने पढ़ाई के तरीकों में सुधार के साथ अपनी प्रगति को भी देखें। इससे आपको जरूर प्रेरणा मिलेगा और आप सही रूप से पढ़ाई करने में सफल हो पाएंगे। इसके लिए आप खुद से सवाल पूछें कि क्या आपने अपने लक्ष्य को हासिल किया, अगर नहीं तो क्यों।

कोरोना के बाद मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बढ़ रहे हैं ये नए ट्रेंड

कोरोना महामारी ने कई बिजनेस को अब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट कर दिया है और लोगों को वर्क फ्रॉम होम करने का निर्देश दिया गया है। इस महामारी ने डिजिटल क्रांति के अलावा प्रौद्योगिकी एकीकरण में भी अपना असर दिखाया है और कई उद्योगों को एक साथ ला दिया है। जिसके कारण युवाओं के लिए जॉब अवसर में भारी गिरावट आई है। कोरोना के कारण प्रभावित होने वाले प्रमुख क्षेत्रों में से एक है मैकेनिकल इंजीनियरिंग का क्षेत्र, जहां पर जॉब की कमी होने के साथ ही नए ट्रेंड भी विकसित हुए हैं। मैकेनिकल इंजीनियरिंग को इंजीनियरिंग के सबसे पुराने और व्यापक क्षेत्रों में से एक माना जाता है। इसमें मशीनों के डिजाइन निर्माण और उसके उपयोग के बारे में जानकारी दी जाती है। इस फील्ड में कोर्स के दौरान स्टूडेंट को ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक मोटर्स, एयरक्राफ्ट अन्य भारी वाहनों के डिजाइन के बारे में सिखाया जाता है। मैकेनिकल इंजीनियर नई बैटरी के एथलेटिक्स के सामान से लेकर चिकित्सा उपकरणों और कंप्यूटर, एयर कंडीशनर, ऑटोमोबाइल इंजन से लेकर बिजली संयंत्रों तक सब कुछ डिजाइन करते हैं। ये इंजीनियर उन हर मशीनों को डिजाइन करते हैं, जो नई या पुरानी हैं। इसलिए, यह युवाओं का पसंदीदा फील्ड है।

सीएडी/सीएएम (कंप्यूटर एडेड डिजाइन और कंप्यूटर एडेड मैन्युफैक्चरिंग)

सीएडी/सीएएम ऐसे सॉफ्टवेयर हैं जो ज्यामितीय डाटा को एन्कोड करने के लिए कंप्यूटर-आधारित विधियों का उपयोग करते हैं। इसमें स्वचालित मशीनरी के डिजाइन और निर्माण की प्रक्रियाएं अत्यधिक एकीकृत होती हैं। जबकि सीएडी का उपयोग मुख्य रूप से डिजाइन बनाने के लिए किया जाता है। सीएएम भागों के निर्माण में मशीन टूल्स का नियंत्रण है। यह पूर्व डिजाइनरों की मदद करने के साथ विनिर्माण लागत को कम करता है। दोनों सॉफ्टवेयर के लिए एक शक्तिशाली कंप्यूटर की आवश्यकता होती है।

हीट एक्सचेंजर का डिजाइन

हीट एक्सचेंजर्स ऐसे सिस्टम होते हैं जो दो या दो से अधिक तरल पदार्थों के बीच गर्मी को एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने का काम करते हैं। यह एक ऐसी प्रणाली है जो वास्तव में द्रव को सीधे स्थानांतरित किए बिना एक आसान तरीके से गर्मी हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करती है। वे थर्मल प्रबंधन कार्यों के लिए ईंधन सेल सिस्टम के अत्यधिक महत्वपूर्ण भाग हैं। मैकेनिकल इंजीनियरिंग क्षेत्र ने हाल ही में एनर्जी एफिशिएंट, इफेक्टिव और लास्टिंग हीट एक्सचेंज को डिजाइन करने में काफी संभावनाएं देखी हैं।

स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री 40 और आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स)

स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग को आसानी से एक निर्माण प्रणाली कहा जा सकता है। जिसमें आपूर्ति श्रृंखला के सभी सिरों को पूरी तरह से एकीकृत करने और किसी भी मुद्दे को हल करने के लिए गति, संरचना की जवाबदेही हो सकती है। यह ग्राहकों की लगातार बढ़ती मांगों और आपूर्ति नेटवर्क की बदलती परिस्थितियों में समन्वय बनाना सुनिश्चित करता है। इसे उद्योग 40 कहा जाता है, क्योंकि यह चौथी औद्योगिक क्रांति है जिसमें स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग पर फोकस किया जा रहा है। इस स्मार्ट इंडस्ट्री ने आईओटी के साथ उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार के साथ मुनाफे में भी मदद की है। यह यूआईडीएस का उपयोग करके नेटवर्क पर डेटा स्थानांतरित करने में मदद करने के लिए उपकरणों, यांत्रिक मशीनों, मैन पॉवर, वस्तुओं आदि को एक साथ जोड़ने वाली एक प्रणाली है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग

एआई ऐसी टेक्नोलॉजी है, जिसमें एक मशीन मानव व्यवहार का अनुकरण करने की कोशिश करता है। यह टेक्नोलॉजी आने वाले समय में इंडस्ट्री निश्चित रूप से भविष्य है। क्योंकि अब एआई का उपयोग रोबोटिक्स, वीआर, आईओटी आदि जैसे अधिकांश आने वाले तकनीकी क्षेत्रों में किया जा रहा है। मशीन लर्निंग एआई के उन एप्लीकेशन में से एक है, जो सिस्टम को पहले से स्पष्ट रूप से प्रोग्राम किए बिना मशीन के बारे में ऑटोमैटिक नॉलेज देता है।

मैकेनिकल इंजीनियर का भविष्य उज्जवल

आज के समय में मैकेनिकल इंजीनियरों की सबसे ज्यादा डिमांड हाइब्रिड और ऑटो नोमोस टेक्नोलॉजी, डेटा साइंस, एम्बेडेड सिस्टम, स्मार्ट सिटी और सिटी एनॉलिसिस्ट आदि के साथ ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में हैं। कुछ बदलाव व दबाव के बाद भी मैकेनिकल इंजीनियरिंग का भविष्य उज्ज्वल दिखता है, क्योंकि कई उद्योगों को अब एनॉलिसिस्ट स्किल के साथ टेक्नोलॉजी की गहरी समझ वाले युवाओं की सख्त जरूरत है।

बच्चों की करना चाहते हैं केयर, तो पीडियाट्रिशन में बना सकते हैं करियर

छोटे बच्चे अधिक नाजुक होते हैं, इसलिए वे बड़ों की अपेक्षा अधिक बीमार पड़ते हैं। इसलिए उन्हें स्पेशल केयर, देखरेख और चिकित्सक की आवश्यकता पड़ती है। इन बच्चों का इलाज और देखभाल करने वाले डॉक्टर को पीडियाट्रिशन या बाल रोग चिकित्सक कहते हैं। यह मेडिकल साइंस की एक विशेष शाखा है, जो खासतौर से बच्चों के विभिन्न रोगों के निदान और उपचार पर ध्यान केंद्रित करता है।

पीडियाट्रिशन का काम

आमतौर पर माना जाता है कि पीडियाट्रिशन का कार्य सिर्फ बच्चे के बीमार होने पर दवाई देने तक सीमित है, लेकिन उनका काम सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है। बाल रोग विशेषज्ञ बच्चों के योग्य चिकित्सक हैं, जो बच्चों की बीमारी का इलाज करने के साथ-साथ उनकी देखभाल पर भी पूरा ध्यान केंद्रित करते हैं। वे बच्चों के माता-पिता को सलाह देते हैं कि अपने बच्चों की देखभाल कैसे करें, उनके टीकाकरण का प्रबंधन करें और उन बीमारी का इलाज किस तरह कराएं, जो मुख्य रूप से बच्चों को प्रभावित करता है। बाल रोग विशेषज्ञ बच्चों के व्यवहार, विकास और शारीरिक कार्यों में विकारों की शुरुआती पहचान करने के अलावा उनके रोकथाम और प्रबंधन के लिए भी काम करते हैं।

इन फील्ड से बना है पीडियाट्रिशन

पीडियाट्रिशन दो मुख्य क्षेत्रों से बना है। एक सामान्य बाल रोग विशेषज्ञ आमतौर पर शिशुओं और बच्चों के लिए सामान्य बीमारियों और अन्य बीमारियों का इलाज करते हैं, जबकि इसके विशेषज्ञ बच्चों की बीमारी से संबंधित किसी क्षेत्र में विशेषज्ञ होते हैं। वे एंडोक्रिनोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, इम्यूनोलॉजी और संक्रामक रोगों, ऑन्कोलॉजी, क्लीनिक फार्माकोलॉजी, आदि में से किसी भी क्षेत्र में सुपर स्पेशलिस्ट हो सकते हैं।

करियर के लिए जरूरी पर्सनल स्किल

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए सिर्फ एजुकेशन ही जरूरी नहीं है। आपके अंदर कई पर्सनल स्किल का होना भी जरूरी है। इस फील्ड में सक्सेस के लिए आप में धैर्य होने के साथ अच्छा कम्युनिकेशन स्किल का होना भी बहुत जरूरी है। इसके अलावा, बच्चों की भावनाओं को पहचाने के लिए उनमें आर्ब्जवर स्किल्स भी होना चाहिए, क्योंकि वह अपने ऑब्जर्वेशन के आधार पर ही डायग्नोस और उपचार करते हैं। उन्हें लंबे समय तक काम करने में सक्षम होना चाहिए और आपात स्थितियों के मामले में समय पर निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए।

करियर स्कोप

यह फील्ड शानदार करियर स्कोप प्रदान करता है। यहां पर जॉब की कमी नहीं है। कोर्स पूरा करने के बाद बतौर पीडियाट्रिशन आप निजी और सरकारी अस्पतालों में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं या फिर चिकित्सा केंद्र में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप मेडिकल कॉलेजों या प्रशिक्षण संस्थानों में शिक्षण का विकल्प चुन सकते हैं। वहीं रिसर्च करने के बाद आप बच्चों से जुड़े रोगों के कारणों व निदान पर रिसर्च कर अपना शानदार करियर बना सकते हैं।

जरूरी एजुकेशन

आप अगर इस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं, तो आपको विज्ञान विषय के साथ 12वीं पास करना होगा। जिसके बाद आपको किसी मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस कोर्स में प्रवेश पाने के लिए प्रवेश परीक्षा देनी होगी। किसी भी मान्यता प्राप्त मेडिकल कॉलेज या विश्वविद्यालयों से एमबीबीएस की डिग्री पूरी करने के बाद, आप बाल चिकित्सा में एमडी (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन) की डिग्री भी ले सकते हैं। इसके बाद आप एक पीडियाट्रिशन के तौर पर अपना करियर शुरू कर सकते हैं। अगर आप चाहें तो इसके आगे भी अपनी पढ़ाई जारी रख सकते हैं और इस फील्ड में रिसर्च के अलावा एंडोक्रिनोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, इम्यूनोलॉजी और संक्रामक रोग, ऑन्कोलॉजी आदि में विशेषज्ञता कर सकते हैं।

सैलरी

एक पीडियाट्रिशन की सैलरी उसके अनुभव, स्थान व स्किल पर निर्भर करता है। कोर्स पूरा करने के बाद अगर आप सरकारी क्षेत्र में जाते हैं तो उस राज्य के पे-स्केल के अनुसार आप 50 से 60 हजार रुपये प्रतिमाह सैलरी पा सकते हैं। वहीं अगर आप किसी निजी अस्पताल में जॉब करते हैं तो अपनी योग्यता के अनुसार लाखों रुपये प्रतिमाह की सैलरी ले सकते हैं। वहीं कुछ सालों के अनुभव के बाद आप प्रतिमाह 5 से 10 लाख रुपये कमा सकते हैं।

ऑनलाइन पेपरलेस छात्रवृत्ति आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की उपनिदेशक मीना आर्य ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 हेतु राजस्थान राज्य के मूल निवासियों के लिए विभाग द्वारा संचालित विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च, 2025 निर्धारित की गई है। इन योजनाओं में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, मुख्यमंत्री सर्वजन उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति योजना, विमुक्त, घुमंतु एवं अर्द्ध घुमंतु समुदाय, मिरासी एवं मिश्ती उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाएं शामिल हैं। समाज कल्याण विभाग द्वारा राज्य की राजकीय, निजी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं और राष्ट्रीय स्तर की शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों से वेब पोर्टल या एसएसओ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पेपरलेस आवेदन आमंत्रित किए गए है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने जिला कारागृह का साप्ताहिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार शुक्रवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव समीक्षा गौतम द्वारा जिला कारागृह सवाई माधोपुर का साप्ताहिक निरीक्षण कर मौके पर उपस्थित मुख्य प्रहरी दाउदयाल शर्मा से बंदियों को प्रदान भोजन, पेयजल, चिकित्सकीय सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान बंदियों को प्रदान मूलभूत सुविधाएं एवं कारागृह परिसर की साफ-सफाई संतोषजनक पाई गई। सचिव समीक्षा गौतम द्वारा उपस्थित बंदीजन से जेल प्रशासन की व्यवस्थाओं, कानूनी प्रतिनिधित्व हेतु अधिवक्ता की उपलब्धता, उनके संबंधित मुकदमों की ताजा अपडेट आदि के बारे में पूछताछ की गई, साथ ही उनकी समस्याओं को सुना गया। निरीक्षण के दौरान कारागृह में कुल 94 बंदी उपस्थित पाये गए। दौराने निरीक्षण सचिव समीक्षा गौतम द्वारा प्रिजन लीगल एड क्लीनिक का विजिट कर जेल विजिटिंग लॉयर एवं जेल विजिटिंग अधिकार मित्र द्वारा जेल में निरूद्ध बंदियों को प्रदान निःशुल्क विधिक सहायता के संबंध में की गई कार्यवाही के संबंध में पूछताछ की गई एवं उपस्थित बंदीजन को बंदियो एवं विधि से संघर्षरत किशोरों के कल्याण की योजना, नालसा टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100, नालसा पोर्टल आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आशुतोष सिंह आढ़ा, चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल (न्याय रक्षक) राधेश्याम जोगी, कंपाउंडर अशोक मीना, अधिकार मित्र सुनिता जोनवाल एवं जेल स्टाफकर्मी उपस्थित रहे।

अवधिपार मसाले करवाए नष्ट, खाद्य सुरक्षा टीम की कार्यवाही

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा टीम ने बहरावण्डा खुर्द में कार्यवाही करने पहुंची। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जैमिनी ने बताया कि बहरांवडा खुर्द में खाद्यकारोबरकर्ता के यहाँ अवधिपार लाल मिर्च पाउडर अलग अलग पैकिंग में रखी मिली जिन्हे मौके पर ही नष्ट कराया, साथ ही एक नमूना दीपक ब्रांड नमकीन का लिया गया। इसके साथ ही विभिन्न प्रतिष्ठानों के कढाई में काम लिए जा रहे तेल को चेक किया जिनके टीपीसी वैल्यू ज़्यादा मिली उन्हें मौके पर ही नष्ट कराया गया। वहीं वजीरपुर में विभिन्न दुकानों का निरीक्षण कर 5 नमूने लाल मिर्च पाउडर,चाय ,हल्दी पाउडर आर आर एम, मामरा बादाम देव व नमकीन के नमूने लिए। सूचना मिलते ही अधिकतर दुकानदरों ने दुकाने बंद कर दी व पूरा बाज़ार बंद हो गया। वहीं गंगापुर सिटी में विभिन्न खाद्य कारोबारकर्ता संस्थाओं का निरीक्षण किया व सैनिक कैंटीन से 5 नमूने नमकीन, मिर्ची पाउडर, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर व सूजी आदि के नमूने खाद्य सुरक्षा एवम मानक अधिनियम के अंतर्गत लिए गए ।लिए गए सभी नमूनों को प्रयोगशाला जांच हेतु जयपुर लैब भेजे गए ।रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

गौरव बुडानिया ने किया मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद का पदभार ग्रहण

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। संयुक्त शासन सचिव, कार्मिक (क-1) विभाग, राजस्थान जयपुर के आदेशानुसार आईएएस गौरव बुडानिया ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक जिला परिषद एवं पदेन मुख्य परियोजना अधिकारी (माडा), सवाई माधोपुर का पदभार ग्रहण कर लिया हैं। पदभार ग्रहण करने के पश्चात् उन्होंने विभिन्न शाखाओं का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर निजी सहायक सहित जिला परिषद के कार्मिक मौजूद रहे। निवर्तमान मुख्य कार्यकारी अधिकारी धारा सिंह मीणा ने उन्हें पदभार सौंपा। पदभार ग्रहण करने पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ देकर शुभकामनाएं दी। जिला परिषद सीईओ गौरव बुडानिया ने पदभार ग्रहण करते ही जिला परिषद अधिकारी व कार्मिकों की बैठक ली। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय करते हुए उन्हें ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओ को आमजन तक पहुंचाने हेतु निर्देश दिए। कार्य ग्रहण के दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, माडा, सांसद, विधायक विकास योजना सहित सरकार की अन्य सभी कल्याणकारी योजनाओं, फ्लैगशिप स्कीम का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित कर अंतिम छोर पर बैठे पात्र लाभार्थी तक पहुंचाना प्राथमिकता रहेगी।

खेमराज कमेटी की सिफारिश के विरोध में एवं 11 सूत्र मांग पत्र के समर्थन में धरना देकर किया विरोध प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ द्वारा प्रदेशव्यापी ऑहवान पर जिला कलेक्ट्रेट सवाई माधोपुर पर पूर्व जिला अध्यक्ष लड्डू लाल लोधा कार्यकारी जिला अध्यक्ष कैलाश नारायण सैनी एवं जिला मंत्री हनुमान सिंह नरूका के नेतृत्व में 11 सूत्री मांग पत्र के पक्ष में तथा खेमराज समिति की रिपोर्ट के विरोध में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर मुख्य सचिव राजस्थान सरकार के नाम जिला कलेक्टर सवाई माधोपुर के माध्यम से ज्ञापन दिया गया जिला महामंत्री हनुमान सिंह नरूका ने सरकार की कर्मचारी विरोधी नीति एवं नियतपर प्रकाश डालते हुए महासंघ के 11 सूत्रीय मांग पत्र का पुरजोर समर्थन करते हुए बताया कि पी एफ आर डी ए अधिनियम को निरस्त करते हुए राज्य कर्मचारियों के 53हजार करोड रुपए जीपीएफ खाते में जमा किए जाएं तथा राजस्थान में परिभाषित पुरानी पेंशन योजना यथावत रखी जावे,, पंचायती राज , सहकारी संस्थाओं, बोर्ड, निगम, एवं स्वायत्तशाषी संस्थानों में कार्यरत कार्मिकों के लिए समान काम, समान वेतन की नीति लागू कर वेतन विसंगतियों का निराकरण किया जावे,, न्यूनतम वेतन?26000 किया जावे,, जनवरी 2020 से जून 2021 तक के महंगाई भत्तेके एरियर का नगद भुगतान किया जावे,, 10% ग्रामीण भता दिया जावे,, शैक्षणिक योग्यता के आधार पर एम ए सी पी का लाभ देय नहीं होगा आदेश को विलोपित किया जावे,, पारदर्शी एवं स्पष्ट स्थानांतरण नीति लागू की जावे,, तृतीय श्रेणी अध्यापकों के वर्षों से लंबित स्थानांतरण किए जावे, तथा स्थानांतरण में राजनीतिक हस्तक्षेप बंद किया जावे ,, संविदा एवं आउटसोर्स कर्मचारीयों को नियमित किया जावे,, वर्क चार्ज कर्मचारियों को पदोन्नति के अवसर उपलब्ध कराये जावे,, मंत्रालयिक कर्मचारियों को शासन सचिवालय के कार्मिकों के अनुरूप वेतन भत्ते ,पदोन्नति ,एवं अन्य सुविधाएं दी जावे,, एएनएम एल एच वी सहित विभिन्न संवर्गों की मांग के अनुसार पदनाम परिवर्तन किया जावे,, पुलिस सेवा के कार्मिकों एवं आपातकालीन सेवा के कर्मचारियों को साप्ताहिक अवकाश देना सुनिश्चित जावे ,, इनका कार्यशील समय निर्धारित किया जावे पुलिस कार्मिकों की लंबीत पदोन्नतियां शीघ्र की जावे निजीकरण एवं पीपीपी मॉडल आधारित व्यवस्थाओं को समाप्त किया जावे आदि सहित कई मांग शामिल है धरने को जगराम मीणा जिला अध्यक्ष ग्राम विकास अधिकारी संघ ने खेमराज कमेटी की रिपोर्ट को कर्मचारी विरोधी बताते हुए महासघ द्वारा दिए विभिन्न संवर्गों के वेतन विसंगति व अन्य समस्याओं के ज्ञापन को नकारने की निंदा की कैलाश नारायण सैनी कार्यकारी जिला अध्यक्ष लड्डू लाल लोधा पूर्व जिला अध्यक्ष संयुक्त महासंघ, नीरज मीना जिला अध्यक्ष पशु चिकित्सा कर्मचारी संघ पुरुषोत्तम शर्मा पूर्व जिला अध्यक्ष राजस्थान आयुर्वैदिक नर्सिंग एसोसिएशन प्रभु लाल जाट संरक्षक महासंघ,, हरिशंकर गुर्जर पूर्व जिला अध्यक्ष पंचायती राज माध्यमिक शिक्षक संघ,, पंचम सिंह भाटी पूर्व जिला मंत्री महासंघ,, अशोक पाठक पूर्व संयोजक, विशवे सिंह ,,देशराज मीणा ,, राकेश मीणा,, जितेंद्र शर्मा ग्राम विकास अधिकारी संघ ओम प्रकाश शर्मा शिवराज शर्मा जलदाय विभाग,, गिरिराज प्रसादअकोदिया राधा रमन उपाध्याय पशु चिकित्सा कर्मचारी संघ,, शंकर लाल सैनी राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन राजेश सैनी राजस्थान संविदा कर्मचारी संघ,, राहुल सिंह गुर्जर जिला मंत्री राजस्थान पंचायती राज एवं शिक्षक संघ विजय जैन राजस्थान कृषि स्नातक संघ राम अवतार पाठक राजस्थान वन श्रमिक संघ बजरंग सिंह राजस्थान सहायक कर्मचारी संघआदि पदाधिकारीयो ने अपने उद्बोधन में 11 सूत्री मांग पत्र पर प्रकाश डालते हुए खेमराज कमेटी के निर्णय की निंदा की साथ ही सरकार से पुरजोर मांग की गई की महासंघ से संबद्ध विभिन्न संवर्गों की वेतन विसंगतियां सहित विभिन्न समस्याओं पर प्रदेश स्तरीय नेताओं से द्विपक्षीय वार्ता कर शीघ्र निस्तारण की मांग की अन्यथा महासंघ को मजबूरन आन्दोलनात्मक कदम उठाना पड़ेगा आज के इस धरना प्रदर्शन में महासंघ से संबद्ध कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारीयो सहित जिले भर के कर्मचारियों ने भाग लिया

राजस्थान में 'विकसित भारत रोड मैप' पर स्वच्छ भारत को सफल बनाने की अपील- डॉ. डी.पी. शर्मा

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। राष्ट्रीय एकता शिविर, एमिटी यूनिवर्सिटी राजस्थान में 'विकसित भारत रोड मैप' पर स्वच्छ भारत को सफल बनाने की अपील। एमिटी यूनिवर्सिटी राजस्थान में आयोजित भारत सरकार के खेल मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एकता शिविर में प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत एंबेसडर, संयुक्त राष्ट्र से जुड़े अंतरराष्ट्रीय परामर्शक, और प्रख्यात प्रोफेसर एवं वैज्ञानिक डॉ. डी.पी. शर्मा ने प्रेरणादायक व्याख्यान दिया। उन्होंने 'विकसित भारत रोडमैप' पर विचार-विमर्श किया, जिसमें नवाचार, अनुशासन और कौशल विकास की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया गया। ज्ञात रहे कि डॉ डीपी शर्मा 5 फरवरी को भारत पहुंचे हैं और वे अपने भारत प्रवास के दौरान कुछ राष्ट्रीय स्तर के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भाग लेकर वापस अपने मिशन पर विदेश चले जाएंगे। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए 200 प्रतिभागियों सहित प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति और संकाय सदस्य उपस्थित थे, जिन्होंने राष्ट्रीय एकता और प्रगति की भावना को मजबूत किया। डॉ. शर्मा के संबोधन में शैक्षिक सुधारों, डिजिटल परिवर्तन और युवाओं के सशक्तिकरण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया, जिससे भारत वैश्विक स्तर पर विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर सके। डॉ शर्मा ने कहा कि भारत कि प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए विज्ञान एवं तकनीकी में शोध और स्वच्छ भारत जैसे मिशन को सफल बनाएं। एमिटी यूनिवर्सिटी राजस्थान के कुलपति प्रो. अमित जैन ने डॉ. शर्मा को शिक्षा और राष्ट्रीय विकास में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. पल्लवी मिश्रा के स्वागत से हुई, जिसने इस सार्थक और ज्ञानवर्धक सत्र की आधारशिला रखी। राष्ट्रीय एकता शिविर समन्वयक डॉ मनोज कुमार ने डॉ शर्मा को धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित

जयपुर टाइम्स

चिराना(निस)। टोडपुरा रोड स्थित कस्बे की ब्रेनसीड स्कूल में शुक्रवार को विद्यालय समय के अंतिम कालांश में विधार्थियों को कौशल विकास की कई जानकारियां दी गई इसके बाद विद्यार्थियों के बीच वाक्य पुनरावृति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें गरिमा सैनी, नेहा सैनी, मोहित सैनी और यतिका सैनी ने सही उच्चारण के साथ बोलते हुए आयोजित प्रतियोगिता के विजेता बने। चारों विजेताओं को मौके पर ही इस कार्यक्रम के संयोजक रहे डॉ.राजेंद्र कुमावत ने मोमेंटो प्रदान कर उनको सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि बच्चो में एकाग्रता पैदा करने वाली इस प्रकार की प्रतियोगिता होती रहनी चाहिए। इस से पूर्व इन विद्यार्थियों ने अंग्रेजी अंताक्षरी में भी बढ़ चढ़ कर भाग लिया और मेमोरी शार्प होने का संकेत दिया। इस दौरान स्कूल स्टाफ के प्रधानाध्यापक उम्मेद कुमार, अंकित सैनी, चैनसिंह, आरती बेड़तिया, बबली सोनी, रितु शर्मा और नमिता सैनी उपस्थित रहे। ज्ञानवर्धक रहे इस प्रोग्राम के लिए विद्यालय परिवार की ओर से डॉक्टर कुमावत का आभार व्यक्त किया गया।

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के अन्तर्गत 10 फरवरी तक करे आवेदन

सवाई माधोपुर(निसं.)। मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजनान्तर्गत विभिन्न प्रोफेशनल कोर्स जैसे मेडीकल/इंजीनियरिंग, सीए, सीएस, सीएमए, क्लैट हेतु आयोजित प्रवेश परीक्षाओं एवं सरकारी नौकरियों जैसे यूपीएससी द्वारा आयोजित सिविल सेवा एवं सीडीएस परीक्षा, आरपीएससी द्वारा आयोजित आरएएस, पुलिस संबइस्पेक्टर इत्यादि परीक्षा, आरएसएसबी द्वारा आयोजित पटवारी, कनिष्ट सहायक इत्यादि परीक्षा, आरआरबी एवं एसएससी द्वारा आयोजित परीक्षाओं, बैकिंग एवं इंश्योरेन्स की भर्ती परीक्षाओं, रीट एवं कास्टेबल परीक्षाओं की तैयारी उत्कृष्ट ढंग से कराने एवं रोजगार के समान अवसर प्रदान करने के लिए पोर्टल पर सूचीबद्ध कोचिंग संस्थानों में कोचिंग करने हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक मीना आर्य ने बताया कि विभागीय वेबसाईट पर उपलब्ध मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के संशोधित नवीनतम विस्तृत दिशा-निर्देश एवं मानक संचालन प्रक्रिया के प्रावधानों के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति आदि

अण्डर पास में भरे पानी से वाहन चालक परेशान

सवाई माधोपुर (निसं.)। जिला मुख्यालय पर सर्किट हाउस से जीनापुर अण्डर पास से होकर लालसोट मेगा हाईवे पर जाने वाले रास्ते में अण्डर पास में हमेंशा पानी भरा रहता है। इस कारण इस रास्ते होकर जाने वाले वाहनों को इस पानी और कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है जिससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। लोगों का कहना है कि इसका समाधान केवल यहाँ ओवर ब्रिज बनाना ही हो सकता है। उल्लेखनीय है कि इन दिनों जिला मुख्यालय के शहर और बजरिया के दो भागों को जोड़ने वाला एकमात्र रास्ता हम्मीर ब्रिज पर चौड़ाई करण का कार्य चल रहा है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग जिला खण्ड, शाहपुरा जयपुर

क्रमांक- अअशा / निविदा / 2024-25 / 2495 दिनांक-29.01.2025

ई - निविदा सूचना संख्या 09 / 2024-25 प्रकाशन बाबत् ।

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से सिविल कार्य (तीन) अनुमानित राशि रू. 41.11 लाख (मय डीएलपी अवधि) के लिए निर्धारित प्रपत्र में दिनांक 12.02.2025 सांय 6.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। संबंधित पूर्ण विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan gov.in / tenders .asp, http:// eproc. rajasthan.gov.in http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
1. UBN No. (PWD2425WSOB14390)
2. UBN No. (PWD2425 WSOB14391)
3. UBN No. (PWD2425WSOB14392)

भवदीय
अधिशाषी अभियन्ता,
सा0नि0वि0 जिला खण्ड, शाहपुरा (जयपुर)
DIPR/C/1442/2025

Executive Engineer Public Health Engineering Department City Division I (S), Gandhi Nagar, Jaipur

S.No. 3387-3401 Date: 28/01/2025

Notice Inviting Bid

Bids for Various Works are invited from interested bidders. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http:// sppp. rajasthan.gov.in) of the state.

UBN No.	NIT's For the Year 2024-25	Last Date & time for online submission of tender document.
PHE 2425 WSOB 08858	NIT-34	10.02.2025 upto 6:00 PM

DIPR/C/1437/2025
Executive Engineer
PHED, City Div. I (S)
Gandhi Nagar, Jaipur

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड रतनगढ़

क्रमांक- 3587-3598 दिनांक- 28.01.2025

ई - निविदा सूचना संख्या- 20/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला चूरू में निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई- टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। आर. पी डब्लयू.ए 100 की शर्त लागू होगी। निविदा से संबंधित विवरण बेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tendrs.asp एंव विभागीय वेबसाईट http:// eproc. rajasthan. gov.in http://www.pwd.rajajasthan.gov.in तथा http:// sppp. raj. nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB No. - PWD2425A3957

S.No.	UBN NO.	S.No.	UBN NO.
1.	PWD2425WSOB14273	2.	PWD2425WSOB14274
3.	PWD2425WSOB14275	4	PWD2425WSOB14276
5	PWD2425WSOB14277		

DIPR/C/1409/2025
अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड रतनगढ़

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता (परियोजना) जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड सरदारशहर
e-mail: eeproj.chu.phed@rajasthan.gov.in

कमांक- 2071 दिनांक- 05-02-2025

निविदा सूचना संख्या 43-44 / 2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यो की मोहर बंद निविदायें उचित श्रेणी में पंजीबद्ध संवेदको / अनुभवी फर्मों से आमन्त्रित की जाकर निविदाएं दिनांक 12.02.2025 तक कार्यालय समय में इस कार्यालय में विक्रय की जाकर दिनॉक 13.02.2025 को अपरान्ह 03.00 बजे तक इस कार्यालय में प्राप्त एवं उपस्थित निविदाकारों के समक्ष दोपहर 03.30 बजे खोली जावेगी, प्रत्येक निविदा के साथ निर्धारित निविदा शुल्क (through e-GRAS Challan (website http://egras.raj.nic.in) in favour of DDO Code 4836-X.EN Project Div SARDARSHAHR Budget Head निविदा शुल्क प्राप्ती 007500-800-52-01) EMD (through e-GRAS Challan (website http://egras.raj.nic.in) in favour of DDO Code 4836-X.EN Project Div SARDARSHAHR Budget Head 8443-00-108-00-00 लोक निर्माण कार्य से संबंधित चालान कि प्रति निविदा के साथ संलग्न प्राप्त होने की स्थिति में ही निविदा विचारणीय होगी। डाक, तार एवं शर्तो सहित निविदाये मान्य नहीं होगी। किसी भी निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधोहस्ताक्षरकर्ता को पूर्ण अधिकार होगा। निविदा प्रपत्र प्राप्ति हेतु प्रस्तुत प्रार्थना पत्र (लेटरपेड) के संलग्न रजिस्ट्रेशन पत्र व नवीनतम जी.एस.टी. पेड चालान कॉपी का प्रमाण पत्र आवश्यक होगा, अन्यथा प्रार्थना पत्र अस्वीकार्य होगा। ये निविदाएं विभागीय वेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है। डाउनलोड किए गए निविदा प्रपत्रों के साथ उपरोक्त समस्त दस्तावेज संलग्न करनी होगी अन्यथा निविदाएं विचारणीय नहीं हो सकेगी। निविदा विकय / प्राप्ति / खोलने की तिथि को अवकाश की स्थिति में कार्यवाही आगामी कार्य दिवस में सम्पादित की जावेगी ।

निविदा सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत लाखो मे	निविदा शुल्क राशि	धरोहर राशि	कार्य की अवधि
43/2024-25	Supply of ISI marked MCCB under division Sardarshahar. UBN is: PHE2425GSOB09208 05.02.2025	01.50	500	3000	01 Day
44/2024-25	Supply of ISI marked Starter under division Sardarshahar. UBN is: PHE 2425 GSOB 09210 05.02.2025	01.50	500	3000	15 Day

प्रकृति का अनुपम उपहार
स्वच्छ जल का सबको उपहार
DIPR/C/1631/2025
(रामदेव पारीक)
अधिशाषी अभियन्ता (परियोजना)
जन स्वा.अभि. विभाग, खण्ड सरदारशहर

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता (परियोजना) जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड सरदारशहर
e-mail : eeproj.chu.phed@rajasthan.gov.in

कमांक- 2022 दिनांक- 29-01-2025

निविदा सूचना संख्या 32-34 / 2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यो की मोहर बंद निविदायें उचित श्रेणी में पंजीबद्ध संवेदको/ अनुभवी फर्मों से आमन्त्रित की जाकर निविदाएं दिनांक 12.02.2025 तक कार्यालय समय में इस कार्यालय में विक्रय की जाकर दिनॉक 13.02.2025 को अपरान्ह 03.00 बजे तक इस कार्यालय में प्राप्त एवं उपस्थित निविदाकारों के समक्ष दोपहर 03.30 बजे खोली जावेगी, प्रत्येक निविदा के साथ निर्धारित निविदा शुल्क (through e-GRAS Challan (website http://egras.raj.nic.in) in favour of DDO Code 4836-X.EN Project Div SARDARSHAHR Budget Head निविदा शुल्क प्राप्ती 007500-800-52-01) EMD (through e-GRAS Challan (website http://egras.raj.nic.in) in favour of DDO Code 4836-X.EN Project Div SARDARSHAHR Budget Head 8443-00-108-00-00 लोक निर्माण कार्य से संबंधित चालान कि प्रति निविदा के साथ संलग्न प्राप्त होने की स्थिति में ही निविदा विचारणीय होगी। डाक, तार एवं शर्तो सहित निविदाये मान्य नहीं होगी। किसी भी निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधोहस्ताक्षरकर्ता को पूर्ण अधिकार होगा । निविदा प्रपत्र प्राप्ति हेतु प्रस्तुत प्रार्थना पत्र (लेटरपेड) के संलग्न रजिस्ट्रेशन पत्र व नवीनतम जी.एस.टी. पेड चालान कॉपी का प्रमाण पत्र आवश्यक होगा, अन्यथा प्रार्थना पत्र अस्वीकार्य होगा। ये निविदाएं विभागीय वेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है। डाउनलोड किए गए निविदा प्रपत्रों के साथ उपरोक्त समस्त दस्तावेज संलग्न करनी होगी अन्यथा निविदाएं विचारणीय नहीं हो सकेगी। निविदा विक्रय / प्राप्ति / खोलने की तिथि को अवकाश की स्थिति में कार्यवाही आगामी कार्य दिवस में सम्पादित की जावेगी ।

निविदा सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत लाखो मे	निविदा शुल्क राशि	धरोहर राशि	कार्य की अवधि
32/2024-25	Supply of Submersible cable (6 Sq.mm) (For SSI Units / Authorized dealer only) UBN is: PHE2425WSOB08782 Date 29.01.2025	01.50	500	3000	15 Day
32/2024-25	Supply of CID Joints for HDPE / uPVC pipe for Division Sardarshahar. UBN is: PHE2425GSOB08785 Date 29.01.202	01.50	500	3000	15 Day
32/2024-25	Supply of Submersible cable (10 7Sq.mm) (For SSI Units / Authorized dealer only) UBN is: PHE2425WSOB08786 Date 29.01.2025	01.50	500	3000	15 Day

प्रकृति का अनुपम उपहार
स्वच्छ जल का सबको उपहार
DIPR/C/1350/2025
(रामदेव पारीक)
अधिशाषी अभियन्ता (परियोजना)
जन स्वा.अभि. विभाग, खण्ड सरदारशहर

आम सूचना

Finova capital pvt ltd शाखा चूरू द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती समीम w/o मोहम्मद रफीक मिरासी निवासी वार्ड नम्बर 25 बिसाऊ झुंझुनूं अपनी एक आवासीय जायदाद प्लाट नंबर 38 तादादी 1935 sq.Ft वाके वार्ड नम्बर 25 बिसाऊ झुंझुनूं को Finova capital pvt ltd शाखा चूरू में रहन रखकर वित्तीय सहायता प्राप्त करना चाहता है। उक्त संपत्ति मोहम्मद रफीक s/o जमाल खान मिरासी ने जरिये इकरारनामा दिनांक 06.12.2024 को फिरदौश w/o मोहम्मद सिकंदर लुहार से क्रय की थी। तत पश्चात मोहम्मद रफीक ने उक्त सम्पदा प्रार्थीनी को 21.01.2025 को गिफ्ट कर दी है।
अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पति संबंधित किसी बैंक वित्तीय संस्थान या किसी व्यक्ति विशेष को कोई उजर आपत्ति या उक्त संपत्ति के स्वामित्व संबंधित कोई वाद विवाद हो तो अगले 07 दिवस में Finova capital pvt ltd शाखा चूरू के ब्रांच मैनेजर अथवा ब्रांच अधिवक्ता भरत व्यास एडवोकेट को लिखित में सूचना दें बाद गुजरे मियाद दी गई आपत्ति अमान्य समझी जाएगी।

भवदीय भरत व्यास
एडवोकेट
78774 80007
78774 70007

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, रतननगर

क्रमांक : 1496 प्ररूप–10 दिनांक : 05.02.2025
[नियम–6(7) देखिये]
प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय रतननगर

लोक सूचना

श्री मेघाराम गोदारा पुत्र उमाराम जाति जाट निवासी चूरू व श्री मुकेश कुमार पुत्र हरफूल सिंह जाति जाट निवासी चूरू जिला चूरू ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर–कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात :–

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
चूरू	रतननगर	1184 / 764	17130 वर्गमीटर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90 क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर–भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियम समय के भीतर–भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामने का निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 05.02.2025 को जारी की गयी।
राज.संवाद / सी / 24 / 11360
अधिशाषी अधिकारी

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शनिवार
8 फरवरी, 2025

एक दिवसीय रोजगार मेला/जॉब फेयर का आयोजन 12 को

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के अन्तर्गत बेरोजगार आशार्थियों को प्राईवेट क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय झुंझुनूं की ओर से एक दिवसीय रोजगार मेला/जॉब फेयर का आयोजन 12 फरवरी को प्रातः 10.30 बजे से रोजगार कार्यालय झुंझुनूं परिसर में किया जाएगा। इस शिविर में भारत की प्रसिद्ध प्राईवेट (निजी) कम्पनियों व सेक्युरिटी क्षेत्र की कम्पनियों की ओर से रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जाएगे। विभाग के सहायक निदेशक दयानंद यादव ने बताया कि सैकण्डरी, सीनियर सैकण्डरी, स्नातक व आई0टी0आई0 ऊतीर्ण योग्यता वाले बेरोजगार आशार्थी अपने शैक्षणिक दस्तावेजों की फोटो प्रति, पासपोर्ट साईज की दो फोटों सहित निर्धारित तिथि को रोजगार कार्यालय झुंझुनूं में पधारकर इन्टरव्यू देकर रोजगार के अवसर का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

अमेरिका में भारतीयों के अपमान पर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। अमेरिका से भारतीय नागरिकों को अमानवीय तरीके से डिपोर्ट करने के विरोध में शुक्रवार को कांग्रेसियों ने झुंझुनूं में विरोध प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला जलाकर हिंदुस्तान नहीं सहेगा अपमान जैसे नारे लगाए। मोदी सरकार को जमकर घेरा। कार्यकर्ताओं ने भारतीय लोगों के लिए अमानवीय घटना बताई। जिलाध्यक्ष दिनेश सुण्डा ने कहा कि अमेरिका से भारतीय नागरिकों को अमानवीय तरीके से भारत भेजा गया है। उनके हाथों में हथकड़ी और पैरों में जंजीर थी। उन्हें इस तरह से भारत भेजा जैसे वह अपराधी हो। सेना के विमान से भेजा गया, जबकि सामान्य विमान से भेजा जाना चाहिए था। ये हिंदुस्तान के लिए बेहद ही शर्मनाक बात है। ये विश्व पटल पर भारत और भारतीयों का अपमान है। इस गंभीर मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पूरी ने एक शब्द नहीं बोला है। हमारे लोग लाने के लिए सरकार ने खुद के विमान क्यों नहीं भेजे। कांग्रेस इस अपमान को बर्दाश्त नहीं करेगी। इस दौरान अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भामाशाह सुल्तान सिंह दूत ने की आर्थिक सहायता

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। उपखंड के कल्याणपुरा गाँव के निवासी टैगोर कोचिंग संस्थान कुचामन सिटी के निदेशक व भामाशाह श सुल्तान सिंह दूत ने कोलीड़ा ग्राम के जरूरतमंद व आर्थिक रूप से कमजोर मनीष भार्गव की लड़की की शादी में आर्थिक सहायता देकर समाज में एक अच्छा सन्देश दिया है। गौरतलब है कि लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में भामाशाह दूत पहले भी कई बार गौसेवा, मंदिरों व जरूरतमन्द परिवारों की आर्थिक सहायता कर चुके हैं। उनका कहना है कि किसी भी जरूरतमंद को सहायता की आवश्यकता पड़ेगी तो वो हर समय तैयार रहेंगे। शादी में उनके प्रतिनिधि के तौर पर नरेंद्र सिंह बीदासर ने कन्या को सहायता प्रदान की।

हाईकोर्ट न्यायाधीश करेंगें आज शिक्षण कक्ष का लोकार्पण

जयपुर टाइम्स

कांवट(निस)। कस्बे में स्थित राउमावि कांवट में भामाशाह बाबूलाल मीणा की ओर से अपने माता-पिता इमरती देवी और मांगूराम मीणा की पुण्य स्मृति में 14 लाख की लागत से विद्यालय में नव निर्मित शिक्षण कक्ष व बरामदे का लोकार्पण शनिवार को न्यायाधीश गणेश राम मीणा राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर की ओर से लोकार्पण किया जाएगा। प्रधानाचार्य ओमप्रकाश जांगीड़ ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता भवानी सिंह मीणा मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी खंडेला, विशिष्ट अतिथि मीना सैनी प्रशासक ग्राम पंचायत कांवट, विशिष्ट अतिथि संजय कुमार जिला न्यायाधीश व रजिस्टार राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग जयपुर व मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति गणेश राम मीणा माननीय न्यायाधिपति राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर होंगे।

21 ई मित्रों का किया निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। सूचना व प्रोद्योगिकी व संचार विभाग के कार्मिकों की ओर से ई मित्रों का औचक निरीक्षण किया गया। प्रोग्रामर गौरीशंकर नाई के निर्देशन में सहायक प्रोग्रामर जितेन्द्र व गजेन्द्र सबलानिया ने जैतासर, जोगलिया व धातरी तथा हरलाल सहारण ने मालासी, खुड़ी, शोभासर और सूचना सहायक विवेक सोनी ने मुंदड़ा, बाघसरा आथुणा व कानूता के ई मित्रों का औचक निरीक्षण किया। तीनों टीमों ने कुल 21 ई मित्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एक ई मित्र अपनी लोकेशन से अन्यत्र कार्य करता हुआ पाया गया। जिसे नियत स्थान पर ई मित्र संचालित करने के निर्देश दिए गए। तीन ई मित्रों पर राज्य सरकार की ओर से जारी रेट लिस्ट चस्पा नहीं पाई गई। जिस पर उन पर एप के माध्यम से पेनल्टी लगाई गई।

ग्रामीण रूट पर फिर से होगा मिनी बसों का संचालन

रोडवेज से अनुबंधित होंगी 10 बसें, 200 गांव के लोगों को होगा फायदा

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। रोडवेज प्रशासन झुंझुनूं में फिर से ग्रामीण रूट पर मिनी बसें चलाएगा। करीब 10 ग्रामीण रूट पर बसें चलेगी। इससे जिले के लगभग 200 गांव के लोगों को फायदा होगा। सारी बसें रोडवेज से अनुबंधित रहेगी। इन बसों में ड्राइवर और कंडक्टर प्राइवेट होंगे। प्रत्येक मिनी बस पर ग्रामीण सेवा व उसका लोगो जाएगा। रोडवेज बसों की तरह इन बसों की भी नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाएगी। ये बसें डिपो आएगी। इन्हें डीजल निगम की ओर से दिया जाएगा। इन बसों में सवारी से डेढ़ रुपया प्रति किलोमीटर की दर से किराया वसूला जाएगा। महिलाओं को किराए में छूट भी मिलेगी। 22 सीटर बस होगी।

झुंझुनूं और खेतड़ी डिपो को 10 बसें मिलेंगी

झुंझुनूं डिपो के चीफ मैनेजर गणेश शर्मा ने बताया कि जिन ग्रामीण क्षेत्र में रोडवेज बसें

नही चल रही हैं, वहा मिनी बसों का संचालन किया जाएगा। झुंझुनूं जिले को 10 बसें मिलेंगी जिसमें 5 झुंझुनूं और 5 ही खेतड़ी डिपो को मिलेगी। संचालन के लिए प्रस्ताव बनाकर भेज दिया है। लगभग दो सौ गांव जुडेंगे। जल्द ही बसों का संचालन शुरू हो जाएगा।

इन रूटों पर होगा संचालन

झुंझुनूं से मण्डावा
यह बस जयसिंहपुरा होकर ढ़िगाल, चन्द्रपुरा, जवाहरपुरा, लाडसर, जितास, हनुमानपुरा और तेतरा से होते हुए मण्डावा पहुंचेगी।

झुंझुनूं से चिड़ावा
यह बस समसपुर, प्रतापुपरा, जयपहाड़ी, माखर, इस्लामपुर, भामरवासी, बारी, अरडावता होते हुए चिड़ावा पहुंचेगी।

झुंझुनूं से मलसीसर
यह बस हमीरी से होते हुए सोनासर, बाजला, डाबडी धीरसिंह, कंकड़ेऊ कला से मलसीसर जाएगी।

झुंझुनूं से पिलानी
यह सोती, बुडाना से कासिमपुरा होते हुए लांबा, नालवा, मण्ड्रेला, बजावा, ठिमाऊ, झेरली से पिलानी पहुंचेगी।

झुंझुनूं से गोठड़ा
यह देरवाला, बीबासर, जेजूसर, डूमरा, कैरू, नवलड़ी, नवलगढ, बिरोल से गोठडा पहुंचेगी।

खेतड़ी में ये रहेगा रूट

खेतड़ी- अजीतगढ़
यह बस गोडावास, कुरबड़ा, भुदोली, झिराना होते हुए प्रीतमपुरी जाएगी।

खेतड़ी- उदयपुरवाटी
यह बस पपुरना, बबाई, सेफरागुवार, हरडिया, बागोली, जोधपुरा, जहाज होते हुए छापोली पहुंचेगी।

खेतड़ी- गुढ़ा वाया नीमकाथाना
यह बस? नयाबास, सराय, पोंख, गुडा, चंवरा जाएगी।

खेतड़ी-पाटन
यह बस निजामपुर मोड, फतेहपुरा रामपुरा, मेहाड़ा, किशोरपुरा, डाबला जाएगी।

खेतड़ी- सूरजगढ़
यह बस कॉपर, मानोता, रोजड़ा, पचेरी, भिर्र, बड़बर, चौराड़ी, काकोड़ा जाएगी।

अंतराष्ट्रीय सहकारिता 2025

वर्षभर सहकारिता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रर्मा का होगा आयोजन

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। जिले में अंतराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के आयोजन की रुपरेखा के संबंध में शुक्रवार को अतिरिक्त रजिस्ट्रार (जोनल रजिस्ट्रार) जयपुर की ओर से चर्चा की गई। जिसके तहत भारत सरकार परवर्तित सहकार से समृद्धि के अंतर्गत सहकारिता से सम्बन्धित चर्चाएँ, और कार्यशालाएँ आयोजित होंगी जो सहकारी समितियों के सामने आने वाली चुनौतियों और अवसरों को संबोधित करेंगी। विशेष रूप से गरीबी उन्मूलन, लैंगिक समानता और सतत आर्थिक विकास जैसे क्षेत्रों में। सहकारिता विभाग की संयुक्त रजिस्ट्रार विभा खेतान ने बताया कि आमजन में अन्तराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के सम्बन्ध में जागरुकता लाने के लिए प्रभात फेरी, रथ यात्रा, प्रदर्शनी, पौधारोपण आदि कार्यक्रमों के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। सहकारिता के मूल मंत्र एक सब के लिए, सब एक के लिए के अनुरूप इस सहकारिता वर्ष में महिलाओं, युवाओं व विद्यार्थियों की पर्याप्त भागीदारी अपेक्षित है। सहकारिता को आमजन तक पहुंचाना और इसके उद्देश्यों के अनुरूप प्रत्येक नागरिक को सहकारिता से जोड़कर लाभान्वित करना इस आयोजन का मूल लक्ष्य है। अंतराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के दौरान वर्षभर विभिन्न महत्वपूर्ण अवसरों पर सहकारिता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर इन मुद्दों पर आमजन में जागरुकता फैलाने का लक्ष्य है। सहकारिता विभाग की विभिन्न योजनाओं का प्रचार प्रसार, महिलाओं को सहकारिता से जोड़ते हुए नवीन महिला बहु?द्देशीय प्राथमिक सहकारी समितियों और महिला दुग्ध समितियों का गठन करना, नवीन बहुद्देशीय प्राथमिक सहकारी समितियों का गठन, बहुद्देशीय प्राथमिक सहकारी, समितियों में नए सदस्य जोड़ना। म्हारो खातो, म्हारो बैंक कार्यक्रम के तहत नए खाते खोलना, नवीन दुग्ध समितियां खोलने के लिए प्रोत्साहित करना, बहु?द्देशीय प्राथमिक सहकारी समितियों को राष्ट्रीय स्तर पर बीज, जैविक खेती और एक्सपोर्ट सहकारी समितियों से जोड़ते हुए सदस्य किसानों को लाभान्वित करना, बहु?द्देशीय प्राथमिक सहकारी समितियों को केंद्र सरकार के 54 महत्वपूर्ण पहलुओं से जोड़ते हुए लाभान्वित करना आदि शामिल हैं। बैठक में जिले के सभी सहकारितां विभाग के अधिकारी विभा खेतान (संयुक्त रजिस्ट्रार), उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितिया, संजीव कुमार (संयुक्त रजिस्ट्रार), सचिव, प्राथमिक भूमि विकास बैंक झुंझुनू, संदीप शर्मा, प्रबंध निदेशक, केंद्रीय सहकारी बैंक, झुंझुनू, योगी प्रसाद, विशेष लेखा परीक्षक सहकारी समितिया झुंझुनू, मोनिका, महाप्रबंधक जिला सहकारी उपभोक्ता होलसेल भंडार, सुमन अधिशासी अधिकारी केन्द्रीय सहकारी बैंक ली. झुंझुनू, रामरतन महाप्रबंधक, क्रय विक्रय सहकारी समिति झुंझुनू, अशोक कुमार पूनिया, सहायक रजिस्ट्रार व सभी निरीक्षक उपस्थित रहे।

आयुष्मान पॉलिसी ढाई महीने पहले रिन्यू करानी होगी

90 दिन पहले 850 रुपए का प्रीमियम चुकाने पर ही मिलेगा लाभ

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। आयुष्मान पॉलिसी को लेकर नई गाइड लाइन जारी की गई है। प्रदेश में चल रही मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना को लेकर राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी ने अजीब फरमान जारी किया है। इसमें आयुष्मान योजना में शामिल बीमित परिवारों को तय अवधि (पॉलिसी खत्म होने) से ढाई महीने पहले पॉलिसी रिन्यू कराने को कहा गया है। ऐसा नहीं करने पर पॉलिसी खत्म होने के तीन महीने बाद ही योजना में फिर से सुविधा मिल सकेगी। स्टेट हेल्थ एश्योरेंस के एसीईओ केसरलाल मीणा की और से जारी आदेशों में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में 30 अप्रैल तक बीमित परिवारों को 15 फरवरी से पहले पॉलिसी का नवीनीकरण कराने को कहा गया है। ऐसा कराने पर ही उनको 1 मई से योजना का लाभ मिलेगा। इसके बाद रिन्यू कराने वालों को पॉलिसी खत्म होने के 90 दिन बाद यानी एक अगस्त से इलाज की सुविधा मिलेगी।

नए चरण के लिए बन चुका है नियम

स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी ने 28 जनवरी को एक निर्देश जारी किया था। जिसमें मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के 2025-27 के नए चरण के लिए 90 दिन पहले भुगतान करना अनिवार्य कर दिया था। इसमें प्रीमियम का भुगतान होने के 91वें दिन से योजना का लाभ शुरू होने की बात कही गई थी। जिसके आधार पर अब एजेंसी ने 30 अप्रैल तक योजना में शामिल बीमित परिवारों को 71 दिन पहले 850 रुपए का प्रीमियम चुकाने को कहा है। ऐसा नहीं करने पर 90 दिन की देरी होने की बात कही है।

जया एकादशी आजः होंगे अनेक आयोजन

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। माघ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी शनिवार को है, इसका नाम अजा, जया और भीष्म एकादशी है। ये व्रत भगवान विष्णु की कृपा पाने के लिए किया जाता है। माना जाता है कि एकादशी व्रत से जाने-अनजाने में किए गए पाप कर्मों का फल कम होता है। एक एकादशी व्रत से यज्ञ करने से जितना पुण्य मिलता है, उतना पुण्य मिलता है। ज्योतिषाचार्य पं. रैणू जोशी के मुताबिक, एकादशी पर भगवान विष्णु और महालक्ष्मी का विशेष अभिषेक और तुलसी की पूजा करनी चाहिए।

जया एकादशी व्रत और विष्णु पूजा की विधि

जो लोग एकादशी व्रत करते हैं, वे एक दिन पहले यानी दशमी की शाम से व्रत के नियमों का पालन करते हैं। दशमी तिथि की शाम सात्विक खाना खाएं और ब्रह्मचर्य का पालन करें। शाम को भगवान विष्णु की पूजा करें। एकादशी व्रत करने वाले व्यक्ति को अधार्मिक कामों से बचना चाहिए, वर्ना एकादशी व्रत का पूरा पुण्य नहीं मिलता है। एकादशी की सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद सूर्य को जल चढ़ाएं। घर के मंदिर में भगवान गणेश की पूजा करें। पूजा में भगवान विष्णु की पूजा करने का और एकादशी व्रत करने का संकल्प लें। भगवान विष्णु और महालक्ष्मी की मूर्ति स्थापित करें। जल, दूध, पंचामृत से भगवान का अभिषेक करें। अभिषेक दक्षिणावर्ती शंख से करेंगे तो बहुत शुभ रहेगा। अभिषेक के बाद लक्ष्मी-विष्णु का हार-फूल और नए वस्त्रों से श्रृंगार करें। धूप-दीप जलाएं। तुलसी के साथ मिठाई का भोग लगाएं। मौसमी फल अर्पित करें। विष्णु सहस्रनाम, भगवद गीता या विष्णु

चालीसा का पाठ करें। पूजा में ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करना चाहिए। पूजा के बाद पूरे दिन निराहार रहना चाहिए, भूखे रहना मुश्किल हो तो फलाहार कर सकते हैं। फलों का रस और दूध पी सकते हैं। एकादशी की शाम को भी विष्णु-लक्ष्मी और तुलसी की पूजा करें, तुलसी के पास दीपक जलाएं। अगले दिन यानी द्वादशी तिथि पर सुबह जल्दी उठें। भगवान विष्णु की पूजा करें। जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं और दान-दक्षिणा दें। इसके बाद स्वयं भोजन ग्रहण करें। इस तरह एकादशी व्रत पूरा होता है।

व्रत करने से पाचन तंत्र को मिलता है आराम

जब हम व्रत करते हैं, तो अन्न नहीं खाते हैं और अन्न नहीं खाते हैं तो हमारे पाचन तंत्र को खाना पचाने के काम से ब्रेक मिलता है। व्रत से गैस, एसिडिटी और अपच जैसी समस्याएं कम होती हैं। जब हम हल्का और संतुलित आहार लेते हैं, तो ये चीजें हमारा पाचन तंत्र आसानी से पचा लेता है। व्रत के दौरान पर्याप्त पानी पीते रहना चाहिए और शरीर को पर्याप्त ऊर्जा मिलती रहे, इसके लिए फलों का सेवन करना चाहिए।

प्रधानमंत्री सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने पर कांता सैनी का किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

कांवट(निस)। रेलवे स्टेशन कांवट जुगलपुरा निवासी छात्रा कांता सैनी पुत्री कैलाश कुमार सैनी की ओर से प्रधानमंत्री सांस्कृतिक कार्यक्रम रैली 2025 दिल्ली में भाग लेने पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जुगलपुरा में श्रवण कुमार यादव कार्यवाहक प्रधानाचार्य की अध्यक्षता में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय स्टाफ व बड़ी संख्या में लोगों ने उपस्थित होकर कांता सैनी का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया और हरिप्रसाद कुमावत जिला मंत्री क्रीड़ा भारती सीकर की ओर से प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर प्रतिभागी के पिता कैलाश कुमार सैनी व माता कौशल्या देवी का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि साधारण परिवार की होनहार बेटी ने प्रधानमंत्री सांस्कृतिक कार्यक्रम रैली 2025 दिल्ली में भाग लेकर छात्रा ने राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया और माता-पिता व गांव का नाम रोशन किया। लोगों ने बताया कि मंजिल निरंतर मेहनत जोश जुनून से प्राप्त होती है जो जूनून कांता सैनी कर दिखाया। लोगों ने कांता सैनी के उज्जवल भविष्य की कामना की। श्रवण कुमार यादव प्रधानाचार्य ने बताया कि विद्यालय महाविद्यालय में चलने वाली

प्रत्येक गतिविधि जिसमें रुचि हो एनसीसी, स्काउट, खेल आदि में भाग लेना चाहिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करना चाहिए। कांता सैनी एनसीसी कैडेट सार्जेंट ने बताया कि कड़ी मेहनत के बाद निरंतर मेहनत करने पर राजस्थान से मेरा चयन प्रधानमंत्री सांस्कृतिक कार्यक्रम रैली 2025 के लिए हुआ, यह है मेरे जीवन का सबसे सुखद अवसर था। जिसका श्रेय अपने गुरुजननो सुरेंद्र कुमार तेतरवाल कोच, सरोज सोलेत कोच एवं माता-पिता को दिया। आगे में इससे भी अच्छा प्रदर्शन करूंगी। समारोह में मूल सिंह तंवर, शक्ति सिंह तंवर, सुभाष कुमावत, सुरेश कुमार अग्रवाल, कानाराम सैनी पूर्व उपसरपंच, रामलाल सैनी, सुरेंद्र कुमार तेतरवाल कोच, सरोज सोलेत कोच, जेपी सैनी घसीपुरा, सुरेश कुमार सैनी, रामनारायण सैनी, भंवर सिंह, शकुंतला रानी, ग्यारसी देवी पूर्व पार्षद खंडेला, पंकज शर्मा आदि नागरिक उपस्थिथ रहे।

स्कूली बच्चों को दी जल संरक्षण की जानकारी

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर में नई पेयजल वितरण प्रणाली का कार्य कर रही राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना के सामुदायिक जागरूकता व जन सहभागिता कार्यक्रम के तहत राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना के अधिशाषी अभियंता मनोज कुमार मित्तल व सहायक अभियंता दिनेश कुमार के निर्देशानुसार शहर के नमन बाल विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम में बालक बालिकाओं को सरकार की ओर से चलाई जा रही लाभकारी विकास परियोजना के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक विकास अधिकारी विकास शर्मा ने बताया कि जल है तो

कल है इसके बावजूद भी जल बेवजह बर्बाद किया जाता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जल संकट का समाधान जल के संरक्षण से ही है। हम हमेशा से सुनते आए हैं कि जल ही जीवन है, जल के बिना सुनहरे कल की कल्पना नहीं की जा सकती, जीवन के सभी कार्यों का निष्पादन करने के लिए जल की आवश्यकता होती है। जल हमें प्रकृति की ओर से दिया गया है तो हमें इसका सम्मान करना चाहिए न कि इसका व्यर्थ में बर्बाद करना चाहिए। मनुष्य, जानवरों, पेड़ पौधे सभी के जीवन में जल का उपयोग होता है। जल के बिना जीवन असंभव है। पानी के संरक्षण पर बच्चों की भूमिका व नई जल प्रदाय योजना से होने वाले लाभों के बारे में जानकारी देते हुये कहा कि नई जल प्रदाय योजना से पानी पर्याप्त व पूर्ण प्रेशर के साथ व मीटर युक्त मिलेगा। जनसंख्या वृद्धि, शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण प्रति व्यक्ति के लिए उपलब्ध पेयजल की मात्रा लगातार कम हो रही है। जहां एक ओर पानी की मांग लगातार बढ़ रही है। वहीं दूसरी ओर प्रदूषण और मिलावट के कारण उपयोग किए जाने वाले जल संसाधनों की गुणवत्ता तेजी से घट रही है। अगर आज हमने जल का संरक्षण नहीं किया तो आने वाली भावी पीढ़ियां स्वच्छ पानी के लिए तरस जाएगी। साथ ही बताया कि फर्श को पाइप से धोने की बजाय पोछे से साफ करे, सेविंग करते वक्त नल को खुला ना छोड़े मग में पानी लेकर सेव करे। इस प्रकार की छोटी छोटी आदतों से बहुत सारा पीने वाला पानी बचाया जा सकता है जो आज की बचत और कल का भविष्य है। पानी को हम बना नहीं सकते तो बचा तो सकते है। विद्यालय के प्रिंसीपल विकास कुमार माली ने जल के महत्व पर प्रकाश डाला व आरयूआईडीपी की ओर से इस तरह की पहल की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों को इस तरह जल के प्रति जागरूक करने से छोटी उम्र से ही बच्चों में का जल संरक्षण की भावना आएगी। सोशल आउटरीच टीम से पवन सिंह तथा विद्यालय परिवार से संदीप प्रजापत, मनोज, योगेश, राकेश, ऊष्मा, किरण, पूजा, लक्ष्मी प्रजापत ने कार्यक्रम में भाग लिया।

भाजपा मंडल अध्यक्ष ने किया कार्यकर्ताओ से संवाद

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। भारतीय जनता पार्टी गोरीसर मंडल अध्यक्ष सुशील इंदौरिया ने मंडल कार्यकर्ता संपर्क अभियान के तहत ग्राम जालेऊ में कार्यकर्ताओं से संवाद किया। इस अवसर पर ग्रामीणों की ओर से सुशील इंदौरिया और स्वरूप सिंह राठौड़ का भाजपा का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। इस अवसर पर इंदौरिया ने जालेउ में कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय पार्टी बूथ स्तर पर पन्ना प्रमुखों अध्यक्षों व अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ताओ की बात को भी गंभीरता से सुनती है। भाजपा संगठन आधारित पार्टी है, आज महिला कार्यकर्ताओ को भी समुचित प्रतिनिधित्व मिल सके, इस और भी पार्टी मजबूती से काम कर रही है। इस अवसर पर भाजपा मंडल जिला प्रतिनिधि स्वरूप सिंह राठौड़ ने केंद्र सरकार की ओर से किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट तीन लाख से बढ़ाकर पाँच लाख करने के फैसले को किसानों के लिए अमृत के समान बताया। इस अवसर पर नरपत सिंह राजपुरोहित, कर्णपाल सिंह, भवानी सिंह फोजी, गंगासिंह, हरिराम माली, सत्यपाल स्योरान, रज़्ज़ाक़ खान, शुभकंवर, उदय सिंह, अजीत सिंह, मुकेश, राकेश मेघवाल, रितु कंवर, विकेस सिंह, कमलेश, रामलाल सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मृत पशुओं की देह से खिलवाड़, नोच रहे जानवर, जिम्मेदार है अनजान

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। राजलदेसर में मृत पशुओं की देह को खुल्ले आम डालकर राज्य सरकार के निर्देशानुसार की धज्जियां उड़ाई जा रही है। साथ ही खुले में मृत पशुओं की देह को डालने से कस्बे में बीमारिया फैलने की आशका को भी नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। मानवीय दृष्टिकोण से भी मृत पशुओं के देह को खुले आसमान के नीचे बिखेरना सवालिया निशान है। जबकि राज्य सरकार के निर्देशानुसार जेसीबी से खद्ढ़ा खोद कर ज़मीनी दाग़ देने का प्रावधान हैं? परन्तु पालिका प्रशासन की घोर लापरवाही के चलते ऐसा नहीं करने से मांसाहारी जानवरों/मांसाहारी जीव जन्तुओ और मांसाहारी पक्षियों की ओर से मृत पशुओं के देह को नोच नोच कर इधर उधर बिखेरने से अव्यवस्था व बीमारियाँ उत्पन्न होती है और बदबू का आलम दूर दूर तक आमजन को परेशान करता हैं।जिला कलेक्टर मृत पशु की देह के साथ न्याय करते हुए पालिका प्रशासन को जमीनी दाह करवाने के लिए सख्त निर्देशित करे।

बच्चों में संसदीय परंपराओं का ज्ञान है जरूरी: सहारण

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। विधायक हरलाल सहारण ने चूरू से गए 110 दिव्यांग बच्चों व स्टाफ के सदस्यों को राजस्थान विधानसभा का भ्रमण करवाया व राजस्थान विधानसभा की कार्रवाई दिखाई। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने उपस्थित सभी दिव्यांग विद्यार्थियों का विधानसभा में स्वागत करते हुए कहा कि बच्चें हमारे देश का भविष्य है और उनके अंदर शिक्षा के साथ-साथ अन्य गतिविधियां उनके सर्वांगीण विकास के लिए अति आवश्यक होती है। उन्होंने कहा कि हमारा लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है हमारे देश के लोग लोकतंत्र के प्रति सकारात्मक भाव रखते हैं बच्चों में लोकतंत्र की जानकारी के लिए उन्हें बचपन से ही इस प्रकार की संसदीय परंपराओं से जानकारी करवाई जाए तो उनमें लोकतंत्र के प्रति जानकारी और बढ़ेगी उन्होंने शिक्षा विभाग की ओर से इस प्रकार की गतिविधियों के लिए अधिकारियों का धन्यवाद देते हुए कहा कि आपके इन प्रयासों से इन बच्चों का सर्वांगीण विकास होगा, वही हमारी संसदीय परंपराओं की जानकारी इनको होगी क्योंकि यह देश के भावी नागरिक है और इनसे ही हमारा लोकतंत्र मजबूत व स्वस्थ बनेगा। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विधानसभा की कार्यवाही देखी। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने बच्चों की अनेक जिज्ञासाओं का समाधान किया।

गौरतलब है कि दिव्यांग बच्चे एक्सपोजर राजस्थान के तहत दो दिवसीय जयपुर यात्रा के लिए गए थे।

पीसीबी स्कूल में होगा कैरियर मेले का आयोजन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय राजकीय पीसीबी उ.मा. विद्यालय में आगामी दस फरवरी को कैरियर मेले का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य रणवीर सिंह महरिया ने बताया कि कैरियर मेले में आयोजित वार्ताओं में चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनील मीणा, कानून व्यवस्था पर डीएसपी दरजाराम बोस, आईटीआई कोर्स के संबंध में सांवरमल प्रजापत, वृक्षारोपण पर एईएन राजेन्द्र प्रसाद प्रजापत, विधि संहिंता पर एड. निरंजन सोनी, आरएएस, आईएएस एवं प्रशासनिक के बारे में डॉ. ऋचा चौधरी, डिजिटल व ऑनलाईन के संबंध में राकेश कुमार रांकावत, साहित्य व कला के संबंध में डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा अपने विचार रखेंगे।

भारतीय नागरिकों का अपमान करने के विरोध में फूंका पुतला

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी व राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार चूरू जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से जिलाध्यक्ष इन्द्राज खीचड़ के नेतृत्व में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट के सामने अमेरिका से भारतीय नागरिकों को अमानवीय तरीके से भारत भेजने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पूतला फूंककर भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर विरोध-प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने देश का अपमान नहीं सहेंगे और मोदी सरकार हाय-हाय के जमकर नारे लगाये। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष इन्द्राज खिचड ने कहा कि अमेरिका से भारतीय नागरिकों को जिस अमानवीय तरीकें से भारत भेजा गया है। उनके हाथों में हथकड़ी और पैरों में जंजीर थी, ये बेहद ही शर्मनाक घटना है। ये विश्व पटल पर भारत और भारतीयों का अपमान है। उन्होंने कहा कि अभी तो 104 लोगों को निकाला गया है, जबकि अमेरिका में साढ़े सात लाख भारतीय रहते हैं। इनमें बडी संख्या में छात्र है। क्या उनके साथ भी ऐसा ही व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से भारतीयों को वापस लाया गया, वह सरकार की कमजोरी का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से भारतीयों को अपराधियों की तरह हथकडी लगाकर वापस लाया गया। हम देश का अपमान कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी के लिए देश की प्रतिष्ठा से ज्यादा उनकी व्यक्तिगत छवि महत्वपूर्ण है। इस दौरान चूरू शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू, प्रदेश सचिव रामजीलाल शर्मा, गोविन्द महनसरिया, आदूराम न्यौल, मोहम्मद हुसैन निर्वाण, नारायण बालाण, जमील चौहान, सीताराम खटीक, अबरार खां, लालचंद सैनी, अजीज दिलावरखानी, बालीबाई, विनोद खटीक, सदीक लीलगर, हरफूल भाम्भू, युसुफ लुहार, घनष्याम अलवरिया, भूराराम भाटिया, मोहन टेलर, जयचंद मेघवाल, आबिद मोयल, बजरंग बजाड, आबिद जाबासरिया, आमीन खां, नवाब खां, डूंगरसिंह राठौड, विकास बुडानिया, प्रमेन्द्र सिहाग, युनूस खां, सोयल डीके, इस्माईल भाटी, विनोद सैनी, शिव कुमार शर्मा, अजीज गौरी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ओवरब्रिज निर्माण व नगर परिषद पुनर्गठन की मांग, कलक्टर को ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। अग्रसेन नगर कलेक्ट्रेट पर बन रहे ओवर ब्रिज निर्माण व एवं नगर परिषद वार्ड पुनर्सीमांकन में हो रही गड़बड़ियों के संबंध में आम जनता का पक्ष रखते हुए गया ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कांग्रेस सेवादल प्रदेश सचिव शमशेर भालू खां, कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष नारायण बालान व सातड़ा नगरपरिषद क्षेत्र से प्रत्याशी सुखदेव सिंह न्योल व नरपत रोलन शामिल रहे। नारायण बालान ने बताया कि चूरू नगर परिषद क्षेत्र के 60 वार्डों को शहरी विकास विभाग के दिशा निर्देश के बिंदु संख्या 02, 07 व 09 की अवहेलना की है। राज्य सरकार के स्पष्ट निर्देश अनुसार किसी वार्ड में 10% से अधिक कमी या वृद्धि नहीं की जा सकती, परन्तु नवीन प्रस्तावानुसार यह 30 से 50% किया गया है। औसत वार्डवार जनसंख्या 2026 आती है जिस पर किसी वार्ड को 1100 और किसी को 2700 कर दिया गया है। यदि नगर परिषद ने सही सीमांकन नहीं किया तो आंदोलन के साथ -साथ न्यायालय की शरण भी ली जाएगी। शमशेर भालू खां ने बताया कि एक अखबार में छपी के अनुसार अग्रसेन पुलिया आधी दूरी में टू -लेन किया किया जा रहा है। इसकी डीपीआर फॉर लेन बनी थी। इस संदर्भ में सांसद राहुल कसवां ने भी सार्वजनिक निर्माण विभाग को अवगत करवा कर पुनः सही ड्राफ्ट बनाने के निर्देश दिए थे परन्तु अधिकारियों ने नेताओं के दबाव में इस पर ध्यान नहीं दिया। यदि सार्वजनिक निर्माण विभाग 22 फरवरी तक सही ड्राफ्ट के साथ फोर लेन कार्य शुरू नहीं करते है तो जन आंदोलन व धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

स्लीपर बस और कंटेनर की भिड़ंत में एक की मौत, 22 घायल

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। थाना क्षेत्र में गुरुवार रात करीब दो बजे जयपुर से श्रीगंगानगर जा रही स्लीपर बस और कंटनेर में आमने सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। हादसे में 22 से अधिक लोग घायल हो गए और एक की मौत हो गई। घायलों में 7 लोगों की हालत गंभीर होने पर उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है। हादसा टिडीयासर टोल प्लाजा से करीब एक किलोमीटर पहले हुआ। हादसे की सूचना मिलने पर रतनगढ़ थाने से एएआई सुरेश कुमार और रामनिवास मौके पर पहुंचे। वहीं घायलों को सामाजिक कार्यकर्ता रामवीर सिंह राइका, संदीप सिंह भोजासर और जुगराज सामारिया ने 108 एंबुलेंस और निजी वाहनों से रतनगढ़ के जालान अस्पताल पहुंचाया। हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। हादसे में 7 लोग गंभीर घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए जयपुर ले जाया गया। घायलों को जयपुर लेकर जाते समय सीकर के पास इंदड़ा रूणिया सरसा निवासी भीमसेन (35) की मौत हो गई। जिसका शव सीकर के एसके अस्पताल की मॉर्चुरी में रखवाया गया है। हादसे की सूचना पर रतनगढ़ डीएसपी अनिल वर्मा भी मौके पर और अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने घटना की जानकारी ली।रतनगढ़ थाने के एएसआई सुरेश कुमार ने बताया कि देर रात स्लीपर बस जयपुर से श्रीगंगानगर आ रही थी। टिडियासर टोल नाका से करीब एक किलोमीटर पहले सामने से आ रहे कंटेनर और बस में भिड़ंत हो गई। हादसे में सुरवाला हनुमानगढ़ निवासी पूनम (21), मुकेश (25), निठार भरतपुर निवासी सुरेश (45), हिंडोन करौली निवासी शेखर (19), कोहला हनुमानगढ़ निवासी देवेन्द्र (32), रूपनगर हनुमानगढ़ निवासी जफर हुसैन, मिर्जावाली मेहर हनुमानगढ़ निवासी रीता (30), रावतसर निवासी नन्दकिशोर (50), विनोद (47), मिर्जावाला श्रीगंगानगर निवासी नीतेश नाई (25), वर्षा (08), अनुसूईया (28), विजयवाला गंगानगर निवासी कृष्णलाल (52), डबली खुर्द निवासी भागीराम (42), हनुमानगढ़ जंक्शन निवासी केतन पंवार (20), पदमपुर निवासी नितीन कुमार (35), मिर्जावाली मेहर निवासी अमित कुमार (30), डबली कला निवासी दीक्षित (19), शिवभगवान (35), गोपाल (45), चूरू निवासी रविन्द्र सिंह और कोटा निवासी भगताराम घायल हो गए। इन घायलों में से सात घायलों की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक इलाज के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया। घायलों में इंदड़ा रूणिया सरसा निवासी भीमसेन (35) की मौत हो गई। हादसे के बाद घायल कंटेनर और स्लीपर बस ड्राइवर गाड़ियों में फंस गए। दोनों घायल ड्राइवरों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया।

तेजाजी महाराज मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह आज

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के बीकानेर रोड पर कल्याणपुरा फांटा के पास स्थित नवनिर्मित वीर तेजाजी महाराज के मंदिर में तेजाजी महाराज की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा का समारोह का भव्य आयोजन शनिवार को किया जाएगा। मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह में बड़ी संख्या में भक्तों के पहुंचने पर मंदिर कमेटी की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मंदिर कमेटी के सांवरमल जाखड़ व राकेश चौधरी ने बताया कि तेजाजी महाराज के मंदिर में तेजाजी महाराज की मूर्ति स्थापना समारोह का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मुख्य अतिथि नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल, चूरू सांसद राहुल कस्वां, तारानगर विधायक नरेंद्र बुडानिया, चूरू विधायक हरलाल सारण, सरदारशहर विधायक अनिल भंवर लाल शर्मा सहित जिले भर से अनेक नेताओं के आगमन पर समारोह संपन्न होगा। तेजाजी महाराज की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर पिछले एक सप्ताह से कार्यकर्ताओं की ओर से गांव-गांव ढाणी ढाणी व शहर में निमंत्रण दिया जा रहा है। वहीं मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह के सफल आयोजन को लेकर भव्य तैयारियां की जा रही है। शुक्रवार को कार्यकर्ताओं की ओर से तैयारियों का जायजा लेकर एक बैठक कर अलग-अलग कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां दी गई। इस अवसर पर तेजाजी महाराज मंदिर कमेटी के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वहीं तेजाजी महाराज के मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर मंदिर परिसर को लाइट की रोशनी व फूलों से सजाया गया है। वहीं बड़ा पंडाल लगाकर आने वाले भक्तों के लिए व्यवस्थाएं की गई है।

आशीष शर्मा व पंकज कुमार का किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। भगवानदास तोदी महाविद्यालय के बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्रों रोवर आशीष शर्मा व पंकज कुमार को तमिलनाडु में आयोजित डायमंड जुबली जंबूरी शिविर पूर्ण कर आने पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ एन एस नाथावत व रोवर लीडर डॉ जितेन्द्र कांटिया ने सम्मानित किया। प्राचार्य डॉ. एन एस नाथावत व रोवर लीडर डॉ. जितेन्द्र कांटिया ने बताया कि आशीष शर्मा व पंकज कुमार भारत स्काउट व गाइड की तरफ से तमिलनाडु के तिरूचिरापल्ली में 20 जनवरी से 4 फ़रवरी तक आयोजित हुई डायमंड जुबली जम्बूरी में भाग लेने गए थे। आशीष शर्मा को डायमंड जुबली जंबूरी में बेस्ट सर्विस मैन, और बेस्ट परफॉर्मेंस और बेस्ट रोवर का अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया। इससे पहले आशीष शर्मा व पंकज कुमार ने दातारामगढ़ कैंप से राज्य पुरस्कार प्राप्त किया था। फिर आशीष कुमार शर्मा ने दार्जिलिंग में प्रथम राष्ट्रीय कैंप किया। जहां इसे स्कार्फ और वोगल देकर सम्मानित किया गया था। अभी कुछ दिन पहले आशीष शर्मा व पंकज कुमार दोनों रोवर्स का चयन जैसलमेर में आयोजित हुए प्रथम एडवेंचर कैंप में हुआ था। जहां ये 5 दिवसीय राज्य स्तरीय एडवेंचर कैंप करके आए। यहां भी आशीष शर्मा को स्कार्फ और वोगल देकर सम्मानित किया गया। पंकज कुमार को हाल ही में सर्विस रोवर के रूप में राज्य मुख्यालय जयपुर में बुलाया गया था। अभी पूरे जिले से इन दोनों रोवर्स आशीष शर्मा व पंकज कुमार का राजस्थान के 10 छात्रों में से चयन होना महाविद्यालय और सीकर जिले लिए बड़े हर्ष की बात है।महाविद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यों ने भी दोनों रोवर्स को इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी।

गुरु दिखाते हैं ज्ञान व सत्य की राह: स्वामी ओमदास महाराज

दो दिवसीय धार्मिक आयोजन का समापन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय दुलिया बास स्थित सांगलिया बगीची में बिड़दा दास महाराज की 65 वीं पुण्यतिथि पर दो दिवसीय धार्मिक आयोजन अखिल भारतीय सांगलिया धूणी के पीठाधीश्वर स्वामी ओमदास महाराज के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। स्वामी ओम दास महाराज ने कहा कि गुरु की महिमा अनंत है और गुरु ही व्यक्ति को सत्य व ज्ञान का मार्ग दर्शाते हैं। महाराज ने कहा कि सनातन की एकता व मजबूती के लिए समाज में समानता, समरसता व सदभावना को बढ़ावा देकर ऊंच-नीच, भेदभाव, छुआछूत जैसी कुरूतियों को त्यागना होगा। दो दिवसीय धार्मिक आयोजन में मौजीदास धूना अडकसर के महंत ओमदास महाराज, प्रताप दास महाराज बिठुडा, जग्गूदास महाराज कुमास, सेवा दास महाराज, मेघदास महाराज, कमल दास, भैरदास महाराज, मालदास महाराज, बीदासर प्रधान संतोष मेघवाल, पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल, प्रधान मनभरी देवी सहित धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक संगठनों के जुड़े अनेक लोग शामिल हुए। बिड़दा दास सांगलिया बगीची के युवा महंत केशव दास महाराज ने दो दिवसीय धार्मिक आयोजन में पधारे सभी संतो, संगीतकारों, सेवकों, श्रदालुओ, प्रबुद्धजनों का आभार प्रकट किया।

हजारों लोगों ने भंडारे में किया प्रसाद ग्रहण

बिड़दादास महाराज की 65वीं बरसी पर आयोजित भंडारे प्रसादी में विभिन्न पंथ, परंपरा, संप्रदाय के सैकड़ो साधु-संतों सहित हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। दो दिवसीय धार्मिक आयोजन में सैकड़ो सेवकों व श्रद्धालुओं ने आयोजन की सफलता में अपना योगदान दिया।

भजन संध्या में दर्जनो संगीतकारों का समागम

गत रात्रि को बिड़दादास महाराज की 65वीं पुण्यतिथि पर आयोजित भजन संध्या में सुजला सहित राजस्थान भर के दर्जनों प्रसिद्ध कलाकारों ने सुबह तक शानदार भजनों की प्रस्तुतियां दी। भजन संध्या में सांगलिया पीठाधीश्वर स्वामी ओमदास महाराज, इंडियन आइडल के सुपरस्टार सवाई भाट, प्रतापदास महाराज, केशव दास महाराज, दौलत गर्वा, रमा बाई, जयराम जाखड़, जगदीश सांगलिया, ओमप्रकाश जाना, राजू आबसर, भैरदास महाराज, भंवर धनकोली, राजू अड़कसर, अन जी-धन जी सहित अनेक कलाकारों ने एक से बढ़कर एक शानदार भजनों की प्रस्तुतियां देकर सुबह तक श्रोताओं को बांधे रखा। भजन संध्या का संचालन किशोरदास स्वामी ने किया।

11 सूत्री नवीन मांगपत्र को लागू करने की मांग, महासंघ ने किया धरना प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर अपनी 11 सूत्री मांगों को लेकर प्रदेश भर में शुक्रवार को चूरू जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया व कलेक्ट्रेट कार्यालय के समक्ष खेमराज समिति की होली जलाई गई। महासंघ के जिलाध्यक्ष रिछपाल सिंह चारण ने बताया कि जिला कलक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया और खेमराज समिति की रिपोर्ट की होली जलाई गई। महासंघ के जिला महामंत्री फूलेसिंह बुरड़क ने बताया कि कर्मचारियों के समक्ष आज अनेक गंभीर चुनौतियां मौजूद हैं। बेशक राजस्थान में पुरानी पेंशन योजना लागू हो गई है परंतु ओपीएस पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। शेखावत संघ के जिला मंत्री वेदपाल मलिक ने अपने संबोधन में बताया अनेक संवर्गों में वेतन विसंगतियां पैदा हो गई है। जिनका निराकरण सरकार नहीं कर रही है खेमराज समिति की रिपोर्ट ने भी निराश किया है। शेखावत संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष भंवरलाल कस्वां ने बताया कि अधीनस्थ सेवा के कर्मचारियों और शिक्षकों के पदोन्नति अवसरों में बहुत अधिक विषमता है। महासंघ के जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष बाबू खान, कमल वर्मा ने बताया कि अधीनस्थ

सेवा के कर्मचारियों और शिक्षकों के पदोन्नति अवसरों में बहुत अधिक विषमता है सरकार की निजीकरण की नीति के तहत अनेक विभागों में पद समाप्त किया जा रहे हैं। इस अवसर पर प्रांतीय कमेटी के विनोद कसवां, सहायक कर्मचारी निवास माली, नर्सिंग संघ के सुमेर सिहाग, ग्राम विकास अधिकारी संगठन के बीरबल राम, आयुर्वेद नर्सेज के विजेंद्र सिंह राठौड़, नल मजदूर यूनियन के मदन लाल स्वामी, वन श्रमिक संघ के बाबू खां, आंगनवाड़ी से सविता धोलिया, सूचना सहायक संघ के पप्पूराम, शिक्षक संघ शेखावत के सुरेंद्र सीगड़, रणवीर सारण, गौरीशंकर सिहाग, सुरेंद्र झोरड़, अमरचंद सांडेला, महेंद्र पूनिया, विजय सिंह जाखड़, विजयपाल भाकर, वरिष्ठ कर्मचारी नेता सत्यनारायण व्यास, वरिष्ठ कर्मचारी नेता प्रमोद शर्मा, मातूसिंह राठौड़, हंसराज हुड्डा, अनिल लांबा, रश्मि चौधरी, शेरसिंह पूनिया, खादिम अली, नक्षत्र सिंह, रविन्द्र सिंह बुरड़क आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शुभकरण नैण ने किया। पीएफआरडीए अधिनियम को निरस्त कर राज्य कर्मचारियों के 53000 करोड रुपए जीपीएफ खातों में जमा किए जाएं किया जाए, 9,18 व 27 वर्ष की सेवा पर एसीपी के स्थान पर 7,14,21, व 28 वर्ष की सेवा पर पदोन्नति पद का वेतनमान स्वीकृत किया जाए, विभिन्न कर्मचारी संगठनों की ओर से किए गए समझौतों व सहमतियों को लागू किया जाए। सहायक कर्मचारियों को एमटीएस घोषित किया जाए, नियमित पदों पर संविदा कार्मिकों के भर्ती के लिए जारी संविदा नियम 2022 को प्रत्याहारित कर रिक्त पदों पर नियुक्त संविदा कार्मिकों / अस्थाई कार्मिकों को नियमित किया जाए। जनवरी 2020 से जून 2021 तक का महंगाई भत्ता स्वीकृत किया जाए। प्रदेश में लागू की गई पुरानी पेंशन योजना के पश्चात कर्मचारियों के एनपीएस में कटौती की गई राशि जी पी एफ खाते में स्थानांतरित की जाए और कर्मचारियों की ओर से लिए गए ऋण की वसूली के जारी आदेशों को प्रत्याहारित किया जाए। प्रदेश के मंत्रालयिक कर्मचारियों को शासन सचिवालय के समान वेतन भत्ते स्वीकृत किए जाए। कर्मचारी संगठनों के धरना प्रदर्शन पर रोक के लिए सरकार की ओर से अलोकतांत्रिक निर्णय कर जारी किए गए नो वर्क नो पे के आदेश 5 अक्टूबर.2018 को प्रत्याहरित किया जाए।राज्य सरकार, बोर्ड, निगम, सहकारी संस्थाओं में कार्यरत कर्मचारियों के लिए समान काम समान वेतन की नीति लागू की जाए। पूर्व के वेतन मनों में उत्पन्न वेतन विसंगतियों को दूर कर कार्मिकों का न्यूनतम वेतन 26000 रुपए किया जाए।

कार-पिकअप की भिड़ंत में एक की मौत, पांच घायल

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे में एन एच 11 पर परसनेऊ स्टेण्ड के पास एक कार पिकअप की आमने सामने भिडन्त हो गई। जिसमें एक की मौत हो गई जबकि पांच घायल हो गए। जिसमें दो को गम्भीर रूप से घायल होने पर हायर सेन्टर रैफर कर दिया है। जानकारी के अनुसार पिकअप में सवार राधेश्याम कपूरिया पुत्र गणैशाराम जाट वार्ड 19 शाहपुरा जयपुर की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर राजलदेसर पुलिस मौके पर पहुची। एम्बूलैंस और निजी वाहनों से घायलों को राजलदेसर राजकीय चिकित्सालय पहुंचाया। सूचना मिलते ही चिकित्सालय में काफी लोगों की भीड़ जमा हो गई। घायल धन्नाशु पुत्र मनीष उम्र 23 निवासी बगड़ और ईशा गुप्ता पुत्री गोविन्द निवासी बीकानेर, नीलकंठ पुत्र रोशन उम्र 40 पलवाडा अलवर, रविन्द्र पुत्र अमरसिंह 39 भगतसिह कालोनी श्रीगंगानगर, गरीमा पुत्र सोहनलाल गहलोत बीकानेर को को प्राथमिक उपचार के बाद रैफर कर दिया। मृतक का शव मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस जांच में जुट गई।

अवकाश के बावजूद स्कूल खोला, नोटिस जारी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। निजी विद्यालय कई बार सरकारी छुट्टी के आदेश की अवहेलना करते हैं और इसको हलके में लेते हैं, लेकिन अगर लोग जागरूक हों, तो प्रशासन भी कार्यवाही करता है। इसी प्रकार का वाकया 4 फरवरी को देवनारायण जयंती की छुट्टी के दिन सामने आया, जब निकटवर्ती गांव सारोठिया की निजी स्कूल स्वामी विवेकानंद विद्या आश्रम संस्थान ने छुट्टी के दिन भी बसों में भरकर विद्यार्थियों को स्कूल बुलाया। स्कूल से बाहर निकलते वक्त बच्चों के जीपीएस फोटो शोसल मीडिया पर आए, जिसके बाद श्री देवनारायण मंदिर समिति ट्रस्ट के सेटलर ट्रस्टी नरेंद्र गुर्जर ने मामले की जानकारी सीबीईईओ और जिला शिक्षा अधिकारी को दी। जिस पर मामले को गंभीरता से लेते हुए इस निजी स्कूल स्वामी विवेकानंद विद्या आश्रम संस्थान के निदेशक अथवा प्रधानाचार्य को सीबीईईओ सुनीता पुनिया ने कारण बताओ नोटिस देकर व्यक्तिगत रूप से हाजिर होकर स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं। अगर समय पर स्पष्टीकरण नहीं दिया गया, तो विभागीय कार्यवाही की चेतावनी भी नोटिस में दी गई है।

सिद्धार्थ दूधवाल ने जीता कांस्य पदक

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। सुजानगढ़ के तीरंदाज सिद्धार्थ दूधवाल ने 38वें नेशनल गेम्स में कांस्य पदक जीता है। उत्तराखंड के देहरादून में आयोजित हुए गेम्स में सिद्धार्थ ने टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। राजस्थान कंपाउंड पुरुष टीम में सिद्धार्थ दूधवाल, रजत चौहान, जसमीत सिंह, अजय सिंह शेखावत शामिल थे। टीम ने सीनियर खिलाड़ी एवं बड़ी बहन स्वाति दूधवाल के मार्गदर्शन में यह उपलब्धि हासिल की। टीम स्पर्धा के क्वाटर फाइनल मैच में पंजाब को 232-229 से हराया। सेमीफाइनल मैच में हरियाणा से 227-232 से हार का सामना करना पड़ा। कांस्य पदक के मुकाबले में जम्मू कश्मीर को 229-222 से हराकर कांस्य पदक पर कब्जा किया।

जिला स्तरीय अमृता हाट मेले का शुभारंभ आज

जिले के सरदारशहर में 17 फरवरी तक चलेगा मेला

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिले के सरदारशहर मुख्यालय पर जिला प्रशासन व महिला अधिकारिता विभाग के तत्वावधान में आयोजित किए जा रहे जिला स्तरीय अमृता हाट मेले का शनिवार को सवेरे 11 बजे शुभारंभ किया जाएगा। महिला अधिकारिता विभाग सहायक निदेशक जयप्रकाश ने बताया कि जिले के सरदारशहर उपखंड मुख्यालय स्थित ताल मैदान में 17 फरवरी तक जिला स्तरीय अमृता हाट मेला आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मेले में महिला स्वयं सहायता समूहों व महिलाओं की ओर से निर्मित व मूल्य संवर्धित उत्पादों की प्रदर्शनी व बिक्री की जाएगी। इसी के साथ प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम व विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएगी। उन्होंने सभी जिलेवासियों से मेले में शिरकत करने की अपील की है।

ठेकेदार व अधिकारियों पर मिलीभगत का लगाया आरोप

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। रतन नगर ओवरब्रिज निर्माण की स्वीकृति के बाद ठेकेदार व अधिकारियों की मिली भगत से ओवरब्रिज का डिजाइन परिवर्तन करने के विरोध में शुक्रवार को पीपुल यूनिटी संस्था के पदाधिकारियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि ठेकेदार व अधिकारियों की मिली भगत से रतन नगर ओवरब्रिज का डिजाइन में परिवर्तन कर फोर लेन की जगह टू लेन कर दिया है। जिससे आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। गौरतलब है कि अग्रसेन नगर आरओबी के भी यही हालात है। ज्ञापन में बताया कि इस पुलिया का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा था, परन्तु जो डिजाइन स्वीकृत हुई थी, उसमें ठेकेदार व अधिकारियों की मिली भगत से इसमें परिवर्तन कर दिया गया है, इसका खामियाजा आमजन को भुगतना होगा। जो नियमों के विरुद्ध है। संस्थान के जिलाध्यक्ष रघुनाथ खेमका ने बताया कि फोरलेन से टूलेन करने से दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ेगी। चूरू-जयपुर आरओबी अनुपयोगी होने के कारण सभी भारी वाहन इस पुलिया से ही होकर गुजरेंगे, जिससे यातायात बाधित होगा। बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए यहां यात्री भार भी बढ़ेगा और यह पुल भी अनुपयोगी हो जाएगा। ज्ञापन में मांग की गई कि

पहले जो फोरलेन आरओबी स्वीकृत हुआ है, उसी के अनुसार ही कार्य करवाया जाए। खेमका ने बताया कि दुर्भाग्य तो इस बात का है कि यह इससे पहले चूरू-जयपुर मार्ग पर बनाया गया आरओबी भी अनुपयोगी पड़ा है, वहां आज भी भारी वाहनों का आवागमन बाधित है। इस कारण से जयपुर से आने वाले सभी भारी वाहन अग्रसेन होकर ही गुजरते हैं। इसके साथ ही साहवा, तारानगर, भादरा जाने वाले वाहनों को भी अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। ज्ञात रहे कि इस आर. ओ. बी. के लिए 97.95 करोड़ की राशि स्वीकृत हुई है, जबकि इस निर्माण कार्य में 77.21 करोड रुपए ही खर्च होंगे और लगभग 21 करोड़ रुपए की इसमें बचत होगी। इंजीनियर सुरेश शर्मा ने बताया कि वहां के नागरिकों को मुआवजा देकर भी इस कार्य को सुचारू व सुविधाजनक निर्माण करा सकते हैं। इसके लिए राजनीतिक व आम नागरिकों की इच्छा शक्ति होनी चाहिए। इस अवसर पर अर्जुन प्रजापत, मोहन भालेरी वाला, सत्यवीर बेनीवाल, हिदायत खान, हारुन खान, महमूद खान, मुकेश शर्मा, राकेश सहारण आदि उपस्थित रहे।

एसआईपीएफ दावा प्रपत्र ऑनलाईन सबमिट करें

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। राज्य कर्मचारियों से उनकी एसआईपीएफ दावा प्रपत्र ऑनलाइन सबमिट करने के लिए कहा गया है। राज्य बीमा व प्रावधायी निधि विभाग सहायक निदेशक भंवर लाल जल ने बताया कि राज्य कर्मचारियों जिनकी जन्म 01 अप्रैल, 1965 से 31 मार्च, 1966 तक है, उन बीमेदारों की बीमा पॉलिसी 1 अप्रैल, 2025 को भुगतान के लिए परिपक्व हो रही है। जिन कार्मिको ने अभी तक अपने दावा सबमिट नहीं किए हैं, वे कर्मचारी दावा भुगतान के लिए बीमेदार की एसएसओ आईडी एसआईपीएफ न्यू पोर्टल में बीमा पॉलिसी, बीमा पास बुक, पदस्थापन विवरण सहित अन्य दस्तावेज ई-बैग में अपलोड कर दावा प्रपत्र ऑन लाईन सबमिट करते हुए अपने दावा अविलम्ब भिजवाएं। उन्होंने बताया कि इसके लिए बीमेदार की अंतिम बीमा कटौती माह दिसम्बर, 2024 तक के वेतन से की जानी है। दिसंबर, 2024 माह के वेतन के पश्चात बीमा कटौती नहीं की जाए। बीमेदार के बैंक खाते में परिपक्वता स्वत्व की राशि जमा कराने की कार्यवाही राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग की ओर से की जाएगी। उन्होंने बताया कि कर्मचारी सुनिश्चित करें कि भिजवाई गई बैंक डिटेल पै-मैनेजर के अनुसार सही है, ताकि राशि सही खाते में जमा हो।

दो दिवसीय सेमिनार में किसानों को मिली नई कृषि तकनीकों की जानकारी

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के कृषि विज्ञान केंद्र में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण दो दिवसीय कृषक सेमिनार का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में 100 से अधिक किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम में आइएएसई मानित विश्वविद्यालय के सम कुलाधिपति प्रोफेसर देवेंद्र मोहन ने कृषि और बागवानी फसलों में कीट नियंत्रण पर विशेष जानकारी साझा की। उद्यान विशेषज्ञ अजय कुमावत ने संरक्षित बागवानी के आधुनिक तरीकों पर प्रकाश डाला। जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सके। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ वीके सैनी ने मृदा स्वास्थ्य और पोषण प्रबंधन पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। कृषि अधिकारी डॉ रामावतार शर्मा ने लो टनल प्लास्टिक मल्च और रोग नियंत्रण की तकनीकों की जानकारी दी। उपनिदेशक धर्मवीर डूडी ने किसानों को पॉली हाउस और ग्रीन हाउस जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि विभाग किसानों की आय बढ़ाने के लिए नई योजनाएं लागू कर रहा है। कार्यक्रम में महेंद्र कुमार, बीरबल, नरेंद्र कुमार, श्याम बिहारी व्यास, हरीश कुमार और रमन जोधा सहित कई विशेषज्ञों ने संरक्षित बागवानी पर अपने विचार साझा किए। यह सेमिनार किसानों के लिए नवीन कृषि तकनीकों को सीखने का एक बेहतरीन मंच साबित हुआ।

दुर्घटना में घायल व्यक्ति का मोबाइल 108 एंबुलेंस में मिला

एम्बुलेंस चालक और ईएमटी ने किया परिजनों को सुपुर्द

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के खींवणसर गांव के पास बुधवार को स्विफ्ट कार की टक्कर से बाइक सवार दो जने घायल हो गए थे। सूचना पर मौके पर पहुंचे 108 एंबुलेंस के चालक सुभाष सिहाग और ईएमटी संजय खीचड़ ने घायलों को 108 एंबुलेंस की सहायता से चूरू के भारतीय अस्पताल में भर्ती करवाया था। इस दौरान बाइक सवार बरलाजसर निवासी शुभकरण मेघवाल का मोबाइल 108 एंबुलेंस के अंदर ही गिर गया। एंबुलेंस की सफाई करते वक्त जब मोबाइल मिला तो एंबुलेंस के चालक और ईएमटी ने ईमानदारी का परिचय देते हुए घायलों के परिजनों से संपर्क किया। क्योंकि मोबाइल स्विच ऑफ हो चुका था तो मोबाइल किसका है इसकी पुष्टि नहीं हो पा रही थी। शुभकरण मेघवाल के परिजनों ने बताया कि

यह मोबाइल शुभकरण मेघवाल का ही है। इसके बाद शुक्रवार को 108 एंबुलेंस के चालक सुभाष सिहाग और ईएमटी संजय खीचड़ ने सरदारशहर पुलिस थाने के सामने शुभकरण मेघवाल के परिजनों को मोबाइल सुपूर्द कर दिया। शुभकरण मेघवाल के परिजनों ने 108 एंबुलेंस के चालक सुभाष सिहाग और ईएमटी संजय खीचड़ का आभार जताकर धन्यवाद दिया।

पालिका ने हटवाया अतिक्रमण

जयपुर टाइम्स

उदयपुरवाटी(निस)। कस्बे के बस स्टैंड स्थित अग्रवाल समाज की धर्मशाला के सामने बनी लकड़ी और लोहे की दुकानों को जेसीबी से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुक्रवार को नगर पालिका और प्रशासन ने की। उपखंड अधिकारी के आदेश पर की गई इस कार्रवाई में सभी चबूतरों को खाली करवा दिया गया। मौका मजिस्ट्रेट व नायब तहसीलदार नीरज वर्मा ने उपखंड अधिकारी के आदेश से अतिक्रमण हटाया गया है। कार्रवाई के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एसएचओ कस्तूर वर्मा पुलिस के साथ मौजूद रहे। साथ ही पालिका के ईओ तौफ़ीक़ अहमद, पालिका एसआई देवीलाल रेप्सवाल, जमादार पुष्कर वाल्मीकि सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सात दिवसीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता सप्ताह उमंग का शुभारम्भ

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के आईएएसई डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी गांधी विद्या मंदिर के शिक्षा संकाय में सांस्कृतिक प्रतियोगिता सप्ताह उमंग का शुभारम्भ किया गया। सर्वप्रथम माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। प्रथम दिवस पर गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। एकल गायन में गजल, भजन, देशभक्ति गीत, फिल्मी गीत, लोक गीत आदि विभिन्न वर्ग रखे गए। कार्यक्रम में मुख्य

अतिथि प्रो ओपी जांगिड़ विज्ञान संकाय, विशिष्ट अतिथि प्रो वीके स्वामी, कैम्पस डायरेक्टर डॉ कैलाश पारीक, अधिष्ठाता कला व सामाजिक विज्ञान संकाय आदि उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में अध्यक्ष की भूमिका में डॉ प्रवीण शर्मा व निर्णायक सुरेन्द्र पारीक, जितेन्द्र सैनी, डॉ चन्द्रकला स्वामी आदि रहे। प्रभारी डॉ उमा सैनी ने बताया कि प्रतियोगिताएँ सात दिन चलेंगी। जिसमें एकल गायन, युगल गायन, विचित्र वेषभूषा, एकाभिन्य, मूकाभिन्य एकल नृत्य, युगल नृत्य व सामूहिक नृत्य आदि का आयोजन किया जाएगा। एकल गायन प्रतियोगिता में सम्पत जांगिड़, नीलम, पूजा शर्मा, उर्मिला सुथार ने प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। संचालन सम्पत जांगिड़ बीएड प्रशिक्षणार्थी की ओर से किया गया।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।